शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

कर्नाटक में अप्रैल से अत्यधिक प्री-मानसून बारिश के कारण 71 लोगों की मौत @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । सोमवार, 02 जून, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-151

ममता की खुशामद में बंगाल की अदालतें भी मुस्लिम तुष्टिकरण पर उतरीं

पाकिस्तान को कोसने पर 22 साल की लड़की को उठा ले गई पुलिस

गुरुग्राम, 01 जून (एजेंसियां)। पहलगाम हमले में हिंदुओं को चुन-चुन कर मारे जाने पर पाकिस्तानियों और इस्लामिक कट्टरपंथियों का सोशल मीडिया पर जवाब देने वाली 22 साल की लड़की शर्मिष्ठा पनौली से ममता बनर्जी इतनी खफा हो गईं कि कोलकाता पुलिस को हरियाणा के गुरुग्राम (गुड़गांव) भेज कर उस लड़की को उठवा लिया। मुस्लिम तुष्टिकरण की यह इंतिहा हो गई।

कोलकाता पुलिस की यह कार्रवाई लोगों को और भी नागवार इसलिए लगी कि जिस जगह आकर कोलकाता पुलिस ने 22 साल की लड़की को सार्वजनिक तरीके से उठाया, वह हरियाणा राज्य भाजपा शासित राज्य है।

पाकिस्तान को सोशल मीडिया पर कोसने वाली पुणे के सिम्बायोसिस लॉ कॉलेज की 22 वर्षीय छात्रा शर्मिष्ठा का वीडियो देख कर बंगाल के इस्लामी कट्टरपंथियों और उनकी आका ममता बनर्जी को गुस्सा आ गया। शर्मिष्ठा को पकड़ने के कोलकाता पुलिस 1500 किलोमीटर दूर गुरुग्राम पहुंच गई और शर्मिष्ठा को गिरफ्तार कर लिया।

शर्मिष्ठा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से बॉलीवुड कलाकारों को भी पहलगाम हिंसा पर चुप्पी साधे रखने के लिए धिक्कारा था। फिर कट्टरपंथियों को गुस्सा आना स्वाभाविक था। कट्टरपंथियों ने छोटी बच्ची शर्मिष्ठा का सिर तन से जुदा करने की धमकियां देनी शुरू कर दीं। इससे भी मन नहीं भरा तो उसका बलात्कार करने की सार्वजनिक धमकियां दी गईं।

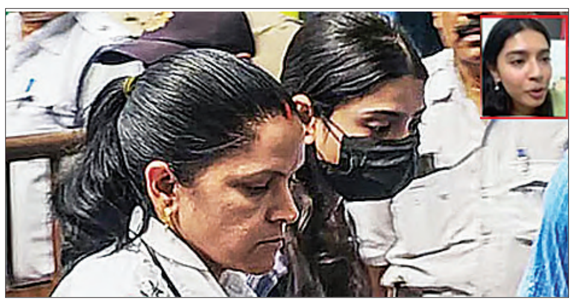

पहलगाम हमले पर बोली तो नाराज हो गए थे ममता के मुस्लिम गुर्गे

रेप करने और सिर काटने की धमकी देने वालों पर कोई कार्रवाई नहीं

इससे भी मन नहीं भरा तो उसे पुलिस भेज कर गिरफ्तार करा लिया। सिर तन से जुदा करने या बलात्कार करने की धमकियां देने वाले लोगों पर कार्रवाई करने में इस देश की अदालतों ने कोई ध्यान नहीं दिया। हां, उस लड़की को गिरफ्तार करने में अदालत ने भी अत्यधिक रुचि दिखाई। यह साफ-साफ दिखा कि अदालतें और पुलिस किसकी चाकर हैं।

कोलकाता पुलिस ने सिर तन से जुदा और रेप करने की धमकी देने वाले इस्लामी कट्टरपंथियों के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय शर्मिष्ठा को गिरफ्तार करने के लिए गुरुग्राम तक का सफर तय करना ज्यादा पसंद किया। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर शर्मिष्ठा को शुक्रवार 30 मई को कोलकाता पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। यह गिरफ्तारी तब हुई जब शर्मिष्ठा को इस्लामी कट्टरपंथियों की भीड़ ऑनलाइन डॉक्सिंग का शिकार बना रही थी और उनके साथ रेप करने से लेकर सिर तन से जुदा की धमकियां दे रही थी।

शर्मिष्ठा को सिर तन से जुदा करने या बलात्कार करने जैसी गंभीर और गंधी धमकियां देने वाले इस्लामी कट्टरपंथी सोशल मीडिया यूजर्स के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय ममता बनर्जी की पुलिस ने शर्मिष्ठा को ही पकड़ लिया। सोशल मीडिया एक्टिविस्ट सुनैना होले का कहना है कि कोलकाता पुलिस के पास कोई उचित दस्तावेज या वारंट नहीं था, लेकिन फिर भी वे मजिस्ट्रेट का आदेश लेने में कामयाब रहे और हरियाणा सरकार या प्रशासन मुंह बाए देखता रह गया।

▶10पर

विवादास्पद यूनुस को ब्रिटेन में मिलेगा विवादास्पद पुरस्कार

कुख्यात आतंकवादी लादेन के धन से सना सम्मान!

सूफी यायावर

लंदन/ढाका, 01 मई। आतंकी संगठन अल कायदा के कुख्यात सरगना रहे ओसामा बिन लादेन के परिवार के अकूत धन से शुरू हुआ ब्रिटेन का किंग चार्ल्स हार्मोनी अवार्ड बांग्लादेश की हार्मोनी को तहस-नहस करने वाले मोहम्मद यूनुस को मिलने जा रहा है। ब्रिटेन के मौजूदा नरेश किंग चार्ल्स-3 अपने उन्हीं हाथों से बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस को पुरस्कार देंगे, जिन हाथों से उन्होंने लादेन परिवार से अकूत धन और बहुमूल्य उपहार लिए थे। यूनुस अपने देश में इस पुरस्कार को ऐतिहासिक और प्रतिष्ठित बताने का पूरा प्रचार-प्रसार कर रहे हैं। जबकि आतंकवादी सरगना के परिवार से मिले धन से यह पुरस्कार वर्ष 2024 में ही शुरू हुआ। मजाकिया और विडंबना भी है कि पहला पुरस्कार संयुक्त राष्ट्र के पूर्व महासचिव बान की मून को दिया गया था।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस को ब्रिटेन का किंग चार्ल्स हार्मोनी अवार्ड-2025 मिलने जा रहा है। पुरस्कार प्राप्त करने के लिए यूनुस ब्रिटेन जाने वाले हैं जहां ब्रिटेन के मौजूदा किंग चार्ल्स-3 उन्हें यह पुरस्कार देंगे। यूनुस को यह पुरस्कार ऐसे समय मिलने जा रहा है, जब वे बांग्लादेश के लोगों के मुख्य शत्रु के रूप में कुख्यात हो रहे हैं। बांग्लादेश में बहुप्रतीक्षित आम चुनाव को स्थगित करके अवैध रूप से अनिश्चित काल तक सत्ता में बने रहने का नापाक प्रयास कर रहे हैं। लोकतंत्र विरोधी हरकतें कर रहे हैं और मानवाधिकारों का उल्लंघन, पत्रकारों पर दमन और हिंदुओं, ईसाइयों और अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों बर्बर

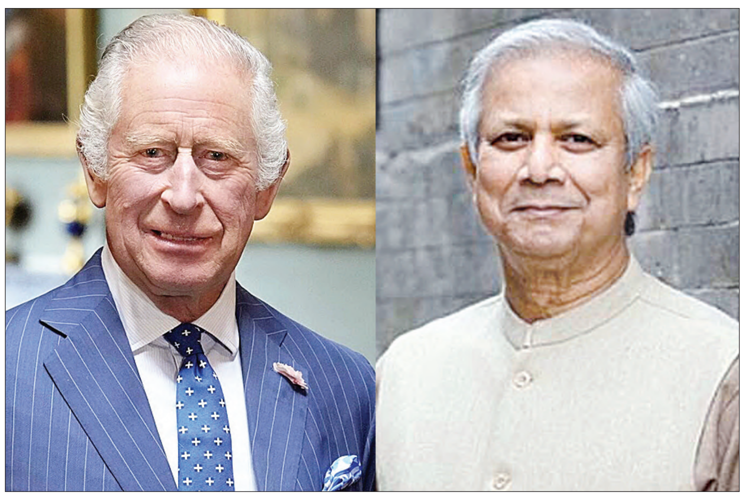

लादेन के भाई से प्रिंस चार्ल्स ने लिया था अकूत धन

घोटालों से घिरा सम्राट यूनुस को देगा हार्मोनी अवार्ड

हिंसा को बढ़ावा दे रहे हैं। साथ ही, यूनुस पर कट्टर इस्लामवादियों और जेहादियों को सरकारी सुविधाएं देने और यूएस डीप स्टेट, पाकिस्तानी आईएसआई और विदेशी हितों को बांग्लादेश में लाभ पहुंचाने के गंभीर आरोप हैं। यूनुस की इन हरकतों से बांग्लादेश छद्म युद्ध, अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद और नार्को-तस्करी के खतरनाक दलदल में धंसता जा रहा है।

किंग चार्ल्स हार्मनी अवार्ड हाल ही वर्ष 2024 में शुरू किया गया है, लेकिन यूनुस इसे ऐतिहासिक पुरस्कार बताने के प्रचार-प्रसार में लगे हैं। इस पुरस्कार के पहले प्राप्तकर्ता संयुक्त राष्ट्र के पूर्व महासचिव बान की मून थे। एक साल पहले शुरू हुआ यह पुरस्कार ऐतिहासिक और सर्वाधिक प्रतिष्ठित कैसे हो गया, यह यूनुस या किंग चार्ल्स-3 ही बता सकते हैं। खुद गंभीर विवादों में घिरे ब्रिटेन के किंग चार्ल्स-3 विवाद-पुरुष यूनुस को विवादास्पद पुरस्कार देने जा रहे हैं। आतंकवादी सरगना परिवार से प्राप्त धन से शुरू हुआ यह पुरस्कार बांग्लादेश को आतंकवाद में झोंक रहे मोहम्मद यूनुस को दिया जा रहा है।

अधिक दिन पहले की बात नहीं है। ब्रिटेन के तब के राजकुमार चार्ल्स को 2011 और 2015 के बीच कतर के एक विवादास्पद नेता से लाखों डॉलर की नकदी से भरे सूटकेस और शॉपिंग बैग मिलने का खुलासा हुआ था। यह भी पर्दाफाश हुआ था कि वर्ष 2013 में राजकुमार चार्ल्स ने अमेरिका पर 9/11 को हुए हमलों के मास्टरमाइंड आतंकी संगठन अल कायदा के कुख्यात सरगना ओसामा बिन लादेन के सौतेले भाई से एक मिलियन पाउंड (1.7 मिलियन डॉलर) लिया था। इस लेनदेन के दो साल पहले ही ओसामा बिन लादेन को अमेरिका ने पाकिस्तान में घुस कर मारा था। जब मामला उजागर हुआ तो कहा गया कि वह धन प्रिंस ऑफ वेल्स चैरिटेबल फंड (पीडब्लूसीएफ) को दान में मिला था। प्रिंस चार्ल्स ने ओसामा बिन लादेन के सौतेले भाई बकर बिन लादेन और शफीक बिन लादेन से यह पैसा सऊदी अरब स्थित ब्रिटिश क्लेरेंस हाउस में लिया था। चार्ल्स ने 2013 में लंदन में बकर बिन लादेन से मुलाकात की थी और उसका उपहार स्वीकार करने पर सहमति जताई थी।

वर्ष 2021 में ब्रिटिश मीडिया ने यह उजागर किया था कि चार्ल्स की चैरिटी संस्था प्रिंस फाउंडेशन से जुड़े लोगों ने दान के बदले में एक सऊदी अरबपति को सम्मान के नागरिकता दिलाने में सक्रिय रोल अदा किया था। वह सऊदी अरबपति महफूज मारेई मुबारक बिन महफूज था, जिसने चार्ल्स को बड़ी रकम दान की थी। आरोपों की आंतरिक जांच के बाद फाउंडेशन के प्रमुख माइकल फॉसेट ने 2021 में इस्तीफा दे दिया था। इससे पहले, द संडे टाइम्स ने भी अपनी रिपोर्ट में कहा कि प्रिंस चार्ल्स ने 2011 और 2015 के बीच एक विवादास्पद कतर के नेता से लाखों डॉलर की नकदी से भरे सूटकेस और शॉपिंग बैग व्यक्तिगत रूप से स्वीकार किए थे। प्रिंस ऑफ वेल्स के एक पूर्व सलाहकार ने लंदन के संडे टाइम्स को बताया कि ▶10पर

सभी सैन्य रेंजों पर भारतीय सेना कर रही सघन युद्धाभ्यास

सेना परख रही है अपनी ताकत और तकनीक

नई दिल्ली, 01 जून (एजेंसियां)। पोखरण के रेगिस्तान से लेकर जोशीमठ के पहाड़ तक, सभी महत्वपूर्ण फायरिंग रेंजों में युद्ध का माहौल है। एयर डिफेंस और इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सिस्टम के साथ भारतीय सेना अपनी ताकत परख रही है और अभ्यास कर रही है। इसके साथ ही भारत सरकार ने शनिवार 31 मई को जम्मू-कश्मीर से लेकर गुजरात, पंजाब और राजस्थान तक पाकिस्तान सीमा से सटे राज्यों में ऑपरेशन शील्ड के तहत मॉक ड्रिल का भी आयोजन किया। इस अभ्यास का उद्देश्य युद्ध जैसी आपातकालीन परिस्थितियों में नागरिक सुरक्षा उपायों की प्रभावशीलता का परीक्षण करना था। ऑपरेशन शील्ड मॉक ड्रिल, ऑपरेशन सिंदूर के बाद का पहला नागरिक सुरक्षा अभ्यास है। ऑपरेशन सिंदूर में भारत ने पाकिस्तान और पीओके में स्थित आतंकवादी ठिकानों पर कार्रवाई की थी, जिसके बाद यह मॉक ड्रिल आयोजित की गई।

भारतीय सेना इन दिनों देशभर में अपनी युद्ध क्षमता बढ़ाने के लिए बड़े सैन्य अभ्यास कर रही है। यह अभ्यास पोखरण, बबीना और जोशीमठ जैसे महत्वपूर्ण स्थानों पर हो रहा है। इसके साथ ही, आगरा और गोपालपुर में हवाई सुरक्षा उपकरणों का भी विशेष अभ्यास किया जा रहा है। यह अभ्यास असली युद्ध जैसी स्थितियों में किए जा रहे हैं, जिनमें दुश्मन के इलेक्ट्रॉनिक हमलों का भी सिमुलेशन शामिल है। इसका मकसद नई रक्षा प्रणालियों की ताकत और विश्वसनीयता को परखना है। थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने पिछले दिनों बबीना फील्ड फायरिंग रेंज में इन अभ्यासों का जायजा लिया और रक्षा अधिकारियों से विचार-विमर्श किया। इन अभ्यासों से भारतीय सेना अपनी आधुनिक युद्ध क्षमताओं को मजबूत कर रही है, ताकि भविष्य की सुरक्षा जरूरतों के लिए तैयार रहा जा सके।

उधर, गुजरात, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा और कश्मीर में नागरिक सुरक्षा को मजबूत करने के लिए मॉक ड्रिल और ब्लैकआउट अभ्यास किए गए। ऑपरेशन शील्ड के तहत यह अभ्यास आयोजित

युद्ध की तैयारी के तहत देश में हुआ नागरिक सुरक्षा अभ्यास

पाकिस्तान सीमा वाले राज्यों में चलाया गया ऑपरेशन-शील्ड

किया गया, जिसका उद्देश्य आपातकाल या युद्ध जैसी स्थिति में तेजी से और सही ढंग से बचाव करना और जवाब देना है।

राजस्थान और हरियाणा में सायरन प्रणाली ठीक रखने और प्रतिक्रिया समय को कम करने के निर्देश दिए गए। बारामुला में हुई मॉक ड्रिल में एसडीआरएफ, सिविल डिफेंस, स्वास्थ्य विभाग, अग्निशमन विभाग और एनसीसी कैडेट्स ने भाग लिया। इन गतिविधियों का मुख्य उद्देश्य आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई की तैयारी करना है।

ऑपरेशन शील्ड के तह मॉक ड्रिल का सिलसिला आगे भी होता रहेगा। सरकार ने नागरिकों से मॉक ड्रिल के दौरान संयम बनाए रखने और अधिकारियों के निर्देशों का पालन करने की अपील की है। यह अभ्यास नागरिक सुरक्षा उपायों की प्रभावशीलता का परीक्षण करने और आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए महत्व-पूर्ण है।

इस मॉक ड्रिल के माध्यम से भारत ने सीमावर्ती क्षेत्रों में नागरिक सुरक्षा उपायों की तैयारी और प्रभावशीलता की जांच की गई, जिससे भविष्य में किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए बेहतर रणनीतियां विकसित की जा सकें।

तेलंगाना सीएम रेवंत रेड्डी के बयान पर विवाद

सेना का अपमान कर रहे हैं रेड्डी : भाजपा

हैदराबाद, 01 जून (एजेंसियां)।

रेवंत रेड्डी

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार की आलोचना किए जाने पर भाजपा की तेलंगाना इकाई ने कड़ी प्रतिक्रिया जाहिर की है। भाजपा ने रेड्डी के बयानों को पाकिस्तान के प्रचार से मिलता-जुलता बताया है। भाजपा के तेलंगाना प्रमुख प्रवक्ता एनवी सुभाष ने एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी का जिक्र करते हुए कहा कि भले ही ओवैसी भाजपा के आलोचक हैं, लेकिन वे पाकिस्तान के धोखेबाज चरित्र को समझते हैं। मगर रेवंत रेड्डी का रवैया पाकिस्तान के दावों का समर्थन करता है।

भाजपा नेता ने कहा, तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी जानबूझकर ऐसे बयान दे रहे हैं, जो भारतीयों की भावनाओं को ठेस पहुंचाते हैं। उन्होंने रेड्डी की पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) पर टिप्पणी की निंदा की और कहा कि यह सेना का अपमान है। रेड्डी का बयान गैर-ज़िम्मेदाराना से अधिक राष्ट्रविरोधी है। सुभाष ने कहा, रेड्डी वही झूठे दावे दोहरा रहे हैं, जो एक अखबार ने छापे थे, लेकिन रक्षा मंत्रालय के खंडन के बाद वापस लिए गए। ▶10पर

पहलगाम में हिंदुओं की हत्या का विरोध करने पर मिली जेल!

दोगले मापदंडों पर चल रहा है देश?

इस्लामिक कट्टरपंथियों द्वारा सार्वजनिक तौर पर की गई घिनौनी साइबर लिंचिंग के बाद 22 साल की शर्मिष्ठा ने न केवल वीडियो डिलीट किया बल्कि सार्वजनिक रूप से बिना किसी शर्त माफी भी मांग ली। इसके बावजूद ममता बनर्जी की पुलिस ने गुरुग्राम आकर शर्मिष्ठा को गिरफ्तार कर लिया। इस कार्रवाई में बंगाल पुलिस को कतई शर्म नहीं आई। उसने मुर्शिदाबाद और मालदा के दंगों में भी अपनी मुस्लिम परस्त घिनौनी भूमिका अदा की थी। तो उसे शर्म क्यों आए?

जब भी अभिव्यक्ति की आजादी और धर्मनिरपेक्षता की बात आती है, तथाकथित उदारवादी सेकुलर गिरोह और वोक लिबरल्स सबसे पहले कूद कर सामने आ जाते हैं। नैतिकता का नकाब ओढ़ कर ये लोग बाकी दुनिया को भाषण देने में माहिर हैं। लेकिन जब बात हिंदू भावनाओं और हिंदू समाज पर हमलों की आती है, तब न तो इन्हें बलात्कार की धमकियां दिखाई देती हैं, न सिर तन से जुदा जैसे नारे सुनाई देते हैं और न हिंदू देवी-देवताओं को खुलेआम दी जाने वाली गालियां सुनाई देती हैं। ऐसा क्या होता है कि जब भी बात हिंदुओं पर आती है तो यह जमात मौन व्रत धारण कर लेती है? इस दोगले मापदंड के बारे में ऐसी दोगली जमातें कभी आत्मविश्लेषण नहीं करतीं। भारत में ऐसे बहुतेरे कट्टरपंथी और हिंदू-विरोधी तत्व खुलेआम जहर उगल रहे हैं, हिंदू देवी-देवताओं का अपमान कर रहे हैं, देश और राष्ट्र की संस्कृति पर हमला कर रहे हैं, सेना को गालियां दे रहे हैं, लेकिन उन पर किसी प्रकार की कोई कार्रवाई नहीं होती। न उन्हें गिरफ्तार किया जाता, न उनसे कोई पूछताछ होती। बल्कि इन लोगों को बचाया जाता है, क्योंकि इनकी पीठ पर राजनीति की छत्रछाया है। तुष्टिकरण की राजनीति का इन्हें खुला संरक्षण प्राप्त है।

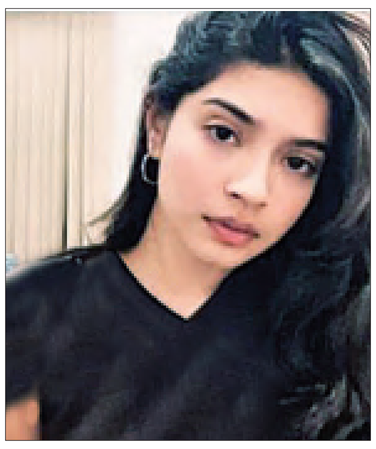

शुभ-लाभ चिंता

अब सवाल है कि अगर 22 साल की शर्मिष्ठा के साथ कोई अनहोनी होती है तो उसका जिम्मेदार कौन होगा? क्या इसके लिए जिम्मेदार जज या शिकायतकर्ता को फांसी की सजा दी जाएगी?

▶10पर

बंगाल भाजपा की सांगठनिक सभा में बोले अमित शाह

ममता को सिंदूर की ताकत दिखाएं बंगाल के लोग

कोलकाता, 01 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और वहां की सत्ताधारी पार्टी तृणमूल कांग्रेस पर आज जमकर निशाना साधा। भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित करते हुए अमित शाह ने ऑपरेशन सिंदूर पर की गई टिप्पणी को लेकर ममता और उनकी सरकार को जमकर घेरा। उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले पर ममता ने चुप्पी साध ली। जब भारतीय सेना ने उस हमले का बदला लिया तो ममता और उनके नेताओं ने फर्जी टिप्पणियां कर ऑपरेशन सिंदूर का अपमान किया। बंगाल की जनता को ममता बनर्जी को सिंदूर की ताकत दिखानी चाहिए। ▶10पर

जीतो महिला विंग द्वारा पहचान, विटबीन ड्रीम्स एंड ड्यूटी सत्र का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जीतो महिला विंग बेंगलूरु नॉर्थ एवं गदग द्वारा, केकेजी जोन और एपेक्स के संयुक्त तत्वावधान में, पहचान वर्टिकल के अंतर्गत महिलाओं में आंतरिक शक्ति पर प्रकाश डालने वाले सत्र पहचान, विटबीन ड्रीम्स एंड ड्यूटी का आयोजन ऑनलाइन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत नवकार महामंत्र से हुई। इस कार्यक्रम में तथास्तु इंस्टीट्यूट ऑफ सिविल सर्विसेज की फाउंडर, लेखक एवं इन्फ्लूएंसर डॉ. तनु जैन ने मुख्य प्रशिक्षक के रूप में अपनी व्यक्तिगत यात्रा साझा करते हुए ज्ञानवर्धक सत्र का संचालन किया। उन्होंने महिलाओं में आंतरिक शक्ति को जागृत कर जिम्मेदारियों के साथ व्यक्तिगत आकांक्षाओं के बीच संतुलन बनाने पर बल दिया। डॉ. जैन ने कहा कि हमें अपने सपनों और कर्तव्यों के बीच संतुलन बनाना

चाहिए, स्वयं को प्राथमिकता देना चाहिए और किसी के प्रभाव में आकर निर्णय नहीं लेना चाहिए। उन्होंने बिना अपराधबोध के 'नहीं' कहना सीखने और सीमाएं तय करने की बात कही। कुशल नेतृत्व के लिए समय का महत्व समझाते हुए उन्होंने सलाह दी कि अपना समय मुफ्त में किसी को भी न दें, और अपनी कोर टीम को संतुष्ट करें। कार्यक्रम के दौरान केकेजी जोन अध्यक्ष प्रवीन जैन, महामंत्री दिलीप जैन, जीतो बेंगलूरु नॉर्थ अध्यक्ष विमल कटारिया, हुब्बल्ली अध्यक्ष अनिल नाहटा, बेंगलूरु नॉर्थ महामंत्री विजय सिंघवी और हुब्बल्ली महामंत्री प्रवीन चौधरी ने टीम को बधाई देते हुए कार्यक्रम की सफलता के लिए शुभकामनाएं दी। जेएलडब्लू एपेक्स निदेशक प्रभारी सोनाली दुग्गड़ ने इस कार्यक्रम को नारीत्व की भावना और साझा अनुभवों के प्रभाव का प्रमाण बताया। एपेक्स अध्यक्ष शीतल दुग्गड़ ने इसे एक प्रभावशाली एवं प्रेरणादायक सत्र बताया। एपेक्स महामंत्री रितु चोरड़िया, एपेक्स उपाध्यक्ष यश्मा जैन, एपेक्स मंत्री सरला भूतोड़िया एवं केकेजी जोन कन्वीनर पिंकी जैन ने दोनों चैप्टर्स को प्रेरणादायी सफल कार्यक्रम के लिए बधाई दी। जेएलडब्लू बेंगलूरु नॉर्थ अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना ने सभी अतिथियों एवं सदस्यों का स्वागत किया। जेएलडब्लू गदग अध्यक्ष स्वीटी भंसाली ने प्रशिक्षक डॉ. तनु जैन का परिचय दिया। एपेक्स पहचान संयोजिका मोनिका सुर-ाणा ने कार्यशाला का संचालन करते हुए इसके महत्व को रेखांकित किया। एपेक्स पहचान सह-संयोजिका नीलम सांड ने प्रश्नोत्तरी सत्र का संचालन कर प्रतिभागियों के प्रश्नों का समाधान करवाया। कन्वीनर प्रीति ओस्तवाल, मोना आंचलिया, को-कन्वीनर अंकिता जैन एवं सरिका जैन समेत लगभग 300 सदस्य देश-विदेश से ऑनलाइन कार्यक्रम में शामिल रहे। कार्यक्रम के अंत में महामंत्री रक्षा छाजेड़ ने सभी का आभार व्यक्त किया।

संसार में सच्चा सुख आत्म-अवलोकन से मिलता है: डॉ. वरुणमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर में विराजित पंडित रत्न ज्ञानमुनि ने कहा कि भारतीय संस्कृति में बच्चे को भगवान का रूप माना गया है। बालक में सरलता और सहजता प्रकट होती है। हमारे जीवन में भी सरलता और सहजता होनी चाहिए। सहजता और सरलता में ही जीवन का आनंद छिपा है। बालक की सहजता एवं सरलता को अध्यात्म ने श्रेष्ठ माना है। सरलता में वह ताकत है जो हमें सच्चे अर्थों में मानव बनाती है और परमात्मा के निकट ले जाती है। जिसके मन में सरलता है वही भगवान होते है और जिसके मन में पाप है मलीनता है वहाँ भगवान का वास नहीं होता। जिसका मन निर्मल है, वह चाहे अज्ञानी हो, साधारण हो फिर भी वह भगवान के समीप होता है। लेकिन जिसके मन में पाप है कषाय है, वह चाहे तीर्थों पर जाए, मंत्र जपे भगवान उससे कोसों दूर रहते हैं। इसलिए बालक की तरह सरल बनो

क्योंकि बालक में ही भगवान का स्वरूप छिपा होता है। इसके पूर्व डॉ. वरुणमुनि ने कहा कि संसार में सच्चा सुख आत्म-अवलोकन से मिलता है, बाहर भटकने से नहीं। लेकिन व्यक्ति संसार में सुख को ढूंढता है। सुख और शांति तो स्वयं की आत्मा में समाये है। सच्चा आनंद तो भीतर में है। परमात्मा ने सुखी होने के 9 पुण्य बताए हैं। दान-शील-संयम तप, स्वाध्याय, प्रत्याख्यान प्रतिक्रमण, मैत्री भाव और सम्यक दर्शन। इन 9 पुण्यों का पालन करने वाला व्यक्ति न केवल इस जीवन में, बल्कि भव-भव में सुख और शांति का अनुभव करता है। नेमीचंद दलाल ने बताया कि मेवाड़ संघ शिरोमणि अम्बालाल महाराज का 121 वाँ जन्मोत्सव, श्रमण संघीय महामंत्री सौभाग्यमुनि महाराज का 75वां संयम वर्ष, नरेशमुनि महाराज का 44वाँ दीक्षा दिवस और साध्वी प्रेमवती की 25वीं पुण्य स्मृति दिवस समारोह 5 जून को मेवाड़ भवन यशवंतपुर में तप त्याग एवं धर्म आराधना द्वारा मनाई जाएगी। ज्ञानमुनि का चातुर्मासिक प्रवेश 28 जून को यलहंका में और उप प्रवर्तिनी साध्वी निर्मला आदि ठाणा का राजाजीनगर स्थानक में आगामी 2 जुलाई को होगा। अध्यक्ष प्रकाशचंद चाणोदिया ने आभार ज्ञापित किया और संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

सोमन्ना ने बीदर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास कार्यों का किया निरीक्षण

बीदर/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय रेल एवं जल शक्ति राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने शनिवार को बीदर रेलवे स्टेशन पर चल रहे पुनर्विकास कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 24.35 करोड़ रुपये की लागत से बीदर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास कार्य को जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए।

उन्होंने स्टेशन पर 12 मीटर चौड़े पैदल यात्री ओवरपास, लिफ्ट, एस्केलेटर, बुकिंग काउंटर, पार्किंग और आसपास के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों और यात्रियों को उपलब्ध सुविधाओं, यात्रियों की सुगम आवाजाही, सुरक्षा के लिए अधिकारियों द्वारा उठाए गए कदमों का भी निरीक्षण किया और अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि इन कार्यों से यात्रियों को कोई असुविधा न हो। इससे पहले उन्होंने सिकंदराबाद डिवीजन के नागलापल्ली-बीदर विंडो ट्रेलिंग का निरीक्षण किया। इस अवसर पर सांसद सागर ईश्वर खंड्रे, नगरपालिका प्रशासन और हज मंत्री रहीमखान, विधायक डॉ. शैलेन्द्र के. बेल्दाले, डॉ. सिद्धलिंगप्पा एन. पाटिल, विधायक शरणु सलगर, पूर्व मंत्री बंडेप्पा काशमपुरे सहित स्थानीय नेता और अधिकारी उपस्थित थे।

साधु-साध्वी का मिलन बना प्रेरणा का स्रोत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी के विद्वान शिष्य डॉ. मुनि पुलकित कुमार जी नचिकेता एवं मुनि आदित्य कुमार जी का साध्वी पुण्ययशा जी के साथ लालबाग ग्लास हाउस, बेंगलूरु में एक ऐतिहासिक आध्यात्मिक मिलन संपन्न हुआ। इस अवसर पर डॉ. मुनि पुलकित कुमार जी ने अपने संबोधन में कहा आज का दृश्य 60 वर्ष पूर्व के उस पावन क्षण की याद दिलाता है, जब आचार्य तुलसी जी चतुर्विध संघ के साथ लालबाग की धरती पर पदार्पण किए थे। आज पुनः वैसा ही चातुर्मासिक चारतीर्थ जैसा दृश्य यहां उपस्थित है। यह संगम न केवल एक ऐतिहासिक घटना है, बल्कि आध्यात्मिक प्रेरणा का पुंज भी है। मुनि ने साध्वी पुण्ययशा जी के आरआर नगर,

बेंगलूरु में प्रस्तावित आगामी चातुर्मास की मंगलकामना करते हुए उनके प्रवचनों एवं संयम-साधना से समाज को लाभान्वित होने की बात कही। साध्वी पुण्ययशा जी ने अपने उद्बोधन में कहा तेरापंथ धर्मसंघ में साधु-साध्वी का मिलन सदा सौहार्दपूर्ण रहा है। यह मिलन केवल पारस्परिक सम्मान और सद्भाव का प्रतीक नहीं, अपितु श्रावक समाज के लिए अनुकरणीय प्रेरणा भी है। उन्होंने गांधीनगर, तेरापंथ सभा भवन में मुनि के प्रस्तावित चातुर्मास के लिए मंगलकामनाएं व्यक्त की तथा उनके प्रवचनों से समाज में आध्यात्मिक चेतना जागृत होने की आशा जताई। इस अवसर पर तेयुप मंत्री राकेश चोरड़िया, युवा वाहिनी सह-संयोजक ललित चोपड़ा, परिषद सदस्य आलोक कुंडलियाँ, मनोज पोखरणा, ललित चोपड़ा, धीरज कोठारी, संदीप सुखानी, तेयुप राजाजीनगर के सदस्य, अणुव्रत समिति के पूर्व अध्यक्ष एवं सभा पूर्व अध्यक्ष कन्हैयालाल सिंघी, विल्सन गार्डन से सुभाष डागा, कन्हैयालाल चिप्पड़, शांतिनगर से धर्मेंद्र बच्छावत, पवन बच्छावत, नरेंद्र सुराणा, किशोर मंडल संयोजक जय कोठारी आदि लोगों की उपस्थिति रही।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। डॉ. बाबू जगजीवन राम संशोधन संस्थान एवं कर्नाटक आदि जंभाव संगठन वक्कुटा के संयुक्त तत्वावधान में बेंगलूरु स्थित डॉक्टर जगजीवन राम सभागार में संविधान जागृति सम्मेलन का आयोजन किया गया। डॉक्टर सिद्धराज स्वामी ने दीप प्रज्वलन से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में विभिन्न दलित संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित थे। विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत ने अपने वक्तव्य में कहा संविधान से ही हमें समानता का अधिकार मिला है। संविधान से ही राष्ट्र में विकास है। हमें अपने संविधान पर गर्व है। समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय सेवाओं के लिए विशिष्ट जनों को पुरस्कृत किया गया। संस्थान के हनुमंतप्पा एवं सिद्धराज ने अतिथियों को सम्मानित किया।

फिट युवा हिट युवा स्वास्थ्य जागरूकता के तहत योग प्राणायाम का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तेरापंथ युवक परिषद, बेंगलूरु (आर) द्वारा अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के निर्देशन में, मुनि पुलकित कुमार जी के पावन सान्निध्य में आयोजित फिट युवा हिट युवा स्वास्थ्य जागरूकता अभियान के अंतर्गत योग, प्राणायाम व ध्यान सत्र का आयोजन लालबाग बोटैनिकल गार्डन में अत्यंत उत्साह एवं अनुशासन के साथ संपन्न हुआ। मुनि ने अपने मार्गदर्शन में उप-स्थित युवाओं को ध्यान, योग, प्राणायाम एवं प्रेक्षाध्यान के अंतर्गत दीर्घ श्वास प्रेक्षा एवं समवृत्ति श्वास प्रेक्षा तथा प्राचीन मंत्र ध्वनी के व्यावहारिक प्रयोगों का अभ्यास कराया। उन्होंने योग को केवल शारीरिक क्रिया न मानकर, एक समग्र जीवनशैली के रूप में अपनाने का संदेश दिया।

सत्र के दौरान युवाओं ने न केवल योग एवं प्राणायाम का अभ्यास किया, बल्कि मानसिक, शारीरिक व आत्मिक स्वास्थ्य को संतुलित करने के महत्वपूर्ण सूत्रों को भी आत्मसात किया। इस अवसर पर तेरापंथ युवक परिषद, बेंगलूरु के मंत्री राकेश चोरड़िया, परिषद सदस्य आलोक कुंडलियाँ, मनोज पोखरणा, ललित चोपड़ा, धीरज कोठारी, संदीप सुखानी, तेयुप राज-ाजीनगर सदस्यगण एवं विल्सन गार्डन से सुभाष डागा, कन्हैया लाल सिंघी आदि गणमान्य जनों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले के इटागी गांव के पास पुणे-बेंगलूरु राष्ट्रीय राजमार्ग पर रविवार को एक तेल टैंकर ने तीन सड़क कर्मियों को टक्कर मार दी, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान रामचंद्रप्पा, रमन्ना और महेश के रूप में हुई है, जबकि घायलों में लक्ष्मीबाई, अनुश्री और भीमा बाई शामिल हैं। ये सभी कलबुर्गी जिले के रहने वाले हैं। टैंकर चालक ने नियंत्रण खो दिया और वाहन एक तरफ खिसक गया। इसमें तेल का रिसाव भी हुआ। राजमार्ग के रखरखाव का काम कर रहे मजदूरों को गंभीर चोटें आईं और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घायलों को बेलगावी आयुर्विज्ञान संस्थान में भर्ती कराया गया है। कित्तूर पुलिस स्टेशन के अधिकारियों ने घटनास्थल का दौरा किया और सड़क को यातायात के लिए खोल दिया। मामला दर्ज किया जा रहा है।

केपीसीसी ने परेशान करने वाली घटनाओं की जांच के लिए तथ्य-खोज समिति गठित की

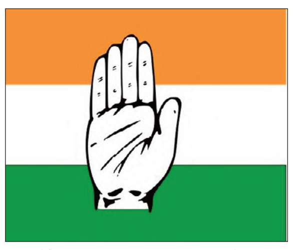

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) ने दक्षिण कन्नड़, उडुपी और उत्तर कन्नड़ के तटीय जिलों में हाल ही में हुई परेशान करने वाली घटनाओं की सत्यता और सच्चाई की जांच करने के लिए सात पार्टी नेताओं और पदाधिकारियों की एक तथ्य-खोजी टीम का गठन किया है। केपीसीसी अध्यक्ष डी के शिवकुमार द्वारा गठित इस समिति में केपीसीसी महासचिव सैयद नसीर हुसैन, कार्यकारी अध्यक्ष और एमएससी मंजूनाथ भंडारी, बीडीए अध्यक्ष एन ए हारिस, एआईसीसी सचिव रोजी जॉन, केपीसीसी उपाध्यक्ष वीआर सुदर्शन, पूर्व मंत्री किम्माने रत्नाकर और पूर्व सांसद जयप्रकाश हेगड़े शामिल हैं।

हाल के दिनों में, तटीय क्षेत्र से रिपोर्ट की गई घटनाओं को हत्या, जबरन वसूली, हत्या और सांप्रदायिक हिंसा जैसे भयावह शब्दों के तहत मीडिया में व्यापक रूप से कवर किया गया है। इन घटनाओं की सत्यता और विश्वसनीयता को सत्यापित करने के लिए, केपीसीसी ने यह तथ्य-खोजी टीम भेजी है। टीम के सदस्य तटीय जिलों में प्रभावित इलाकों का दौरा करेंगे, पीड़ितों के परिवारों, सभी समुदायों के लोगों, विभिन्न संगठनों और संस्थाओं के प्रतिनिधियों और अन्य हितधारकों के साथ चर्चा करेंगे। पूरी जांच के आधार पर, उनसे एक सप्ताह के भीतर केपी-सीसी को एक विस्तृत रिपोर्ट सौंपने की उम्मीद है।

मॉब लिंचिंग मामले में दो आरोपियों को जमानत मिली

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण कन्नड़ की दूसरी अतिरिक्त जिला एवं सत्र अदालत ने शनिवार को केरल के मूल निवासी अशरफ की भीड़ द्वारा हत्या के मामले में दो आरोपियों को जमानत दे दी। अशरफ की हत्या 27 अप्रैल को शहर के बाहरी इलाके कुडुपु के पास की गई थी।

आरोपी राहुल और के सुशांत को जमानत दे दी गई है। अदालत ने एफआईआर दर्ज करने में हुई देरी और शिकायत में विसंगतियों को गंभीरता से लिया। जांच के दौरान पुलिस के आचरण को लेकर गंभीर आरोप लगाए गए। ड्यूटी में लापरवाही बरतने के आरोप में एक इंस्पेक्टर समेत तीन पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया।

श्री जीण माता की संगीतमय कथा एवं वार्षिकोत्सव 24 अगस्त को

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जीण माँ के दीवाने के तत्वावधान में शनिवार को लालबाग रोड़ स्थित श्री नवरंग लाल सुल्तानिया के निवास स्थान पर सभी सदस्यों की उपस्थिति में सभा आयोजित की गई। जिसमें सभी सदस्यों की सहमति से 24 अगस्त को द्वितीय वार्षिकोत्सव के आयोजन का निर्णय लिया गया। जीण माता के चरित्र पर आधारित संगीतमय मंगलपाठ नृत्य नाटिका का आयोजन भी होगा। संस्था के वरिष्ठ सदस्य राजकुमार अग्रवाल ने बताया कि वार्षिकोत्सव का आयोजन विजयनगर होसाहल्ली मेट्रो स्टेशन के पास बसेश्वरा सुगनाना कल्याण मण्डप में किया जाएगा। इस अवसर पर संस्था के वरिष्ठ सदस्य मन्नालाल भामा ने बताया कि जयपुर के गायक रवि सोनम सोनी कोलकाता के साथी कलाकारों के साथ झांकी की प्रस्तुति पर संगीतमय कथा का वाचन करेंगे। कोलकाता के कारीगरों द्वारा भव्य दरबार सजाया जाएगा। इस आयोजन के लिए सभी सदस्य उत्साह के साथ तैयारी में जुट गए हैं।

पुलिस कमिश्नर ने अपराधियों और उनके मददगारों को दी कड़ी चेतावनी

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। नवनियुक्त पुलिस आयुक्त सुधीर कुमार रेड्डी ने हत्या जैसे अपराधों में शामिल लोगों के साथ-साथ ऐसे आरोपियों का समर्थन करने या उन्हें शरण देने वाले किसी भी व्यक्ति को कड़ी चेतावनी जारी की है।

रेड्डी ने कहा यह स्पष्ट कर दें, जो कोई भी हत्या या अपराध के आरोपी की मदद करता है, चाहे वह आश्रय, भोजन, भागने के लिए वाहन, पैसा या यहां तक कि बातचीत के लिए फोन देकर हो, उसे भारतीय न्याय संहिता

(बीएनएस) के तहत आरोपी माना जाएगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह चेतावनी आर-ोपी के दोस्तों, रिश्तेदारों और यहां तक कि उनके घर के सदस्यों पर भी लागू होती है। उन्होंने कहा जानबूझकर किसी अपराधी का समर्थन करना कानून के तहत दंडनीय अपराध है। अज्ञानता कोई बहाना नहीं होगी। उन्होंने यह भी कहा अगर आपको लगता है कि किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है, तो हमसे पूछें, हम तुरंत कार्रवाई करेंगे। किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा।

कोर्ट ने अभिनेता दर्शन को फिल्म शूटिंग के लिए विदेश जाने की अनुमति दी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। हाई-प्रोफाइल रेणुकास्वामी फैन मर्डर केस में आरोपी अभिनेता दर्शन को उनकी आगामी फिल्म की शूटिंग के लिए विदेश जाने की अदालत से अनुमति मिल गई है। 57वें सिटी सिविल और सत्र न्यायालय ने शुक्रवार को दर्शन के 1 से 27 जुलाई तक विदेश यात्रा के अनुरोध को मंजूरी दे दी, बावजूद इसके कि विशेष लोक अभियोजक ने आपत्ति जताई थी कि अभिनेता वापस नहीं लौटेंगे, जिससे चल रहे मुकदमे पर असर पड़ सकता है। वर्तमान में सशर्त जमानत पर बाहर, दर्शन ने डेविल द हीरो की फिल्म की शूटिंग के लिए दुबई और यूरोप जाने के लिए आपराधिक प्रक्रिया संहिता की धारा 439 (1) (बी) के तहत याचिका दायर की। अदालत ने उनकी याचिका को स्वीकार करते हुए प्रोडक्शन को पूरा करने के लिए यात्रा की आवश्यकता को स्वीकार किया।

कर्नाटक में अप्रैल से अत्यधिक प्री-मानसून बारिश के कारण 71 लोगों की मौत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के कार्यालय ने कहा कि अप्रैल से राज्य में अत्यधिक प्री-मानसून बारिश के कारण 71 लोगों की जान चली गई। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने एक बयान में कहा कि 2025 में प्री-मानसून बारिश पिछले 125 वर्षों में प्री-मानसून सीजन और मई के महीने में दर्ज की गई सबसे अधिक बारिश है। राज्य में आम तौर पर मई में 74 मिमी बारिश होती है, लेकिन वास्तविक बारिश 219 मिमी हुई, जो औसत सामान्य बारिश से 197 प्रतिशत अधिक है। इसी तरह, 2025 की प्री-मानसून अवधि (1 मार्च से 31 मई) में, राज्य में आम तौर पर 115 मिमी बारिश होती है, लेकिन वास्तविक बारिश 286 मिमी हुई, जो औसत सामान्य बारिश से 149 प्रतिशत अधिक है। बयान में कहा गया है कि 2025 के प्री-मानसून अवधि (1 मार्च से 31 मई) के दौरान राज्य भर में आंधी और तूफान सहित बारिश देखी गई, जिसमें सभी जिलों में बहुत अधिक और सामान्य से अधिक बारिश हुई। बयान में कहा गया है कि 1 अप्रैल से 31 मई की अवधि के दौरान, बिजली गिरने से 48 लोग मारे गए, पेड़ गिरने से नौ, घर गिरने से पांच, डूबने से चार, भूस्खलन से चार और बिजली का झटका लगने से एक व्यक्ति की मौत हुई। कुल 71 लोगों की जान चली गई और मृतकों के उत्तराधिकारियों को 5 लाख रुपये का आपातकालीन मुआवजा वितरित किया गया है। बयान में कहा गया है कि 702 पशु हानि हुई, जिनमें से 698 पशु हानि मामलों में संबंधितों को मुआवजा पहले ही वितरित किया जा चुका है। बयान में कहा गया है कि 2,068 मकान कथित रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं, जिनमें से 1,926 मकानों को मुआवजा वितरित किया जा चुका है।

अधिकारियों ने बताया कि कुल 15,378.32 हेक्टेयर फसलें क्षतिग्रस्त हुई हैं, जिसमें कृषि फसलें - 11915.66 हेक्टेयर और बागवानी - 3462.66 हेक्टेयर शामिल हैं। उन्होंने कहा कि फसल क्षति का विवरण मुआवजा सॉफ्टवेयर में दर्ज करने के लिए प्रदान किया गया है और मुआवजा भुगतान प्रक्रिया प्रगति पर है। 27 मई को भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी संशोधित 2025 दक्षिण-पश्चिम मानसून पूर्वानुमान के अनुसार, 2025 दक्षिण-पश्चिम मानसून (जून-सितंबर) अवधि के दौरान पूरे राज्य में सामान्य से अधिक बारिश होने की संभावना है और दक्षिणी आंतरिक क्षेत्रों के कुछ जिलों को छोड़कर, शेष सभी जिलों में जून में सामान्य और सामान्य से अधिक बारिश होने की संभावना है। राज्य में एनडीआरएफ की कुल पांच टीमें हैं, जिनमें से चार टीमें पहले ही तैनात की जा चुकी हैं। इनमें से एक-एक टीम कोडागु, दक्षिण कन्नड़, उडुपी और उत्तर कन्नड़ जिलों में मानसून के मौसम में आपातकालीन प्रतिक्रिया के लिए तैनात की गई है। एक और टीम बेंगलूरु में है। इसके अलावा, अग्निशमन विभाग, एसडीआरएफ और अन्य आपातकालीन सेवा दल आवश्यकतानुसार आपातकालीन प्रतिक्रिया और बचाव कार्यों के लिए उपलब्ध रहेंगे। सीएमओ ने कहा कि 31 मई तक राज्य के 14 प्रमुख जलाशयों में कुल भंडारण 316.01 टीएमसी था, जो कुल भंडारण क्षमता (895.62 टीएमसी) का 35 प्रतिशत है, जबकि पिछले साल इसी अवधि के दौरान 179.95 टीएमसी (क्षमता का लगभग 20 प्रतिशत) था। कुल मिलाकर, राज्य के प्रमुख जलाशयों में 19 मई से 29 मई के बीच लगभग 718,193 क्यूसेक (62.05 टीएमसी) का संचयी प्रवाह दर्ज किया गया, जिसमें जलग्रहण क्षेत्रों में व्यापक और भारी वर्षा के कारण 25 मई से प्रवाह में आम तौर पर वृद्धि हुई।

कमजोर हुआ मानसून तट पर वर्षा में कमी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य में दक्षिण-पश्चिम मानसून की बारिश कमजोर पड़ गई है और तटीय तथा मलनाड क्षेत्रों में काफी कम हो गई है। तटीय तथा मलनाड क्षेत्रों में लगातार भारी बारिश ने लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। शनिवार से बारिश में कमी आई है। बारिश ने उत्तर तथा दक्षिण आंतरिक क्षेत्रों को राहत दी है। कारवार, करकला, मूडबिद्रे, पनम्बूर, कुंदापुर, मुल्की, उप्पिनंगडी, पुत्तूर तथा होन्नावर में एक-एक सेमी बारिश हुई। लगातार बारिश के कारण बारिश में काफी वृद्धि हुई है।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, राज्य में फिलहाल भारी बारिश नहीं हो रही है, तटीय तथा मलनाड क्षेत्रों में मध्यम बारिश जारी रहेगी तथा आंतरिक क्षेत्रों में कुछ स्थानों पर छिटपुट बारिश होने की संभावना है। इस बार, मानसून ने 24 मई को राज्य में प्रवेश किया तथा शुरू से ही तबाही मचा दी। मई में सामान्य से अधिक बारिश हुई, जो सदी की रिकॉर्ड बारिश है। प्री-मानसून अवधि के मार्च से मई के बीच तीन महीनों में कुल बारिश सामान्य से अधिक है। कर्नाटक राज्य प्राकृतिक आपदा निगरानी केंद्र की जानकारी के अनुसार, पिछले एक सप्ताह में 298 प्रतिशत बारिश हुई है। मई में राज्य की सामान्य बारिश 73.6 मिमी थी, जबकि यह 218.7 मिमी दर्ज की गई। कुल मिलाकर, बारिश सामान्य से 197 प्रतिशत अधिक थी। अप्रैल में सामान्य बारिश 32.4 मिमी थी। यह 55.6 मिमी दर्ज हुई। कुल मिलाकर, सामान्य से 72 प्रतिशत अधिक बारिश हुई। 1 मार्च से मई के अंत तक सामान्य बारिश 115 मिमी थी, और बारिश 286 मिमी दर्ज हुई। यह सामान्य बारिश से 119.6 प्रतिशत अधिक है। इसका मतलब है कि गर्मियों की बारिश या प्री-मानसून की बारिश सामान्य बारिश से दोगुनी हो गई है। 1 जनवरी से मई के अंत तक के पांच महीनों में प्री-मानसून बारिश सामान्य बारिश से 141 प्रतिशत ज्यादा रही है। इस दौरान सामान्य बारिश 119.5 मिमी थी और बारिश 287.5 मिमी दर्ज हुई। लगातार गर्मियों की बारिश के परिणामस्वरूप, जलविद्युत उत्पादन जलाशयों, कृष्णा और कावेरी बेसिन जलाशयों में पानी का प्रवाह बढ़ गया है, जिससे जल भंडारण में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

हेमावती लिंक नहर का विरोध खुद कांग्रेस विधायकों की ओर से

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

हेमावती लिंक नहर के काम पर कांग्रेस विधायकों ने खुद ही आपत्ति जताई है और गुब्बी विधायक एस.आर. श्रीनिवास, जो इस परियोजना से मुख्य रूप से प्रभावित होंगे, ने सार्वजनिक बयान दिया है।

पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि कोई किसी से नहीं डरता। कोई किसी को खाना नहीं देगा और न ही कपड़े पहनाएगा। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि उनके निर्वाचन क्षेत्र के हित महत्वपूर्ण हैं। हेमावती लिंक नहर परियोजना के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे किसानों के खिलाफ मामला दर्ज करने पर प्रतिक्रिया देने से इनकार करने वाले विधायक ने कहा मैं कल अस्पताल में था। मुझे मामले की जानकारी नहीं है। मैं जानकारी लेकर इस पर चर्चा करूंगा। मैंने तकनीकी समिति के समक्ष अपनी राय पहले ही व्यक्त कर दी है। अगर बुगुदनहल्ली से नहर को चौड़ा किया जाता है, तो ऐसी कोई समस्या नहीं होगी। हेमावती का पानी गोरूर बांध से यहां तक आता है। यहां से कुनिगल की दूरी दस किमी है, वहां पानी नहीं आता। उन्होंने आपत्ति जताई कि काम अनावश्यक रूप से किया जा रहा है। मैं अपनी पार्टी के विधायकों, कुनिगल के विधायक एच.डी. रंगनाथ और मगदी निर्वाचन क्षेत्र के विधायक एच.सी. बालकृष्ण से चर्चा करूंगा। परियोजना के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार को मामले की जानकारी दी जानी चाहिए। उसके बाद मैं विरोध प्रदर्शन में भाग लेने के बारे में निर्णय लूंगा। मैंने परियोजना के बारे में संबंधित इंजीनियरों को पहले ही सूचित कर दिया है। हालांकि, मुझे समझ में नहीं आ रहा है कि काम क्यों जारी रखा जा रहा है। मगदी विधानसभा क्षेत्र के विधायक बालकृष्ण से बात की, जो मेरे घर आए थे। मैंने कहा था कि मैं कील ठोकने के लिए कुल्हाड़ी क्यों उठाऊं। लेकिन वे मेरी बात नहीं सुन रहे हैं। उन्होंने असंतोष व्यक्त किया कि वे हेमावती लिंक नहर परियोजना पर जोर दे रहे हैं। चूंकि वे एक पार्टी के ढांचे में हैं, इसलिए वे अचानक विरोध में भाग नहीं ले सकते। यह सब एक आंतरिक मामला है। सबसे पहले, मैं पार्टी में बात करूंगा। किसानों का गुस्सा स्वाभाविक है। मुझे इस पर कोई आपत्ति नहीं है।

धारवाड़ जिले में एक बच्चा कोविड पॉजिटिव पाया गया

धारवाड़/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले में 11 महीने के एक बच्चे में कोविड पॉजिटिव पाया गया है। भैरीदेवरकोप्पा गांव के इस बच्चे को हुब्बल्ली के केएमसी आरसी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बच्चे को दिल की बीमारी है और उसका इलाज चल रहा है। डॉक्टरों ने बताया कि मरीज की हालत स्थिर है। जीआरजे की डिप्टी कमिश्नर दिव्या प्रभु ने छोटे बच्चों, बुजुर्गों और गर्भवती महिलाओं को सतर्क रहने, सामाजिक दूरी बनाए रखने और बाहर निकलते समय मास्क पहनने की सलाह दी है।

हिंदुओं और मुसलमानों के बीच सांप्रदायिक नफरत फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी: गुंडू राव

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

दक्षिण कन्नड़ जिले के प्रभारी मंत्री दिनेश गुंडू राव ने चेतावनी दी है कि तटीय जिलों में हिंदू और मुसलमानों के बीच नफरत फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने पहले ही वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए जिला कलेक्टरों और जिला पुलिस प्रमुखों को उचित चेतावनी दी है। शांति बैठकों के जरिए दक्षिण कन्नड़ जिले में सद्भाव और शांति बनाए रखने के लिए कार्रवाई की जाएगी। 95 फीसदी लोगों को सांप्रदायिकता या मध्यस्थता की जरूरत नहीं है। सांप्रदायिक संघर्ष में केवल कुछ ताकतें शामिल हैं। वे अनावश्यक उकसावे दे रहे हैं। इसे बिना किसी हिचकिचाहट के खत्म किया जाएगा। उन्होंने कहा कि लोगों की इच्छा के अनुसार शांति और व्यवस्था बनाए रखी जाएगी। जो लोग शांति, सद्भाव, सह-अस्तित्व चाहते हैं और जो जिले के विकास में रुचि रखते हैं, उन्हें ऐसी संवेदनशील स्थिति में अपनी आवाज उठानी चाहिए। अन्यथा, विभाजनकारी ताकतों की आवाज तेज हो जाएगी और सच्चाई वही होगी। सरकार ने आने वाले दिनों में इस संबंध में कई कदम उठाने की योजना बनाई है। उन्होंने कहा कि चरणबद्ध तरीके से कदम उठाए जाएंगे। तटीय और मलनाड जिलों में हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदायों के कुछ संगठन भड़का रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए सांप्रदायिक हिंसा दमन दल का गठन किया जाएगा। दक्षिण कन्नड़ जिला प्रभारी के मुद्दे पर चर्चा करने की कोई जरूरत नहीं है। एक-दो के बयान देते ही इसे गंभीरता से लेना जरूरी नहीं है। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों ने भावना के बहकावे में आकर जो कुछ कहा है, उसे वह प्राथमिकता नहीं देंगे। मैंने जिला प्रभारी में बदलाव के बारे में कुछ नहीं कहा है। मुझे नहीं पता कि खबर किस स्रोत से आई है। गृह मंत्री परमेश्वर के इस संबंध में दिए गए बयान पर प्रतिक्रिया देने से इनकार कर दिया। मेंगलूरु में सभी ने मुझसे विश्वास में बात की है। किसी ने भी प्रभारी के बारे में कोई आपत्ति नहीं जताई है। एक-दो की बातों पर जोर देने की जरूरत नहीं है। मैं दक्षिण कन्नड़ के प्रभारी को लेकर परेशान नहीं हूं। मैं पूरे जोश के साथ काम कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि वह और अधिक प्रभावी काम करने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने शनिवार को मेंगलूरु का दौरा किया और हत्या किए गए रहीम खान के घर जाकर अपनी संवेदना व्यक्त की। रहीम खान का गांव में सभी से अच्छा रिश्ता था। हालांकि, उन्हें इस बात का अफसोस है कि उनकी हत्या कर दी गई।

मुसलमानों को धमकाने वाला वीडियो वायरल होने के बाद भाजपा नेता पर मामला दर्ज

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो।

सैयद अलीम इलाही की शिकायत के बाद कलबुर्गी पुलिस ने चित्तपुर के भाजपा नेता मणिकांत राठौड़ पर वायरल हुए एक वीडियो में मुस्लिम समुदाय को धमकाने के आरोप में मामला दर्ज किया है।

अपनी शिकायत में, अलीम इलाही ने आरोप लगाया कि राठौड़ ने मुस्लिम समुदाय को उखाड़ फेंकने और 'लव जिहाद' के अपराधियों को आठ दिनों के भीतर मार डालने का आह्वान किया, जिससे विभिन्न धर्मों के समुदायों के बीच दुश्मनी भड़की। शिकायत और वायरल हुए वीडियो के आधार पर, राठौड़ के खिलाफ कलबुर्गी के सीईएन क्राइम पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 की धारा 196 (विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना), 197 (राष्ट्रीय एकता के लिए हानिकारक आरोप या दावे), 299 (धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाना), 253 (सार्वजनिक शरारत करने वाले बयान) और 351 (आपराधिक धमकी) के तहत मामला दर्ज किया गया है। विवादित वीडियो क्लिप में, राठौड़ अपनी लम्बानी भाषा में बोलते हुए दिखाई दे रहे हैं, जिसमें उन्होंने हाल ही में एक लम्बानी लड़की के साथ कथित तौर पर मुस्लिम युवकों द्वारा बलात्कार किए जाने का उल्लेख किया है, और अपने समुदाय के सदस्यों से मुसलमानों के खिलाफ बदला लेने का आह्वान किया है। विक्षुब्ध करने वाले वीडियो में, राठौड़ मुसलमानों के खिलाफ बड़े पैमाने पर हिंसा की धमकी देते हुए दिखाई दे रहे हैं, जिसमें उन्होंने कहा कि अगर पुलिस को सिर्फ 15 मिनट के लिए रोक दिया जाए, तो कलबुर्गी के सभी मुसलमानों का नरसंहार किया जा सकता है। उन्होंने यह भी दावा किया कि आठ दिनों के भीतर जिहादियों का सफाया किया जाना चाहिए, और यहां तक कहा कि मुस्लिम समुदाय को उखाड़ फेंकना चाहिए। कलबुर्गी पुलिस आयुक्त एस.डी. शरणप्पा ने राठौड़ के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज किए जाने की पुष्टि की। अधिकारी ने कहा एफआईआर दर्ज कर ली गई है और जांच जारी है। वर्तमान में, आरोपी कलबुर्गी जिले में नहीं है। हम कानून के अनुसार कार्रवाई करेंगे। राठौड़ का विवादों से यह पहला सामना नहीं है। कलबुर्गी और यादगीर जिलों के विभिन्न पुलिस थानों में उनके खिलाफ पहले से ही कई मामले दर्ज हैं, जिनमें अन्ना भाग्य योजना के लाभार्थियों के लिए पीडीएस चावल की तस्करी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और उनके परिवार की हत्या की धमकी देना शामिल है। आपराधिक गतिविधियों में उनकी संलिप्तता को देखते हुए, कलबुर्गी पुलिस ने उन्हें कलबुर्गी जिले से निर्वासित कर दिया था। यादगीर पुलिस ने उन्हें शाहपुर में दर्ज चावल चोरी के मामले में गिरफ्तार किया था। भाजपा ने 2023 के विधानसभा चुनाव में चित्तपुर में ग्रामीण विकास और पंचायत राज मंत्री प्रियांक खड़गे के खिलाफ हिस्ट्रीशीटर को मैदान में उतारा था। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जैसे कई राष्ट्रीय नेत-ाओं के उनके लिए प्रचार करने के बावजूद राठौड़ हाई-वोल्टेज चुनावी लड़ाई हार गए।

भाजपा की सांप्रदायिक राजनीति न केवल तट बल्कि पूरे राज्य को नुकसान पहुंचा रही: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के तटीय क्षेत्र में सांप्रदायिक तनाव भड़काने के आरोप में उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने भाजपा और कई संगठनों की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने कहा कि इस तरह की हरकतें न केवल तटीय क्षेत्र में अशांति पैदा कर रही हैं, बल्कि पूरे राज्य को नुकसान पहुंचा रही हैं। विधान सौधा और पैलेस ग्राउंड के पास मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए शिवकुमार ने दक्षिण कन्नड़ जिले में हाल ही में हुई सांप्रदायिक हत्या और हिंसा का जिक्र किया। उन्होंने कहा हमने अपनी पार्टी की टीम को प्रभावित इलाकों का दौरा करने और एक विस्तृत रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है। अधिकारी अपना पक्ष रखेंगे, जबकि हमने अपनी टीम से लोगों से बातचीत करने के बाद एक रिपोर्ट तैयार करने को कहा है। स्थिति को नियंत्रित करने

में अधिकारियों के तबादलों की अप्रभावीता के बारे में पूछे जाने पर उपमुख्यमंत्री ने कहा स्थिति नियंत्रण में है। तटीय क्षेत्र में शांति बनी रहनी चाहिए। भाजपा और कई अन्य संगठन न केवल तटीय क्षेत्र में, बल्कि पूरे कर्नाटक में सांप्रदायिक तनाव भड़का रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह मुद्दा एक या दो मौतों तक सीमित नहीं है। उन्होंने कहा यह पूरे तटीय क्षेत्र के लिए बहुत बड़ा झटका है। लोग डर में जी रहे हैं, क्षेत्र के युवा रोजगार के लिए विदेश जाने को मजबूर हैं और निवेशक यहां निवेश करने से कतरा रहे हैं। सभी को इस जमीनी हकीकत को पहचानना चाहिए। शिवकुमार ने भाजपा समर्थकों और अन्य संगठनों से जोरदार अपील की और उनसे अपने कार्यों के परिणामों को समझने और राज्य में शांति और स्थिरता के लिए काम करने का आग्रह किया।

नवगठित तालुकों को सरकार द्वारा स्वीकृत प्रशासनिक मंजूरी के रूप में प्रजा सौधा मिलेगा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया द्वारा यादगीर के डिप्टी कमिश्नर को प्रशासनिक मंजूरी पत्र सौंपे जाने के साथ ही नवगठित तालुकों के लोगों की तालुक प्रशासनिक भवन की लंबे समय से लंबित मांग एक साल में पूरी होने की संभावना है। सिद्धरामैया ने हाल ही में बेंगलूरु में आयोजित बैठक के दौरान नए तालुकों को प्रशासनिक मंजूरी मिलने के बाद डिप्टी कमिश्नर बी. सुशीला को पत्र सौंपा।

यादगीर जिले में तब तीन तालुक थे - यादगीर, शाहपुर और शोरापुर (सुरपुर)। लेकिन 2013 में जब मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टर ने इसकी घोषणा की थी, तब इन तालुकों को विभाजित कर दिया गया था, क्योंकि गुरमितकल को यादगीर से, वडगेरा को शाहपुर से और हुंसगी को शोरापुर से विभाजित किया गया था। घोषणा के बावजूद, कई वर्षों के बाद भी नए तालुकों को तालुक प्रशासनिक भवन नहीं दिए गए। इसलिए, इसे स्थानीय स्तर पर उपलब्ध सरकारी भवनों के साथ काम करने के लिए मजबूर होना पड़ा। लेकिन, प्रशासन के लिए पर्याप्त जगह की कमी के कारण अधिकारियों और आम जनता को भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, खासकर गर्मियों में। आवश्यकता को देखते हुए, सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने नए तालुक प्रशासनिक भवनों के निर्माण का वादा किया था और उन्हें प्रजा सौधा नाम दिया था और पिछले साल सितंबर में कलबुर्गी में आयोजित कैबिनेट की बैठक के दौरान प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। आवश्यक औपचारिकताओं के बाद, तालुकों को आखिरकार दो चरणों में 8.60 करोड़ की लागत से प्रत्येक तालुक में प्रजा सौधा के निर्माण के लिए प्रशासनिक मंजूरी मिल गई है। वडगेरा और हुंसगी दोनों तालुकों का प्रतिनिधित्व कांग्रेस विधायक चन्नारेड्डी पाटिल तुन्नूर और राजा वेणुगोपाल नाइक ने किया, जबकि गुरमितकल का प्रतिनिधित्व जेडी (एस) विधायक शरणगौड़ा कंडकुर ने किया। पता चला है कि सभी विधायकों ने प्रजा सौधा को प्रशासनिक मंजूरी दिलाने के लिए हाथ मिलाया है। तुन्नूर ने कहा मुख्यमंत्री ने नवगठित तालुकों में प्रशासनिक भवन बनाने के लिए विशेष चिंता दिखाई है, क्योंकि दैनिक गतिविधियों के सुचारू संचालन और सार्वजनिक सुविधा के लिए इनकी बहुत आवश्यकता थी।

नए प्रजा सौधा भवनों में लोगों की इच्छानुसार सभी बुनियादी सुविधाएं और अन्य आवश्यकताएं होंगी। यादगीर जिला नागरिक सुविधाओं और सरकारी भवनों की कमी के कारण पिछड़ा हुआ है।

सरकार को समग्र विकास के लिए तालुकों के लिए न्यायालयों सहित अन्य आवश्यक भवनों का निर्माण करना चाहिए।

ऑटो चालक को चप्पल से मारने वाली युवती को पुलिस ने नोटिस जारी किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर में गैर-मूलनिवासी लोगों द्वारा कन्नड़ लोगों पर फिर से हमला किया गया है। बेलंदूर पुलिस ने एक युवती को पूछताछ के लिए उपस्थित होने के लिए नोटिस जारी किया है, जिसने मामूली बात पर ऑटो चालक को चप्पल से पीटकर अपनी हेकड़ी दिखाई थी।

उत्तर भारतीय मूल की एक युवती ने शनिवार शाम करीब 4 बजे बेलंदूर सर्किल पर लोकेश नामक कन्नड़ ऑटो चालक पर चप्पल से हमला किया और लोगों के सामने उसे बर्बर तरीके से गाली दी। पुलिस ने कहा कि लोकेश द्वारा इस संबंध में बेलंदूर पुलिस से शिकायत करने के बाद युवती का पता लगा लिया गया और उसे नोटिस जारी किया गया। जब लोकेश बेलंदूर सर्किल के पास पहुंच रहा था, तो दाईं ओर से दोपहिया वाहन पर आ रही एक युवती ने अपना वाहन रोक लिया और झगड़ा शुरू कर दिया। उसने लोकेश पर अपने वाहन को टक्कर मारने का आरोप लगाया और उस पर हमला करना शुरू कर दिया।

युवती से जब गुस्से में आकर कहा कि बीच सड़क पर शोर मचाना तुम्हें शोभा नहीं देता, तो वह बहस करने लगी और गाली-गलौज करने लगी। इस दौरान स्थानीय लोगों ने ऑटोरिक्शा चालक की मदद की और उसे शांत करने की कोशिश की। युवती और भी गुस्से में आ गई और उसने लोकेश पर चप्पलों से कई बार वार किया और पूछा कि क्या वह उसका मोबाइल फोन चुरा रहा है। इस संबंध में ऑटोरिक्शा चालक लोकेश ने बेलंदूर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई और घटना की वीडियो क्लिप पुलिस को दी। इस संदर्भ में पुलिस ने युवती के वाहन का रजिस्ट्रेशन नंबर ट्रेस किया और उसे नोटिस थमाकर पूछताछ के लिए पेश होने को कहा।

केंद्र सरकार को अब ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हुई चूकों के बारे में सच बताना चाहिए: हरिप्रसाद

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। वरिष्ठ कांग्रेस नेता बी.के. हरिप्रसाद ने कहा कि देश के रक्षा प्रमुख ऑपरेशन सिंदूर के बारे में पाकिस्तान को पूर्व सूचना देने से हुई तबाही की सच्चाई को स्वीकार कर रहे हैं। इसलिए केंद्र सरकार को झूठा प्रचार करना बंद कर लोगों को सच्चाई बतानी चाहिए। अपने सोशल मीडिया पर ऑपरेशन सिंदूर और उसके बाद के घटनाक्रम पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बारे में सामने आ रही घटनाएं इस बात का सबूत हैं कि झूठ को दुष्प्रचार का सहारा लिया जाता है, लेकिन सच्चाई में ही अधिक ताकत होती है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी आतंकवादियों को खत्म करने वाली हमारी सेना के पराक्रम और ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर देश को गर्व है। कांग्रेस पार्टी और हमारे नेताओं ने सेना की बहादुरी और साहस की प्रशंसा करते हुए, विपक्ष के नेता

राहुल गांधी ने केंद्र सरकार से सेना को हुए नुकसान और क्षति के बारे में देश की जनता को सच्चाई बताने का आग्रह किया था। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने राहुल गांधी के सवाल का जवाब सच्चाई को छिपाने, बहस करके समय बर्बाद करने, अपमान करने और समय बर्बाद करने की नीयत से दिया। देश के रक्षा प्रमुख अनिल चौहान ने अब देश के सामने सच स्वीकार कर लिया है। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हुई चूकों के बारे में भी बात की है, जिसमें लड़ाकू विमान खो जाने की बात भी शामिल है। लेकिन झूठे प्रचार को अपना पेशा बना चुके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह चुप क्यों हैं? उन्होंने कहा कि उन्हें कम से कम अब तो देश के प्रति जवाबदेह होना चाहिए, और ऑपरेशन सिंदूर की साफ तस्वीर सामने लानी चाहिए।

मानसून के दौरान भारी नुकसान के बीच

डीके, उडुपी में मशीन से मछली पकड़ने पर प्रतिबंध लगा

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मानसून की शुरुआत और समुद्र में उथल-पुथल के कारण कर्नाटक के तटीय इलाकों में 1 जून से 31 जुलाई तक 61 दिनों के लिए मशीन से मछली पकड़ने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। यह अवधि समुद्री प्रजनन के लिए भी महत्वपूर्ण है, इसलिए, लंबे समय से चली आ रही प्रथा के अनुसार वार्षिक प्रतिबंध लागू किया गया है। मछली पकड़ने की गतिविधियां बंद होने के कारण, मेंगलूरु और मालपे जैसे बंदरगाहों पर मछलियों को संभालने, लोड करने और उतारने में शामिल पुरुष और महिला मजदूर अपने गृहनगर लौटने लगे हैं। इनमें से कई मजदूर ओडिशा, आंध्र प्रदेश और झारखंड जैसे दूसरे जिलों और राज्यों से हैं। अधिकांश पहले ही जा चुके हैं, जबकि अन्य लौटने की तैयारी कर रहे हैं। हालांकि, यह ब्रेक नाव मालिकों और

मछुआरों पर लागू नहीं है, जो नावों को डॉक करने, उन्हें किनारे पर लाने, मरम्मत करने, रखरखाव करने और जाल तैयार करने में लगे हुए हैं। ये काम प्रतिबंध खत्म होने के बाद मछली पकड़ने को फिर से शुरू करने की उम्मीद में किए जाते हैं। पिछले चार-पांच सालों की तुलना में, यह मौसम उडुपी, दक्षिण कन्नड़ और उत्तर कन्नड़ जिलों में मछली पकड़ने वाले समुदाय के लिए सबसे खराब मौसम रहा है। कई नावें अपेक्षित पकड़ पाने में विफल रहीं, जिससे उनमें से लगभग 60 प्रतिशत को आगे के नुकसान से बचने के लिए बीच मौसम में ही लंगर डालना पड़ा। मालपे कन्नी मछुआरा संघ के अध्यक्ष दयाकर वी सुवर्णा ने कहा परिणामस्वरूप, होटलों में मछली का भोजन भी महंगा हो गया है। पिछले वर्षों में, सीजन के आखिरी दो महीने आम तौर पर लाभदायक होते थे, लेकिन इस बार, सीजन भारी घाटे के साथ समाप्त हुआ है। इस 61-दिवसीय अवधि के दौरान मशीन से मछली पकड़ना सख्त वर्जित है। केवल 10 हॉर्सपावर तक के इंजन वाली पारंपरिक देशी नौकाओं को ही संचालन की अनुमति है। सरकारी प्रतिबंध का कोई भी उल्लंघन करने पर कर्नाटक समुद्री मछली पकड़ने के विनियमन अधिनियम, 1986 के तहत दंडित किया जाएगा। मालपे के मत्स्य विभाग के संयुक्त निदेशक विवेक आर ने कहा कि उल्लंघन करने वालों को एक साल तक के लिए कर-मुक्त डीजल की पात्रता भी खोनी होगी। सरकारी निर्देशों के अनुसार, मछली पकड़ने की गतिविधियों को केवल 31 मई तक की अनुमति थी। चक्रवात रेमल के कारण, बंदरगाहों के बाहर फंसी नावें अब एक साथ वापस आ रही हैं, जिससे भीड़भाड़ हो रही है। परिणामस्वरूप, मछली उतारने के लिए कुछ दिनों का विस्तार दिया गया है।

मंत्री ने भूस्खलन के मद्देनजर

पश्चिमी घाट की जल धारण क्षमता पर अध्ययन का दिया आदेश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मानसून पूर्व बारिश के दौरान दक्षिण कन्नड़, कोडागु और अन्य भागों में हो रहे भूस्खलन के मद्देनजर वन, जीव एवं पर्यावरण मंत्री ईश्वर बी. खंड्रे ने पश्चिमी घाट की वहन क्षमता पर अध्ययन कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिवों को लिखित निर्देश जारी करते हुए कहा कि पश्चिमी घाट में कई सड़क एवं अन्य परियोजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं, जिससे घाट खतरे में हैं। विशेषज्ञों ने चिंता जताई है कि संपत्ति की क्षति, फसल की क्षति और जनहानि के अलावा वन्यजीवों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने विशेषज्ञों की राय का हवाला देते हुए कहा कि यदि पश्चिमी घाट की स्थिति खराब होती है, तो आने वाले दिनों में भीषण जलसंकट की आशंका है। उन्होंने जैव विविधता बोर्ड के सदस्य सचिव, मूल्यांकन, योजना, अनुसंधान एवं प्रशिक्षण तथा वन संरक्षण विभाग के प्रधान मुख्य वन संरक्षक को इस संबंध में अध्ययन कर तीन महीने के भीतर पश्चिमी घाट की वहन क्षमता पर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए हैं।

जैव विविधता के लिए स्वर्ग माने जाने वाले पश्चिमी घाट में कर्नाटक के 60 प्रतिशत जंगल हैं, जो विभिन्न प्रकार की वनस्पतियों, जीवों और कीड़ों का घर हैं। ईश्वर खंड्रे ने कहा कि पश्चिमी घाट मानसूनी हवाओं को रोकने और बारिश लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने लोगों को पश्चिमी घाट के महत्व और संरक्षण के बारे में समझाया।

बंदरगाह विभाग ने समुद्री कटाव को रोकने के लिए उचिला-बटपडी में पाँच ग्रॉयन बनाने का प्रस्ताव रखा

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मेंगलूरु के उल्लाल तालुक में उचिला-बटपडी समुद्र तट को बड़े पैमाने पर समुद्री कटाव से बचाने में अपतटीय रीफ और इनशोर बर्म विफल होने के बाद, बंदरगाह और अंतर्देशीय जल परिवहन विभाग ने अब समुद्र तट की सुरक्षा और पोषण के लिए समय-परीक्षणित ग्रॉयन बनाने का प्रस्ताव रखा है।

विभाग के सूत्रों ने बताया कि 2021-2022 के दौरान उल्लाल और उचिला के बीच बनाए गए दो-दो अपतटीय रीफ इस क्षेत्र में समुद्री कटाव को रोकने के लिए बहुत कम उपयोगी थे। 2022 के बाद केरल सीमा पर बटपडी एंड-पॉइंट तक जाने वाली लिंक रोड पूरी तरह से बह गई, जिससे इलाके के कई घरों से संपर्क टूट गया। बंदरगाह विभाग ने मेंगलूरु के उल्लाल तालुक में उचिला और बटपडी के बीच बड़े पैमाने पर समुद्री कटाव को रोकने के लिए पाँच ग्रॉयन बनाने का प्रस्ताव रखा है। विभाग ने दक्षिण कन्नड़ जिला प्रशासन के माध्यम से अब सरकार को उचिला और बटपडी के बीच पांच ग्रॉयन बनाने का प्रस्ताव दिया है। सूत्रों ने बताया कि इसने क्षतिग्रस्त लिंक रोड को बहाल करने का भी प्रस्ताव दिया है, जिसकी अनुमानित लागत राष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण योजना (एनडीएमएस) के तहत 70 करोड़ रुपये है। हर ग्रॉयन करीब 60 मीटर लंबा होगा, जो लहरों के प्रभाव को अवशोषित करने और समुद्र तट को पोषण देने में मदद करने के लिए सीधे अरब सागर में बनाया जाएगा। सूत्रों ने बताया कि सरकार की मंजूरी मिलने पर विभाग मानसून के तुरंत बाद काम शुरू कर देगा। मेंगलूरु के उल्लाल तालुक में बटपडी में बंदरगाह विभाग के अधिकारियों के अनुसार, उल्लाल के पास दो और उचिला-बटपडी के पास दो अपतटीय चट्टानें, जिनमें से प्रत्येक का निर्माण 2022 में 50 करोड़ की अनुमानित लागत से किया गया है, समुद्री कटाव को रोकने में बहुत कम उपयोगी हैं। अपतटीय चट्टानों के साथ-साथ, विभाग ने एशियाई विकास बैंक द्वारा वित्त-पोषित सतत तटीय संरक्षण और प्रबंधन निवेश परियोजना के तहत उल्लाल-सोमेश्वर-उचिला समुद्र तट के किनारे तटीय बरम भी बनाए थे।

परियोजना पर लगभग 130 करोड़ खर्च किए गए। हालांकि, परियोजना का अधिकांश कार्य उचिला में निर्मित लगभग पांच ग्रॉयन को छोड़कर, खंड के साथ समुद्री कटाव को रोकने में विफल रहा। इसलिए उचिला में समुद्र तट लगभग बरकरार रहा है। विभाग ने पनवेल-कोच्चि राष्ट्रीय राजमार्ग 66 से सटे 2.5 किलोमीटर लंबे मरवन्थे-त्रासी समुद्र तट पर 24 ग्रॉयन, 14 सीधे और 10 'टी' आकार के बनाए थे। अरब सागर और सौपर्णिका के बीच से गुजरने वाला यह राजमार्ग कटाव के गंभीर खतरे में था। 2018 में शुरू हुई यह परियोजना लगभग दो साल में 86 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से पूरी हुई। तब से, ग्रॉयन ने न केवल समुद्र तट और राजमार्ग को समुद्री कटाव से बचाया है, बल्कि समुद्र तट को काफी हद तक पोषित भी किया है।

नाबालिग से सामूहिक बलात्कार के मामले में पांच गिरफ्तार

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। पुलिस अधिकारियों ने दो नाबालिगों सहित पांच लोगों को एक गिरोह का हिस्सा होने के आरोप में गिरफ्तार किया है, जिसने कथित तौर पर एक नाबालिग के साथ बार-बार सामूहिक बलात्कार किया और अपराध का वीडियो बनाया। यह अपराध कुछ महीने पहले बेलगावी के पास एक गाँव में किया गया था।

15 वर्षीय लड़की का अपहरण कर लिया गया, उसे एक पत्थर के क्रशर में ले जाया गया और छह लोगों ने उसके साथ बलात्कार किया। उन्होंने इस घटना को अपने मोबाइल फोन पर फिल्माया। पीड़िता के माता-पिता ने शिकायत करने के बाद दो दिन पहले पुलिस से संपर्क किया। आरोपियों को पकड़ने के लिए एक टीम बनाई गई है। जांच जारी है।

पुलिस आयुक्त बोरसे भूषण गुलाबराव ने रविवार को बेलगावी में संवाददाताओं को बताया कि आरोपियों ने वीडियो का इस्तेमाल उसे ब्लैकमेल करने और अलग-अलग समय पर अलग-अलग जगहों पर बार-बार बलात्कार करने के लिए किया था। पॉक्सो अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद क्षीर भवानी मेले में लगेगा हजारों का जमघट

जम्मू, 01 जून (ब्यूरो)। देशभर से श्रद्धालु माता की भवानी के दर्शन के लिए पहुंचे हैं। यह मेला 3 जून को सम्पन्न होगा। ऑपरेशन सिंदूर के उपरांत प्रशासन ने इतने बड़े आयोजन की इजाजत भी दी है और तैयारियां भी की हैं। आज सुबह जम्मू से भी कड़ी सुरक्षा के बीच श्रद्धालुओं का जत्था कश्मीर के लिए रवाना हुआ। यह मेला सिर्फ धार्मिक उत्सव नहीं है, बल्कि विस्थापित समुदाय के लिए अपनी जड़ों से जुड़ने का अवसर भी होता है।

क्षीर भवानी पहुंचने वाले श्रद्धालुओं का कहना है कि यह एक ऐसा मौका होता है जब वे अपनी आराध्य देवी के चरणों में श्रद्धा अर्पित कर सकते हैं। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद कश्मीर में पर्यटन पर असर पड़ा है, लेकिन इस यात्रा से उम्मीद की जा रही है कि हालात सामान्य होंगे और श्रद्धा के साथ-साथ पर्यटन भी फिर से रफ्तार पकड़ेगा। ऑपरेशन सिंदूर के बाद कश्मीर में इतना बड़ा धार्मिक मेला हो रहा है। 1990 के दशक में आतंकवाद के कारण अपने घरों से विस्थापित हुए कश्मीरी पंडितों के लिए यह यात्रा सिर्फ धार्मिक नहीं, बल्कि भावनात्मक और सांस्कृतिक पुनर्संयोजन का प्रतीक बन गई है।

श्रद्धालुओं ने कहा कि वे केवल माता भवानी में ही नहीं, बल्कि सम्पूर्ण भारत की शांति व्यवस्था में विश्वास रखते हैं। मुश्किल हालात के बावजूद कश्मीरी पंडितों की आस्था डगमगाई नहीं है। माता के प्रति उनका समर्पण पहले की तरह मजबूत है। वे मानते हैं कि सरकार और सुरक्षा बलों ने यात्रा की सुरक्षा के लिए पर्याप्त प्रबंध किए हैं जिससे उन्हें किसी प्रकार का डर नहीं है। प्रत्येक वर्ष ज्येष्ठ (मई-जून) के अवसर पर मंदिर में वार्षिक उत्सव का आयोजन किया जाता है। यहां मई के महीने में पूर्णिमा के आठवें दिन बड़ी संख्या में भक्त एकत्रित होते हैं। ऐसा विश्वास है कि इस शुभ दिन पर देवी के कुंड का पानी बदला जाता है। ज्येष्ठ अष्टमी और शुक्ल पक्ष अष्टमी इस मंदिर में मनाए जाने वाले कुछ प्रमुख त्यौहार हैं।

प्रशासन का कहना है कि इस यात्रा के लिए सभी आवश्यक इंतजाम पूरे कर लिए गए हैं। यात्रियों के रहने, खाने और सुरक्षा की व्यापक व्यवस्था की गई है। हजारों सालों से चल रही इस धार्मिक परंपरा के लिए इस बार भी श्रद्धालुओं में जबरदस्त उत्साह देखा गया। जो कश्मीरी पंडित इस बार तुलमुला स्थित क्षीर भवानी के मंदिर में पूजा अर्चना के लिए नहीं जा सके वे जम्मू में बनाए गए माता राघेन्या के मंदिर में पूजा अर्चना करेंगे। क्षीर भवानी में तीन जून को हजारों कश्मीरी पंडित और मुस्लिम जुटेंगे।

ज्येष्ठ अष्टमी पर जम्मू के भवानी नगर स्थित माता राघेन्या के मंदिर में भी क्षीर भवानी मेला लगता है। जो लोग कश्मीर नहीं जा पाते, वे यहां पर आकर हाजिरी लगाते हैं। यहां पर मेले की तैयारियां शुरू हो गई हैं। पूरे मंदिर परिसर को सजाया गया है। जहां पर जलाए जाने के लिए सैकड़ों दीपों का बंदोबस्त किया गया है। पनुन कश्मीर के प्रधान वीरेंद्र रैना ने कहा कि 1990 में जब वादी से विस्थापित होकर कश्मीरी पंडित जम्मू में आए तो उन्होंने ही भवानी नगर में माता क्षीर भवानी का मंदिर बनाया और अब हर साल यहां मेला लगता है।

कश्मीर के हिंदू समुदाय की आस्था का स्रोत है क्षीर भवानी

जम्मू, 01 जून (ब्यूरो)। मां क्षीर भवानी मंदिर श्रीनगर से 27 किलोमीटर दूर तुलमुल्ला गांव में स्थित है। यह मंदिर कश्मीर के प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक है। मां दुर्गा को समर्पित इस मंदिर का निर्माण एक बहती हुई धारा पर किया गया है। इस मंदिर के चारों ओर चिनार के पेड़ और नदियों की धाराएं हैं, जो इस जगह की सुंदरता पर चार चांद लगाते हुए हैं। यह मंदिर, कश्मीर के हिंदू समुदाय की आस्था की सनद है। महाराग्य देवी, रग्न्या देवी, रजनी देवी, रग्न्या भगवती इस मंदिर के अन्य प्रचलित नाम हैं। इस मंदिर का निर्माण 1912 में महाराजा प्रताप सिंह द्वारा करवाया गया जिसे बाद में महाराजा हरी सिंह द्वारा पूरा किया गया। मंदिर की एक खास बात यह है कि यहां एक षट्कोणीय झरना है, जिसे यहां के मूल निवासी देवी का प्रतीक मानते हैं। मंदिर से जुड़ी एक प्रमुख किंवदंती है कि सतयुग में भगवान श्री राम के निर्वासन काल में यही मंदिर उनका पूजा और ध्यान स्थल था। निर्वासन समाप्त होने के बाद भगवान राम ने भक्त हनुमान को आदेश दिया कि वे देवी की मूर्ति स्थापित करें। हनुमान ने भगवान राम के आदेश का पालन किया और इस स्थान पर देवी की मूर्ति स्थापित की। इस मंदिर के नाम से ही स्पष्ट है यहां क्षीर अर्थात खीर ही विशेष प्रसाद है। यहां के स्थानीय लोगों की मान्यता है कि अगर यहां झरने का पानी सफेद से काला हो जाए तो पूरे क्षेत्र में विपदा आती है।

राहुल गांधी को कोर्ट से झटका खारिज की गई याचिका

मूल केस से ध्यान हटाने की कोशिश न करें

पुणे, 01 जून (एजेंसियां)। पुणे की अदालत ने शनिवार 31 मई को कांग्रेस नेता राहुल गांधी की अर्जी खारिज कर दी। इस अर्जी में राहुल ने सात्यकि सावरकर की मां की पारिवारिक जानकारी मांगी थी। राहुल गांधी का कहना था कि सात्यकि ने अपनी पिता का पारिवारिक विवरण तो दिया है, लेकिन मां का नहीं, जो इस मामले में जरूरी है। इस अर्जी को खारिज करते हुए अदालत ने कहा है कि यह मामला राहुल गांधी के लंदन में दिए गए भाषण से जुड़ा है, किसी के पारिवारिक विवरण से नहीं। लिहाजा, वे केस से कोर्ट का ध्यान हटाने की कोशिश न करें।

राहुल गांधी ने 2023 में एक भाषण में कहा था कि वीर सावरकर ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर एक मुस्लिम व्यक्ति को पीटा था और इससे उन्हें बहुत खुशी हुई थी। राहुल गांधी के इस बयान पर सात्यकि सावरकर ने इसे वीर सावरकर को बदनाम करने वाला बयान बताते हुए राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मामला दर्ज कराया था। यह मामला उसी से संबंधित है।

नौकरी के बदले जमीन घोटाले का ट्रायल चलता रहेगा

हाईकोर्ट ने लालू यादव को नहीं दी कोई राहत

नई दिल्ली, 01 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनता दल अध्यक्ष और पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव को दिल्ली हाईकोर्ट ने जमीन के बदले नौकरी घोटाले में उनकी याचिका खारिज करते हुए उन्हें कोई राहत नहीं दी है। साथ ही ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर रोक लगाने से भी इन्कार कर दिया है।

जस्टिस रविंद्र डुडेजा की सिंगल बेंच ने अंतरिम आदेश में कहा कि मामले की मुख्य सुनवाई 12 अगस्त को होगी। कोर्ट ने लालू यादव की मुख्य याचिका पर नोटिस जारी कर छह हफ्तों में जवाब मांगा है। लालू यादव की ओर से सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने पैरवी की। उन्होंने दलील दी कि इस केस में सीबीआई ने बिना आवश्यक वैधानिक अनुमति के जांच शुरू की, जो सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का उल्लंघन है।सीबीआई का आरोप है कि 2004 से 2009 के दौरान रेल मंत्री रहते हुए लालू यादव ने ग्रुप-डी की नियुक्तियों के बदले अपने परिवार को बेहद कम कीमत पर जमीनें ट्रांसफर करवाईं। अब कोर्ट के आदेश के बाद सीबीआई जांच जारी रखेगी और ट्रायल कोर्ट में सुनवाई भी चलती रहेगी

महिला को मिली सरोगेट मां बनने की मंजूरी

अंधाधुंध चल रहा है सरोगेट मां बनने का धंधा

लखनऊ, 01 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में एक महिला को सरोगेट मां बनने की अनुमति मिली है। उसे कुछ तयशुदा नियम मानने होंगे। स्वास्थ्य विभाग के परीक्षण में दंपति के अनफिट मिलने पर सरोगेट मां बनने की अनुमति मिली है। इससे पहले आए कई आवेदन में खामियां पाने के बाद उन्हें खारिज कर दिया गया था। सीएमओ और डीएम आफिस से सेरोगेट मां बनने की अनुमति मिली। स्वास्थ्य विभाग के अफसरों का कहना है सरोगेसी के लिए दिसंबर माह में आवेदन आया था। सभी औपचारिकताएं पूरी कराने बाद अनुमति दी गई है। जबकि असलियत है कि लखनऊ समेत प्रदेश के कई जिलों में सरोगेट मां बनने का धंधा खूब फलफूल रहा है। स्वास्थ्य विभाग को इसकी पूरी जानकारी है, लेकिन कार्रवाई से अधिक प्राथमिक धंधेबाजों से मोटा धन वसूलना रह गया है। लखनऊ में रहने वाले एक परिवार ने सेरोगेट मां बनने के लिए तैयार महिला को लेकर आवेदन किया था। आवेदक की पत्नी की बच्चेदानी निकाली जा चुकी है। ऐसी दशा में दंपति ने किराए की कोख लेने का निर्णय लिया। आवेदक ने अपने पत्र में कहा कि उनकी पत्नी गर्भधारण नहीं कर सकती है। लिहाजा सरोगेसी के लिए इजाजत दी जाए। डीएम की अध्यक्षता में गठित कमेटी ने दंपति के स्वास्थ्य परीक्षण करके उन्हें गर्भधारण के लिए अनफिट कर दिया था। दंपति ने सरोगेट मां का चयन कर लिया है। सेरोगेट मां के सभी दस्तावेज सीएमओ ऑफिस में जमा किए गए थे। स्वास्थ्य विभाग ने सरोगेट मां का स्वास्थ्य परीक्षण कराया था। सरोगेट मां के स्वस्थ पाए जाने पर उन्हें सरोगेसी की अनुमति लिए फाइल डीएम पास भेजी गई थी, जहां से औपचारिक अनुमति मिल गई। सरोगेसी अधिनियम सख्ती से लागू करने के लिए डीएम की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय कमेटी गठित है। इसमें डीएम अध्यक्ष, सीएमओ सचिव, केजीएमयू के गायनेकोलॉजी विभाग के अध्यक्ष, रेडियोलॉजी विभाग के अध्यक्ष, संयुक्त निदेशक अभियोजन शामिल होते हैं। यह कमेटी किराए की कोख लेने वाले आवेदक का दस्तावेज की जांच करती है। इसकी वीडियोग्राफी भी होती है। अंग प्रत्यारोपण की तर्ज पर ही किराए पर कोख लेने के लिए सभी औपचारिकताएं पूरी करनी होती हैं। लेकिन यह तो नियम की बात हुई।

गोरखपुर में दो बड़ी कंपनियों का डेटा हैक

अपराधियों ने क्रिप्टोकरेंसी में मांगी फिरौती

गोरखपुर, 01 जून (एजेंसियां)। साइबर अपराधियों ने गोरखपुर जिले की दो बड़ी कंपनियों का डेटा हैक कर लिया है। रामरायका मार्केटिंग और गौरी ट्रेडिंग कंपनी के सर्वर को हैक करने वाले साइबर अपराधियों ने क्रिप्टो करंसी में फिरौती मांगी है। हैकर्स ने सर्वर पर संदेश दिया है कि अगर उन्हें फिरौती नहीं मिली तो डेटा को नष्ट कर देंगे। इससे पहले ही साइबर एक्सपर्ट और कंपनी की आईटी टीम ने पुराने डेटा की पूरी फाइल ही डिलीट करवा दी है। अब नई फाइल तैयार की जा रही है।

पुलिस के मुताबिक, कंपनी के मालिक ने परिवार के सभी आईडी प्रूफ, वोटर कार्ड, आधार कार्ड, पैन, जीएसटी सर्टिफिकेट और कार की आरसी का एक फोल्डर बनाया था। इसके अलावा फर्म के खरीदार, व्यापार के साझेदारों की भी एक फोल्डर फाइल की बनाकर सिस्टम पर रखी थी। हैकर ने सिस्टम से पूरी फाइल का डेटा ही हैक कर लिया है। इसके दुरुपयोग की आशंका जताते हुए दोनों कंपनियों के मालिक कैंट इलाके के हरिओमनगर निवासी संजय रामरायका मरैका ने साइबर थाने में तहरीर देकर अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कराया है। साइबर विशेषज्ञ हैकर का पता लगाने में जुट गए हैं। विशेषज्ञ के मुताबिक, गोरखपुर में इस तरह पहला मामला सामने आया है, जिसमे एफआईआर दर्ज की गई है। संजय रामरायका ने बताया कि उनकी दोनों कंपनियां ऑयल व गुगर की खरीद-फरोख्त का काम करती है। सर्वर पर रैनसमवेयर अटैक हुआ है। इसके कारण कंपनी का पूरा डेटा करप्ट हो गया। 29 मई की सुबह कंपनी की आईटी टीम ने आंतरिक सर्वर सिस्टम में हैकर्स की इंट्री का पता लगाया। जांच करने पर पाया गया कि पूरे डेटा को मलेशियर सॉफ्टवेयर की ओर से करप्ट किया गया है। साइबर अपराधियों की ओर से एक फिरौती संदेश सर्वर पर छोड़ा गया है, जिसमें क्रिप्टो करेंसी में भुगतान की मांग की गई है। इसके बदले में वह डिक्रिप्शन कमांड (जिससे डाटा खुल जाएगा) देने को कहे हैं। व्यापारी का कहना है कि इस हमले के कारण कंपनी का आर्थिक से लेकर सभी कामकाज प्रभावित हो गए हैं।

रैनसमवेयर को साइबर की दुनिया में टॉप लेवल का स्कैम कहा जाता है। इसमें किसी भी कंप्यूटर के सिस्टम में हैकर सीधे इंट्री करते हैं और फाइल के डेटा को इन्क्रिप्ट (किसी फाइल को एक कोड में लॉक कर देना) कर देते हैं। इसे डिक्रिप्ट (अनलॉक) करने के लिए एक की कोड की जरूरत पड़ती है, जो हैकर खुद इसे बनाता है। बिना इस की कोड के इन्क्रिप्ट डाटा डिक्रिप्ट नहीं हो सकता। हैकर ने ऐसे ही व्यापारी के डाटा को भी कोड में बदलकर हैक करते हुए लॉक कर दिया और कोड जेनरेट करने और देने के उसे देने के लिए व्यापारी से फिरौती की मांग कर रहे थे। इंक्रिप्टेड डाटा हो जाने से सिस्टम का पूरा डाटा हैकर के पास चला जाता और फाइल दिखती है, लेकिन खुलती नहीं है।

साइबर टीम के मुताबिक, व्यापारी पाम ऑयल का व्यापार करते हैं। बाहर से पाम ऑयल मंगवा कर ये दूसरे व्यापारियों(कस्टमरों) को देते थे। इन व्यापारियों का पूरा डाटा, जिसमें खरीद, क्षमता, भुगतान, बकाया, सेंटर और नाम के साथ मोबाइल नंबर और बैंक की डिटेल भी थी। हालांकि, समय समय पर आईटी टीम डाटा को व्यापार के मुताबिक अपडेट करती थी, जिस वजह से डाटा बहुत अधिक था नहीं। ये पूरी डिटेल टैली सॉफ्टवेयर पर बनाकर सिस्टम पर रखे थे। इसी पूरे डेटा को रैनसमवेयर,वांट टू क्राई से अटैक कर हैकर ने अपने कंट्रोल में लिया था।

साइबर एक्सपर्ट उपेन्द्र सिंह ने बताया कि सोशल मीडिया पर किसी संदिग्ध लिंक के संपर्क में आने से ऑनलाइन (डिजिटल) जानकारियां हैकर के पास चली जाती हैं। कुछ ऐसा ही इस केस में भी हुआ होगा। जांच चल रही है। लेकिन, ये ऐसा पहला मामला आया है। व्यापारी संजय ने बताया कि व्यापारी को लेकर उनकी तरफ से लगातार सतर्कता बरती जाती थी।

लेकिन, अब ये घटना हो गई तो और सतर्क रखने की जरूरत है। जो बिल से सम्बंधित रिकार्ड थे, वो प्रिंटेड थे और रिकार्ड में सुरक्षित भी रखे थे। उन्हें फिर से सिस्टम में चढ़ाया जा रहा है। सभी डाटा सुरक्षित रखते हुए फिर से उसे संरक्षित कर लिया जाएगा। बाकी जो डेटा हैक किया था उसे टीम और साइबर टीम के सहयोग से पूरी तरह डिलीट करवा कर नेटवर्क के।सिस्टम को फिर से अपडेट करवा दिया गया है।

नक्सल प्रभावित क्षेत्र के 295 पुलिसकर्मियों का प्रमोशन

बस्तर संभाग में तैनात जवानों को मिला विशेष लाभ

बस्तर, 01 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ सरकार ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों, विशेषकर बस्तर संभाग में तैनात 295 पुलिसकर्मियों का प्रमोशन किया है। यह आदेश राज्य के पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम ने जारी किया। प्रमोशन पाने वाले अधिकतर जवान बस्तर संभाग के सात जिलों दंतेवाड़ा, बीजापुर, बस्तर, नारायणपुर, कोंडागांव, सुकमा और कांकेर में तैनात हैं। प्रमोशन पाने वालों में 206 कांस्टेबल, 37 हेड कांस्टेबल, 15 एएसआई, 16 एसआई, 3 प्लाटून कमांडर, 6 कंपनी कमांडर, और 12 सहायक प्लाटून कमांडर शामिल हैं। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं गृह विभाग प्रभारी विजय शर्मा ने प्रमोशन पाने वाले पुलिसकर्मियों को बधाई दी। शर्मा ने कहा कि जवानों के साहस और समर्पण ने बस्तर में शांति और विकास का मार्ग प्रशस्त किया है।

कानपुर मेडिकल कॉलेज में 21 करोड़ की हेराफेरी पकड़ी गई

कानपुर, 01 जून (एजेंसियां)। कानपुर के गणेश शंकर विद्यार्थी राजकीय मेडिकल कॉलेज (जीएसवीएम) और उससे जुड़े अस्पतालों में उपकरणों की खरीद में भारी घोटाले का पर्दाफाश हुआ है।

कानपुर के गणेश शंकर विद्यार्थी राजकीय मेडिकल कॉलेज (जीएसवीएम) और उससे जुड़े अस्पतालों में उपकरणों की खरीद से लेकर आधारभूत सुविधाएं विकसित करने में करोड़ों की हेराफेरी हुई है। मार्च 2021 से मार्च 2024 के बीच 2176.09 लाख रुपए का अतिरिक्त भुगतान कार्यदायी संस्थाओं को किया गया है। यह खुलासा ऑडिट रिपोर्ट में हुआ है। रिपोर्ट के आधार पर उच्चाधिकारियों से शिकायत की गई है, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। ऑडिट रिपोर्ट के मुताबिक सर्जरी विभाग में आठ मॉड्यूलर ओटी का

निर्माण 1627.77 लाख की लागत से कराया गया। इसमें 146.69 लाख रुपए अतिरिक्त भुगतान किया गया। पीएमएसएसवाई योजना में सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक में उपेंद्र के निर्माण में भी 150.16 लाख रुपए अतिरिक्त भुगतान किए गए हैं। अग्नि सुरक्षा के उपकरण उच्च दर पर खरीदे गए। इसके एवज में तय दर से 138.45 लाख रुपए अतिरिक्त भुगतान किए गए।

वित्तीय वर्ष 2021-22 में उपकरणों की खरीद एसजीपीजीआई की दर पर करने का निर्देश थे, लेकिन न्यूरो सर्जरी व अन्य विभागों में इनकी खरीद उच्च दर पर की गई है और 86.77 लाख रुपए अतिरिक्त भुगतान किए गए। इसी तरह 50 बेड के प्राइवेट वार्ड में सेंट्रल गैस पाइप लाइन लगाने में कार्यदायी संस्था को 26.24 लाख रुपए अतिरिक्त दिए गए। पूरे मामले की शिकायत उच्चाधिकारियों से करके जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग की गई है, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

रिपोर्ट में इस बात का भी जिक्र है कि फार्मेसी भवन एवं छात्रावास के जीर्णोद्धार का कार्य समय से पूरा नहीं होने से करीब 217.85 लाख रुपए का नुकसान हुआ है। छात्रावास में नए फर्नीचर की आपूर्ति नहीं की गई। छात्रावास की टाइल्स टूट गई और बारिश में छत से पानी टपकता है। कई अन्य खामियां हैं जिन्हें अब तक दूर नहीं किया जा सका है।

149 बांग्लादेशी पकड़े गए, वापस भेजने का क्रम जारी

पलवल, 01 जून (एजेंसियां)। हरियाणा के पलवल से पुलिस ने अवैध तरीके से रह रहे 19 बांग्लादेशी घुसपैठियों को गिरफ्तार किया है। इनमें आठ पुरुष, सात महिलाएं और चार बच्चे शामिल हैं। सदर थाना प्रभारी निरीक्षक सुंदर पाल की टीम को जांच के दौरान ये सभी थाना क्षेत्र के ईंट-भट्ठों पर काम करते मिले थे। इन सभी को पुलिस लाइन में शेल्टर बनाकर रखा गया है। पुलिस इनसे बरामद हुए दस्तावेजों की जांच कर रही है। साथ ही यह पता लगाया जा रहा है कि ये सभी भारत में कैसे घुसे। जिला पुलिस द्वारा अब तक अलग-अलग स्थानों से कुल 149 बांग्लादेशी घुसपैठियों को पकड़ा गया है। इनके डिपोर्टेशन की प्रक्रिया भी लगातार जारी है। पुलिस ने क्षेत्र के लोगों से अपील की है कि वे अपने घर पर काम करने वाले लोगों की पूरी जानकारी अवश्य रखें और उनका पुलिस सत्यापन भी कराएं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रियल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरि जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com

शुभ लाभ

प्रेरणा की मूर्ति हैं वीरांगना अहिल्याबाई होल्कर : धनखड़

महान हस्तियों से प्रेरणा लें तो बाधाएं दूर हो जाती हैं : योगी

आगरा, 01 जून (एजेंसियां)। देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की जयंती एक तारीख और ऐतिहासिक घटना नहीं, बल्कि हम सबके लिए जीवन दर्शन है। हमें संकल्प लेना पड़ेगा कि हम उनके आदर्शों पर चलेंगे। लोकमाता कठिन समय में भारत की महान परंपरा की प्रतिनिधि थीं, जहां धर्म-संस्कृति और शासन एक ही धारा में प्रवाहित होते हैं। सोमनाथ गुजरात, काशी विश्वनाथ, महाकालेश्वर, ओंकारेश्वर, बद्रीनाथ, केदारनाथ, भीमाशंकर, रामेश्वरम, गोकर्ण समेत न जाने कितने मंदिर उनके हाथ से संजीवित हुए। वीरांगना अहिल्याबाई होल्कर हमारे लिए प्रेरणा मूर्ति हैं।

धनखड़ ने कहा कि संस्कृति का सृजन व संरक्षण बहुत अहम है। आक्रांता औरंगजेब ने क्रूरता से काशी विश्वनाथ पर प्रतिघात-कुठाराघात किया तो उसके 100 वर्ष बाद अहिल्याबाई होल्कर ने दूरदर्शिता दिखाते हुए काशी विश्वनाथ में मंदिर बनाया। वर्तमान परिदृश्य की चर्चा करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि वहां जो चमत्कारी परिवर्तन आया है, उससे पूरा देश अभिभूत है। वहां के मनोरम घाटों का अवलोकन कर आनंद की अनुभूति होती है। पीएम मोदी के नेतृत्व में यह कार्य मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि योगी आदित्यनाथ दूरदर्शी और काम में विश्वास रखते हैं। दिसंबर 2021 में उन्होंने काशी विश्वनाथ में आदि शंकराचार्य और लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा का अनावरण किया था। जो कार्य लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर ने किया, वही योगी आदित्यनाथ ने किया। उन्होंने उत्तर प्रदेश की काया पलट दी। काशी विश्वनाथ, अयोध्या के बाद मथुरा में भी कार्य होगा। आने वाली पीढ़ियां योगी आदित्यनाथ के कार्य को उसी तरह स्मरण करेंगी, जैसे आज हम लोकमाता को याद रखते हैं। उपराष्ट्रपति ने कहाकि संकल्प लें, लोकमाता अहिल्याबाई की तरह हम भी कर्तव्य को धर्म मानेंगे और अधिकारों को सेवा के माध्यम से आगे बढ़ाएंगे। विधि की रचना की तरह अहिल्याबाई की सोच योगी आदित्यनाथ में भी आ गई है।

भारतीय सेना के पराक्रम को याद करते हुए उप राष्ट्रपति ने कहा कि 22 अप्रैल को पहलगाम में दुश्मनों ने कायरता दिखाई, उसका जवाब दिया गया। उन्होंने सीएम योगी को संबोधित करते हुए कहा कि आपकी भूमि पर सैन्य उत्पादन कितना श्रेष्ठ है, यह दुश्मन के कानों में गूंजता रहेगा। आपके यहां निर्मित ब्रह्मोस ने जैस ए मोहम्मद, लश्कर ए तैयबा के ठिकाने में घुसकर उन्हें तबाह किया। ऑपरेशन की सफलता के लिए उप राष्ट्रपति ने भारतीय सेना का अभिनंदन करते हुए कहा कि सेना के पराक्रम के कारण दुश्मन को लोहे के चने चबाने पड़े। सेना ने दुनिया को संदेश दिया कि भारत बदल गया है। भारत आतंकवाद को समाप्त करेगा, जो हम पर हाथ डालेगा, उसे पूरी तरह नष्ट करेंगे।

धनखड़ ने कहा कि योगी आदित्यनाथ ने अपने शासनकाल में यूपी की छवि को पूर्ण रूप से बदल दिया। आज यूपी का मतलब सुशासन व कानून का राज है। बिना कानून के राज के विकास संभव नहीं है। उत्तर प्रदेश अब उत्तम प्रदेश हो गया है। उन्होंने कहा कि हम भारतीय हैं, भारतीयता हमारी पहचान और राष्ट्रवाद हमारा धर्म है। राष्ट्र सर्वोपरि है। राष्ट्र के लिए जो भी करेंगे, वह कम है। उपराष्ट्रपति ने कहा, मेरा सिर गर्व से ऊपर है, क्योंकि अहिल्याबाई होल्कर भी किसान परिवार से थीं। वे न्यायप्रिय थीं। उन्होंने नारी शक्तिकरण के लिए बहुत उच्च मापदंड रखे। अपनी सेना में महिलाओं की टुकड़ी बनाई। आज के भारत में नारी सशक्तिकरण पराकाष्ठा पर है। संसद व विधानसभाओं में भी नारियों के लिए आरक्षण है। किसानों के लिए अहिल्याबाई होल्कर ने बहुत कुछ किया। किसानों ने ठान रखा है, इसलिए भारत विकसित होगा।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पुण्यश्लोक पूज्य देवी अहिल्याबाई होल्कर मालवा साम्राज्य की महारानी थीं, जिसका विस्तार मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के कुछ क्षेत्रों तक था। मुगल कालखंड में जब विदेशी आक्रांताओं ने भारत की अस्मिता और आस्था के प्रतीकों, खासकर मंदिरों को नष्ट और भ्रष्ट किया, तब देवी अहिल्याबाई ने ढाई सौ साल पहले इनके पुनरुद्धार का महान कार्य किया। उन्होंने इस समारोह को लोकमाता के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने का एक माध्यम बताया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन की शुरुआत आगरा को ब्रजभूमि के रूप में संबोधित करते हुए की। उन्होंने कहा कि यह ऐतिहासिक धरती, जिसे भगवान कृष्ण का सानिध्य प्राप्त हुआ, आज हमें गर्व का अवसर प्रदान कर रही है। उन्होंने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, उनकी धर्मपत्नी सुदेश धनखड़ और हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय का आगरा में हार्दिक स्वागत और अभिनंदन किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब समाज अपने राष्ट्रनायकों और नायिकाओं से प्रेरणा लेता है, तो कोई भी ताकत उसके मार्ग में बाधा नहीं बन सकती। लोकमाता अहिल्याबाई का विराट व्यक्तित्व इसका जीवंत उदाहरण है। उन्होंने महिलाओं, हस्तशिल्पियों, कारीगरों, किसानों, युवाओं, सुरक्षा और भारत की सांस्कृतिक विरासत के लिए जो कार्य किए, वे अविस्मरणीय और अभिनंदनीय हैं। उन्होंने बताया कि पुण्यश्लोक देवी अहिल्याबाई ने राजकोष की जगह अपने निजी धन से पुरी के जगन्नाथ मंदिर, गया के मंदिर, काशी विश्वनाथ मंदिर, केदारनाथ धाम, महाकाल मंदिर, ओमकारेश्वर मंदिर, सोमनाथ मंदिर, भीमाशंकर मंदिर और रामेश्वरम मंदिर सहित अनेक धार्मिक स्थलों का पुनरोद्धार किया। उन्होंने मात्र 70 वर्ष का जीवन जिया, लेकिन उनका व्यक्तित्व आज भी हमें प्रकाश और प्रेरणा दे रहा है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर जी के कार्यों से प्रेरित होकर डबल इंजन की सरकार तमाम योजनाएं सांचालित कर रही है। सीएम योगी ने लखपति दीदी, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, मातृ वंदना योजना और आत्मनिर्भर भारत अभियान का विशेष उल्लेख किया। साथ ही, काशी विश्वनाथ धाम, अयोध्या में भव्य राम मंदिर, महाकाल में महालोक, केदारनाथ और बद्रीनाथ धाम, सोमनाथ और रामेश्वरम मंदिरों में हो रहे कार्यों को भी इसी कड़ी का हिस्सा बताया। सीएम योगी ने कहा कि लोकमाता ने मालवा साम्राज्य को आत्मरक्षा के गुण सिखाए। आज भारत की सेना उसी प्रेरणा से सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक करती है। जब पाकिस्तान आतंकियों को पालता है, तो भारत घुसकर मारता है। भारतीय सेना ने पाकिस्तान के एयर सिस्टम को ध्वस्त कर दुश्मन को झुकने के लिए मजबूर किया। यह लोकमाता के विराट व्यक्तित्व की प्रेरणा का परिणाम है।

मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश में हुए बदलावों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पहले कुछ लोग माफिया को पालते थे, जो कानून व्यवस्था के लिए संकट पैदा करते थे। लेकिन आज डबल इंजन की सरकार ने लोकमाता के नाम पर औरैया में मेडिकल कॉलेज का नामकरण किया। पहले कुछ लोग उनके नाम पर बने डिग्री कॉलेज का नाम बदल देते थे। आज उसका नामकरण लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर के नाम से हुआ। कार्यक्रम के संयोजक केंद्रीय मंत्री एवं आगरा के सांसद प्रो. एसपी सिंह बघेल ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, उप राष्ट्रपति की पत्नी डॉ. सुदेश धनखड़, महाराष्ट्र विधान परिषद के सभापति प्रो. रामशंकरराव शिंदे, गोवा के पूर्व उप मुख्यमंत्री चंद्रकांत बाबू कावलेकर, सांसद वीके पार्थसारथी, बस्तीपति नागराजू आदि मौजूद रहे।

चालक की सूझबूझ से हुआ आतंकी षडयंत्र फेल

दिल्ली-सहारनपुर एक्सप्रेस पलटने से बची

पटरी पर रखा हैंडपंप का 12 फीट लंबा लोहे का मोटा पाइप

शामली, 01 जून (एजेंसियां)। दिल्ली सहारनपुर रेलवे मार्ग पर बलवा गांव के पास शरारती तत्वों ने ट्रेन पलटने की साजिश से करीब 12 फीट लंबा लोहे का मोटा पाइप रेलवे ट्रैक पर रख दिया। चालक ने सूझबूझ का परिचय देते हुए पहले ही ट्रेन को रोक लिया। करीब एक घंटे तक ट्रेन जंगल में खड़ी रही। इस दौरान यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

शनिवार रात करीब 10:30 बजे दिल्ली से सहारनपुर के लिए 64021 ट्रेन जा रही थी। जैसे ही ट्रेन बलवा गांव के अंडरपास के पास पहुंची तो चालक ने इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन को रोक दिया। उतर कर देखा तो रेलवे ट्रैक पर करीब 12 फीट लंबा लोहे का पाइप रखा गया था। शरारती तत्वों ने ट्रेन को पलटाने की साजिश के तहत ही पाइप रेलवे ट्रैक पर रखा।

हालांकि अभी अधिकारी साजिश की जांच की बात कह रहे हैं। मामले की सूचना पाते ही एसपी रामसेवक गौतम, एएसपी संतोष कुमार सिंह, जीआरपी व आरपीएफ के अधिकारी मौके पर पहुंचे। घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने शरारती तत्वों की तलाश में छानबीन भी की, मगर फिलहाल उनका पता नहीं लग सका। जीआरपी थाना प्रभारी चांद वीर सिंह का कहना है कि रेलवे ट्रैक पर शरारती तत्वों ने पाइप रखा था। अधिकारी मौके पर है। मामले की जांच की जा रही है। ट्रेन के चालक ने सूझबूझ का परिचय दिया। यदि चालक की नजर पाइप पर नहीं पड़ती तो ट्रेन में सवार हजारों यात्री हादसे का शिकार हो सकते थे।

आरपीएफ के अधिकारियों ने बताया कि जांच में सामने आया है कि शरारती तत्वों ने बलवा गांव के पास ही नलकूप से पाइप को उखाड़ा था, जो रेलवे ट्रैक पर मिला है। एसपी ने जांच के लिए पुलिस के अलावा एसओजी को भी लगाया है। एसपी के निर्देश पर डॉग स्कायड और फोरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंची और मामले की जांच पड़ताल की। एसपी रामसेवक गौतम का कहना है कि रेलवे अधिकारियों से भी बात की जा रही है। नलकूप से चोरी के बाद ट्रेन आने पर चोर पाइप को ट्रैक पर छोड़कर भागे या फिर ट्रेन पलटाने की साजिश थी, इसकी जांच की जा रही है। जांच के बाद ही कुछ कहा जा सकेगा।

क्रिकेटर रिंकू सिंह और सांसद प्रिया सरोज का विवाह तय

वाराणसी, 01 जून (एजेंसियां)। मशहूर क्रिकेटर रिंकू सिंह और सांसद प्रिया सरोज की शादी की तारीख तय हो गई है। आठ जून को लखनऊ में मंगनी होगी। शादी वाराणसी में होगी। जौनपुर की मछलीशहर लोकसभा सीट से समाजवादी पार्टी सांसद प्रिया सरोज की रिंग सेरेमनी 8 जून को लखनऊ में होगी। शादी 18 नवंबर 2025 को वाराणसी के होटल ताज से होगी। इसमें क्रिकेट के सितारे, फिल्म जगत की हस्तियों और उद्योगपतियों का जमावड़ा रहेगा। आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स की तरफ से खेलने वाले अलीगढ़ के रिंकू सिंह की शादी प्रिया से तय है। इसकी पुष्टि पहली बार सांसद बनी प्रिया सरोज के पिता व केराकत विधानसभा सीट से सपा विधायक तूफानी सरोज ने की थी।

विधायक ने कहा था कि अलीगढ़ में रिंकू के परिजनों से मुलाकात हुई थी। परिजन शादी के लिए राजी हैं। आईपीएल के बाद दोनों की शादी होगी। अब रिंग सेरेमनी और शादी की तारीख तय हो गई है। सपा विधायक के करीबियों के मुताबिक, शादी पारंपरिक रीति-रिवाज से होगी। इसमें देशभर प्रमुख राजनेता, क्रिकेटर, फिल्मी सितारे और समाजसेवी शामिल होंगे। यह रिश्ता दोनों परिवारों की सहमति और स्नेह से तय हुआ है। दोनों ने एक-दूसरे को समझने के लिए वक्त दिया और अब एक नई शुरुआत के लिए तैयार हैं। प्रिया सरोज पेशे से अधिवक्ता हैं। प्रिया और रिंकू एक दूसरे को पहले से जानते हैं। तूफानी सरोज ने बताया कि प्रिया की सहेली के पिता क्रिकेटर हैं। उनके जरिए ही रिंकू और प्रिया की जान-पहचान हुई थी। दोनों एक दूसरे को पहले से जानते हैं। दोनों का कहना था कि परिजनों की रजामंदी से शादी करेंगे। परिजनों के बीच भी सार्थक बातचीत हो गई।

क्रिकेटर रिंकू सिंह का जन्म 12 अक्टूबर 1997 को अलीगढ़ के बेहद साधारण परिवार में हुआ। उनके पिता खानचंद्र गैस एजेंसी पर सिलिंडर वितरण का काम करते थे। उन्होंने खुद शुरुआत में सिलिंडर वितरण के काम में पिता का हाथ बंटाया और गरीबी से लड़ते हुए क्रिकेट के मैदान पर अपनी जगह बनाई। सबसे पहले डीपीएस के मैदान पर आयोजित इंटरनेशनल स्कूली विश्वकप में मैन ऑफ द सीरीज का खिताब जीतकर सुर्खियां बटोरीं। क्रिकेट के जानकारों का ध्यान जब उनकी ओर गया तो उनका सफर शुरू हुआ और वह आईपीएल में पहुंचे। इसी दौरान केकेआर की ओर से खेलते हुए 2023 में शानदार प्रदर्शन के बाद वे देश में चर्चित हुए। फिर इंटरनेशनल टी-20 क्रिकेट टीम के सदस्य बने और एकदिवसीय टीम में स्थान पाया। अब उनकी संपत्ति करोड़ों में पहुंच गई है। आईपीएल 2025 के मेगा ऑक्शन में केकेआर ने उन्हें 13 करोड़ रुपए में रिटेन किया था।

रिंकू सिंह को पहली बार 2017 में किंग्स इलेवन पंजाब ने 10 लाख रुपए में खरीदा था। हालांकि उस टूर्नामेंट में उन्हें खेलने का मौका नहीं मिला। 2018 में कोलकाता नाइट राइडर्स ने उन्हें 80 लाख रुपए में अपनी टीम में शामिल किया था। अब उनकी सालाना कमाई करीब 60 से 80 लाख रुपए बताई जाती है। 2024 में रिंकू सिंह की कुल संपत्ति का अंदाजा करीब 8 करोड़ रुपए लगाया गया था। जिसमें पिछले साल अच्छी खासी बढ़ोतरी हुई है।

योगी सरकार ने देर शाम को अचानक लिया फैसला

राजीव कृष्ण बने यूपी पुलिस के कार्यवाहक डीजीपी

एक्सटेंशन की प्रतीक्षा ही करते रह गए प्रशांत कुमार

लखनऊ, 01 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार ने वर्ष 1991 बैच के आईपीएस अधिकारी राजीव कृष्णा को यूपी पुलिस का कार्यवाहक डीजीपी नियुक्त किया है। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड के अध्यक्ष के साथ डायरेक्टर विजिलेंस की जिम्मेदारी संभाल रहे राजीव कृष्ण 11 वरिष्ठ आईपीएस अफसरों को सुपरसीड कर कार्यवाहक डीजीपी बनाए गए हैं। निवर्तमान डीजीपी प्रशांत कुमार को सेवा विस्तार नहीं मिल सका, जिसके बाद देर शाम राजीव कृष्णा को कार्यवाहक डीजीपी बनाने की घोषणा कर दी है। उन्होंने शनिवार की रात करीब 9 बजे डीजीपी का कार्यभार ग्रहण कर लिया। सत्ता गलियारे में चर्चा है कि उन्हें शीघ्र डीजीपी पद पर नियमित कर दिया जाएगा।

बीते एक सप्ताह से इस बात की अटकलें जोर-शोर से चल रहीं थीं कि वर्तमान डीजीपी प्रशांत कुमार का सेवा विस्तार हो सकता है। लेकिन शासन ने शनिवार की देर शाम राजीव कृष्ण को प्रदेश को नया डीजीपी बनाए जाने की घोषणा कर दी। डीजीपी के चयन के लिए राज्य सरकार ने पिछले वर्ष पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश (उत्तर प्रदेश के पुलिस बल प्रमुख) चयन एवं नियुक्ति नियमावली 2024 को मंजूरी दी थी, लेकिन उसके तहत अब तक समिति का गठन नहीं किया गया। लिहाजा, डीजीपी का चयन मुख्यमंत्री अपनी मर्जी के मुताबिक करते हैं। राजीव कृष्ण की गिनती शासन के करीबी और भरोसेमंद अफसरों में होती है। राजीव कृष्णा पुलिस भर्ती बोर्ड के अध्यक्ष बने रहेंगे। राज्य सरकार ने उनको डीजीपी पद का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा है। प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद द्वारा जारी आदेश के मुताबिक इसके लिए उन्हें कोई अलग वेतन या भत्ता नहीं दिया जाएगा।

मूल रूप से गौतमबुद्धनगर के निवासी राजीव कृष्णा बीटेक हैं। उन्हें दो बार राष्ट्रपति का गैलेंट्री अवार्ड भी मिल चुका है। उनके रिटायर होने में अभी चार वर्ष और एक माह का समय बाकी है। यानि, वह लंबे समय तक प्रदेश के डीजीपी बने रह सकते हैं। प्रदेश में सिपाही नागरिक पुलिस के 60,244 पदों सीधी भर्ती की लिखित परीक्षा का पेपर लीक होने के बाद प्रदेश सरकार ने राजीव कृष्णा को भर्ती बोर्ड के अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी थी। उन्होंने परीक्षा को सकुशल सम्पन्न कराई। इससे प्रसन्न होकर राज्य सरकार ने उन्हें प्रदेश पुलिस का मुखिया बनाने का फैसला लिया। राजीव कृष्णा लखनऊ समेत कई जिलों के पुलिस कप्तान भी रह चुके हैं। इसके अलावा वह लखनऊ के एडीजी जोन भी रहे हैं। उनकी पत्नी मीनाक्षी सिंह वरिष्ठ आईआरएस अधिकारी हैं और लखनऊ स्थित आयकर विभाग के मुख्यालय में तैनात हैं। राजीव कृष्णा सरोजनीनगर के भाजपा विधायक राजेश्वर सिंह के बहनोई हैं। राजेश्वर सिंह पहले प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) में संयुक्त निदेशक थे, लेकिन नौकरी छोड़कर राजनीति में आ गए।

प्रशांत कुमार को मिल सकता है कोई अहम पद

लखनऊ, 01 जून (एजेंसियां)। प्रशांत कुमार यूपी के डीजीपी पद से रिटायर हो गए हैं। उनके सेवा विस्तार की चर्चाएं चल रही थीं, लेकिन आखिरी समय में राजीव कृष्णा को डीजीपी बना दिया गया। अब चर्चा है कि प्रशांत कुमार को कोई अहम पद मिल सकता है। डीजीपी के पद से सेवानिवृत्त हुए प्रशांत कुमार का 14 माह का कार्यकाल माफिया व अपराधियों को धूल चटाने वाला रहा। उन्होंने महाकुंभ, राम मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा समारोह समेत कई बड़े आयोजनों में पुलिस के आतिथ्य सत्कार की नई मिसाल पेश कर धाक भी जमाई। भाजपा सरकार के पहले कार्यकाल में मेरठ जोन का एडीजी रहने के दौरान उन्होंने पश्चिमी यूपी के तमाम कुख्यात अपराधियों का सफाया कराया, जिसके बाद सीएम योगी आदित्यनाथ ने उन्हें एडीजी कानून व्यवस्था बना दिया। उन्होंने मुख्तार अंसारी और अतीक अहमद जैसे माफिया और उनके गैंग के सदस्यों की कमर तोड़ी, तो सीएम ने उनको 31 जनवरी 2024 को डीजीपी बना दिया। शनिवार को सेवानिवृत्त होने पर उन्होंने कई पूर्व डीजीपी की परंपरा का पालन किया और रैतिक परेड जैसी औपचारिकताओं से दूर रहे। सीएम के भरोसेमंद अफसर होने की वजह से उन्हें कोई अहम जिम्मेदारी सौंपे जाने की चर्चा है।

संपादकीय

वायुसेना प्रमुख की चिंता

भारत के वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने सार्वजनिक मंच से रक्षा-सौदों की लेटलतीफी पर चिंता जताई है, तो यह कोई सामान्य टिप्पणी या सरोकार नहीं है। सीआईआई के बिजनेस समिट में वायुसेना प्रमुख ने कहा कि ऐसा कोई रक्षा प्रोजेक्ट नहीं है, जो तय समय पर पूरा हुआ हो। जब रक्षा सौदों के करार पर दस्तखत किए जाते हैं, तब जानकारी होती है कि यह प्रोजेक्ट समय पर पूरा नहीं होगा, लेकिन फिर भी हस्ताक्षर कर दिए जाते हैं। यहीं से पूरी प्रक्रिया बिगड़ जाती है। एयर चीफ मार्शल ने यहां तक संकेत दिए हैं कि इसी से युद्ध की तैयारियां प्रभावित होती हैं। वायुसेना प्रमुख ने यह खुलासा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और रक्षा सचिव आरके सिंह की उपस्थिति में किया है, जाहिर है कि यह चिंता एक बार फिर प्रधानमंत्री मोदी तक पहुंचेगी। प्रधानमंत्री और वायुसेना प्रमुख की रूबरू मुलाकातें भी होती रही हैं। उनमें भी यह मुद्दा उठा होगा। हमारी वायुसेना लड़ाकू विमानों, हेलीकॉप्टर और अन्य रक्षा-उपकरणों का संकट और समयहीनता उस परिदृश्य में झेल रही है, जब चीन ने पाकिस्तान को 5वीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान जे-35 ए देने की घोषणा की है। चीन ऐसे 30-35 विमान पाकिस्तान को मुहैया कराएगा, जबकि भारतीय सेना के पास 5वीं पीढ़ी का एक भी लड़ाकू विमान नहीं है। दुश्मन को कमतर नहीं आंकना चाहिए। वायुसेना प्रमुख का यह रहस्योद्‌घाटन तब सार्वजनिक हुआ है, जब भारत की वायुसेना 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान में आतंकियों के बड़े अड्डे 'मिट्टी-मलबा' कर चुकी है, करीब 170 आतंकियों को ढेर कर चुकी है और कई प्रमुख एयरबेस, रडार और एयर डिफेंस सिस्टम तबाह कर चुकी है। 'ऑपरेशन सिंदूर' हमने अपनी वायु-शक्ति की बदौलत ही जीता है, लिहाजा वायुसेना प्रमुख की ये चिंताएं बेहद गंभीर हैं। चीफ मार्शल पहले भी फरवरी, 2025 में एक ट्रेनर जेट के कॉकपिट में बैठे हुए कह चुके हैं कि उन्हें हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स (एचएएल) पर भरोसा नहीं है। एचएएल मिशन मोड में काम नहीं कर रही है। बहरहाल अब उन्होंने निजी क्षेत्र की कंपनियों को आगे आने का आह्वान किया है। भारत में 21 निजी कंपनियां रक्षा-उत्पादन के क्षेत्र में सक्रिय हैं, जबकि सरकारी नेतृत्व की 16 सार्वजनिक कंपनियां भी जुड़ी हैं। इस क्षेत्र में कुल 430 अन्य कंपनियों के अलावा सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यम 16,000 से अधिक हैं, जो रक्षा-उपकरणों के कल-पुरजे बनाते हैं। इतना व्यापक क्षेत्र होने के बावजूद हमारे लड़ाकू विमान लेटलतीफी के शिकार हैं, जाहिर है कि कारण असामान्य ही होंगे। हालांकि एयर चीफ मार्शल ने न तो किसी प्रोजेक्ट विशेष और न ही कंपनी का नाम लिया, लेकिन यह समयहीनता हमें भारी पड़ सकती है। कुछ उदाहरण गौरतलब हैं। तेजस एमके 1ए हल्के लड़ाकू विमान मई, 2024 तक उपलब्ध होने चाहिए थे। 2021 में एचएएल के साथ 83 विमानों का अनुबंध किया गया था, लेकिन अभी तक एक भी नहीं मिल पाया है। इसी तरह तेजस के अन्य किस्म के विमान का अभी 'प्रोटोटाइप' भी नहीं बना है। 2026 तक ऐसे 200 विमान सप्लाई करने का करार किया गया था। विमानों की डिलीवरी में देरी का बुनियादी कारण 'जीई एयरोस्पेस कंपनी' का इंजन रहा है, जो स्वदेशी लड़ाकू विमानों में लगना है। वायुसेना ने एचएएल के साथ 70 एचटीटी-40 बेसिक ट्रेनर विमानों के लिए भी अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए थे। इस विमान को इसी साल सितंबर तक सेना में शामिल किया जाना है, लेकिन लेटलतीफी के कारण ऐसा संभव नहीं लगता। आज हम करीब 65 फीसदी रक्षा-उपकरणों का उत्पादन भारत में करते हैं। वायुसेना प्रमुख इतना ही पर्याप्त नहीं मानते। वह कहते हैं कि डिजाइन और डिवेलपमेंट भी भारत में ही होना चाहिए, लेकिन डीआरडीओ शोध और विकास की गति बढ़ाने में असमर्थता व्यक्त कर रहा है, क्योंकि उसे कुल रक्षा बजट का मात्र 5 फीसदी हिस्सा ही मिलता है। वायुसेना प्रमुख का मानना है कि कंपनियों और डीआरडीओ का आउटपुट आगामी 10 सालों में खूब बढ़ना चाहिए। जो आज करना है, उसे आज ही किया जाना चाहिए। हमें भविष्य की तैयारियों के लिए आज ही तैयार होना होगा।

सीआईआई के बिजनेस समिट में वायुसेना प्रमुख ने कहा कि ऐसा कोई रक्षा प्रोजेक्ट नहीं है, जो तय समय पर पूरा हुआ हो। जब रक्षा सौदों के करार पर दस्तखत किए जाते हैं, तब जानकारी होती है कि यह प्रोजेक्ट समय पर पूरा नहीं होगा, लेकिन फिर भी हस्ताक्षर कर दिए जाते हैं। यहीं से पूरी प्रक्रिया बिगड़ जाती है। एयर चीफ मार्शल ने यहां तक संकेत दिए हैं कि इसी से युद्ध की तैयारियां प्रभावित होती हैं। वायुसेना प्रमुख ने यह खुलासा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और रक्षा सचिव आरके सिंह की उपस्थिति में किया है, जाहिर है कि यह चिंता एक बार फिर प्रधानमंत्री मोदी तक पहुंचेगी। प्रधानमंत्री और वायुसेना प्रमुख की रूबरू मुलाकातें भी होती रही हैं। उनमें भी यह मुद्दा उठा होगा। हमारी वायुसेना लड़ाकू विमानों, हेलीकॉप्टर और अन्य रक्षा-उपकरणों का संकट और समयहीनता उस परिदृश्य में झेल रही है, जब चीन ने पाकिस्तान को 5वीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान जे-35 ए देने की घोषणा की है। चीन ऐसे 30-35 विमान पाकिस्तान को मुहैया कराएगा, जबकि भारतीय सेना के पास 5वीं पीढ़ी का एक भी लड़ाकू विमान नहीं है। दुश्मन को कमतर नहीं आंकना चाहिए।

आप का नजरिया

पालमपुर में जमीन की लूट

पहले पांव के नीचे से खींची जाती थी जमीं, अब जमीं के निशा पांव के नीचे दबाए जा रहे। पालमपुर के बनूरी पटवार सर्कल के तहत करीब सौ कनाल जमीन की अवैध खरीद फरोख्त ने सरकार की 'इंतकाल' सुधार योजना के सारे कौल छीन लिए है। भू राजस्व से जुड़े माफिया गिरोह की निगरानी में पूरी मशीनरी की कालिख न उतरती अगर वरिष्ठ पत्रकार रविंद्र सूद इस मामले की निशानदेही न करते। मामले के शिकार बीस परिवार हैं, जिनके नाम काश्तकारी के अधिकार वर्षों से जमीन पर हल जोत रहे हैं, लेकिन कमाल है जमीन को मापनेवालों और सरकारी रिकार्ड को संरक्षण देने वालों का कि अपनी अदालत, अपनी पैरवी और अपने स्वार्थ के खूंटे पर सारी ईमानदार परंपराएं टांग दी गईं। पालमपुर की जमीन पर डाका हो सकता है, तो यह सारे राज्य के चरित्र का लेखा जोखा है। ऐसे मामलों को कुरेदेंगे, तो माफिया के सरगना हर दफ्तर, हर पटवार सर्कल और हर खरीद फरोख्त की मंशा में मिलेंगे। हिमाचल में लैंड सीलिंग एक्ट की अनुशंसा के बाद राजस्व विभाग की प्रयोगशाला में सबसे अधिक विसंगतियों ने जन्म लिया है। पालमपुर मामले में विभागीय अनुसंधान और मिलीभगत के इंतजाम एक अंग्रेज भू स्वामी टी जे ग्लींसल तक पहुंच जाते हैं। मामला 1965 में पैत्रिक उत्तराधिकारों में उनकी बेटी रोजना सर्राफा तक को खोज लाता है और उन्हें कागजों में जिंदा किया जाता है। इस अपराध की कई परतें, करतूतें और चेहरे हैं, जो विभागीय आलमगीर को खोज रहे हैं। दरअसल हिमाचल में भूमि का बाजार मूल्य निरंतर बढ़ रहा है और यह भी कि प्रदेश की जमीन खरीद फरोख्त करते-करते कई नए जागीरदार बन के उभरे हैं। ये जागीरदार राजस्व विभाग, प्रशासन, सियासत और सत्ता तक अपनी पहुंच का प्रदर्शन करते हुए, जल, जंगल और जमीन तक अपना वर्चस्व दिखा रहे हैं। जमीन बिक्री के सौदों से पहले लगने वाली शाखाओं में कई चेहरे अपनी हुकूमत का असर रखते हैं और यही लोग अब हिमाचल के नए क्षत्रप हैं। विकास की हर प्रोपोजल की अब एक नई जमींदारी है। यहां कोई मेडिकल कालेज बनता नहीं है, बल्कि साथ लगते खेत खरीददारी के चरागाह बनते हैं। पालमपुर जमीन बिकवाली के सूत्रधार भले ही राजस्व विभाग की वर्दी में नजर आएं, लेकिन ये वही हैं जो पहले चाय बागीचों की हरियाली को बेचते आए हैं। ये वही हैं जो वर्षों से पूरे हिमाचल को नई नियमावलियों के तहत बेचते आए हैं। हिमाचल में जमीन का बाजार हमेशा से गर्म होता आ रहा है, लेकिन यहां खरीददार सामान्य व्यक्ति नहीं है। हिमाचल की मिलकीयत में कई जागीरदार हैं। यह भ्रष्टाचार का विकास है, जिसकी पैमाइश जमीन पर हो रही है। हम यह नहीं कहते कि पालमपुर जमीन प्रकरण कोई नया एहसास है, लेकिन उन खामोशियों से शिकायत है जो ऐसे विषयों पर सचेत नहीं होतीं। हिमाचल में लैंड रिफॉर्म के बाद नए 'राजा जी' पैदा हुए हैं। यहां धारा 118 के बावजूद खेत हलाल हुए हैं। मुजारा कानून के बाद खेती की जमीन घटी है, तो इससे सामाजिक चरित्र का दोहरापन भी सामने आ रहा है। ऐसे में जबकि खेत में सेंध लगाने वाले माफिया की पकड़ मजबूत हो रही है, तो पालमपुर प्रकरण की परतें खुलनी चाहिएं। अगर तसल्ली से छानबीन हो तो हिमाचल के हर शहर से गांव तक राजस्व विभाग की खूंटियों में ऐसे विवाद टंगे होंगे। हम घर-दुकान के लिए अब खेत की टहनियां नहीं मरोड़ रहे, बल्कि जमीन के सौदों से निकलते कई अधिकारी, नौकरशाह, राजनेता और चुनाव देखे जा सकते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में पहले तो पति की सजा बरकरार रखी थी लेकिन सजा के अमल पर रोक लगाकर एक कमेटी का गठन कर दिया था

सुप्रीम कोर्ट -किशोरों के बीच सहमति के संबंधों में पोक्सो एक्ट के तहत जेल क्यों?

रामस्वरूप रावतसरे

केंद्र सरकार से कहा है कि किशोरों के बीच सहमति से बनने वाले प्रेम-संबंधों को अपराध की श्रेणी से बाहर करने और देश में यौन व प्रजनन स्वास्थ्य शिक्षा (सेक्स एजुकेशन) की नीति बनाने पर विचार करना चाहिए। ऐसा इसलिए ताकि किशोरों को प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेंसेज (पोक्सो) एक्ट के तहत जेल न जाना पड़े। एक मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने सरकार को इस मुद्दे पर एक विशेषज्ञ समिति बनाने और 25 जुलाई 2025 तक रिपोर्ट देने को कहा। कोर्ट ने यह भी कहा कि वह इस रिपोर्ट के आधार पर आगे के निर्देश देगा। यह पूरा मामला पश्चिम बंगाल की एक महिला की कानूनी लड़ाई से शुरू हुआ। इस महिला के पति को पोक्सो एक्ट के तहत 20 साल की जेल हुई थी क्योंकि जब वह 14 साल की थीं, तब उनके बीच सहमति से रिश्ता था।

सुप्रीम कोर्ट ने एक प्रकरण की सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार से कहा है कि किशोरों के बीच सहमति से बनने वाले प्रेम-संबंधों को अपराध की श्रेणी से बाहर करने और देश में यौन व प्रजनन स्वास्थ्य शिक्षा (सेक्स एजुकेशन) की नीति बनाने पर विचार करना चाहिए। ऐसा इसलिए ताकि किशोरों को प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेंसेज (पोक्सो) एक्ट के तहत जेल न जाना पड़े। एक मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने सरकार को इस मुद्दे पर एक विशेषज्ञ समिति बनाने और 25 जुलाई 2025 तक रिपोर्ट देने को कहा। कोर्ट ने यह भी कहा कि वह इस रिपोर्ट के आधार पर आगे के निर्देश देगा। यह पूरा मामला पश्चिम बंगाल की एक महिला की कानूनी लड़ाई से शुरू हुआ। इस महिला के पति को पोक्सो एक्ट के तहत 20 साल की जेल हुई थी क्योंकि जब वह 14 साल की थीं, तब उनके बीच सहमति से रिश्ता था। महिला अपने पति को बचाने के लिए सुप्रीम कोर्ट पहुँची। इस मामले को देखते हुए कोर्ट ने दो वरिष्ठ महिला वकीलों, माधवी दीवान और लिज मैथ्यू, को इस संवेदनशील मुद्दे पर सलाह देने के लिए नियुक्त किया। इन वकीलों ने कहा कि पोक्सो एक्ट का मकसद बच्चों को यौन शोषण से बचाना है लेकिन किशोरों के बीच सहमति वाले रिश्तों में इसका सख्ती से लागू करना कई बार गलत नतीजे देता है। इससे न सिर्फ किशोरों को, बल्कि उनके परिवारों को भी नुकसान होता है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में पहले तो पति की सजा बरकरार रखी थी लेकिन सजा के अमल पर रोक लगाकर एक कमेटी का गठन कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट की 'न्यायमित्र' कमेटी ने कुछ महत्वपूर्ण तथ्य सामने रखे जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने महिला के पति की सजा खत्म कर दी। इस फैसले के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने बेहद लचीला रुख अपनाया। सुप्रीम कोर्ट ने महिला के संघर्षों, उसके भविष्य, दोनों के बच्चे और उनके साथ रहने को भी अपने फैसले में शामिल किया। इस मामले के बाद ही सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से इस अहम मुद्दे पर सोच विचार करने के लिए कहा है। जानकारी के अनुसार सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा कि पोक्सो एक्ट के तहत 18 साल से कम उम्र के किशोरों के बीच सहमति से बने रिश्तों को अपराध न माना जाए। कोर्ट ने सरकार से कहा कि वह इस मुद्दे की जाँच के लिए एक विशेषज्ञ समिति बनाए। इस समिति में महिला और बाल विकास मंत्रालय के सचिव, वरिष्ठ सरकारी अधिकारी और कुछ विशेषज्ञ शामिल हों। कोर्ट ने यह भी कहा कि समिति में टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज (टीआईएसएस) की डॉ. पेखम बसु, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट जयिता साहा, और दक्षिण 24 परगना के जिला सामाजिक कल्याण अधिकारी संजीब रक्षित को स्थायी सदस्य के तौर पर शामिल किया जाए। समिति को इस मुद्दे पर विचार करके 25 जुलाई 2025 तक अपनी रिपोर्ट देनी होगी। कोर्ट ने यूनेस्को की एक रिपोर्ट का हवाला दिया, जिसमें कहा गया कि भारत में यौन शिक्षा सिर्फ सेकेंडरी स्कूलों में दी जाती है, और वह भी बहुत सीमित तरीके से। कोर्ट का कहना है कि अगर किशोरों को सही समय पर यौन और प्रजनन स्वास्थ्य की जानकारी दी जाए तो वे अपने फैसलों के कानूनी और सामाजिक परिणामों को बेहतर

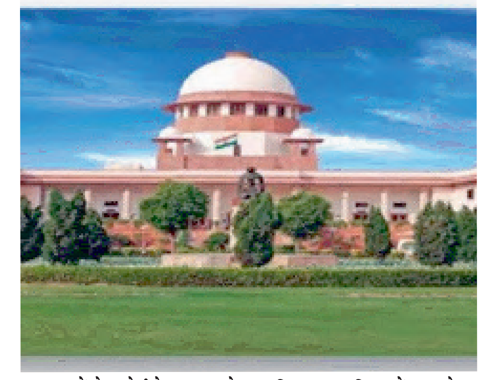

समझ सकेंगे। कोर्ट ने सरकार से कहा कि वह इस दिशा में एक ठोस नीति बनाए। इस दरम्यान सुप्रीम कोर्ट ने कई हाई कोर्ट्स के फैसलों का जिक्र किया, जो इस मुद्दे पर पहले ही संवेदनशील रुख अपना चुके हैं। कोर्ट ने खास तौर पर दिल्ली, मद्रास और कलकत्ता हाई कोर्ट के फैसलों का उल्लेख किया है। मद्रास हाई कोर्ट ने कई मामलों में कहा कि पोक्सो एक्ट का मकसद सहमति वाले रिश्तों को अपराध बनाना नहीं था। कोर्ट ने यह भी माना कि सहमति वाले रिश्तों में 'पेनेट्रेटिव सेक्सुअल असॉल्ट' की परिभाषा लागू नहीं होनी चाहिए क्योंकि इसमें 'हमला' जैसी कोई बात नहीं होती। 2001 में भी मद्रास हाई कोर्ट ने सुझाव दिया था कि ऐसे रिश्तों को सजा से बचाने के लिए कानून में बदलाव करना चाहिए। कलकत्ता हाई कोर्ट के अनुसार पोक्सो एक्ट में 'पेनेट्रेशन' को एकतरफा हरकत माना गया है यानी इसे सिर्फ आरोपित की हरकत माना जाता है लेकिन सहमति वाले रिश्तों में यह जिम्मेदारी सिर्फ एक पक्ष पर नहीं डाली जा सकती। दिल्ली हाई कोर्ट ने फरवरी 2024 में एक लड़के को राहत देते हुए उसके खिलाफ पोक्सो का मामला रद्द कर दिया। कोर्ट ने कहा कि कानून का मकसद शोषण और दुरुपयोग को रोकना है, न कि प्रेम को सजा देना। कोर्ट ने यह भी कहा कि प्रेम एक बुनियादी मानवीय अनुभव है और किशोरों को भी सहमति से भावनात्मक रिश्ते बनाने का हक है बशर्ते उसमें कोई दबाव या शोषण न हो। उच्च न्यायालयों ने यह भी माना कि अगर ऐसे मामलों में कानूनी कार्रवाई की जाए, तो इससे पीड़ति (लड़की) और उसके परिवार को भी नुकसान हो सकता है। कई बार ऐसे मामलों को रद्द किया, जहाँ आगे कार्रवाई करना पीड़ति के लिए ही हानिकारक था। दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने बीते साल एक मामले की सुनवाई करते हुए कहा था कि ज्यादातर लोग इस बात से अनजान हैं कि सहमति की उम्र (एज ऑफ कंसेंट) को 2012 में 16 साल से बढ़ाकर 18 साल कर दिया गया है। इस अनजानपन की वजह से कई किशोर अनजाने में कानून तोड़ रहे हैं। पोक्सो एक्ट के तहत अगर कोई 18 साल से कम उम्र के व्यक्ति से यौन संबंध बनाता है तो उसे अपराध माना जाता है, भले ही वह सहमति से हो। इसके अलावा कोर्ट ने माना कि किशोरावस्था में हार्मानल और जैविक बदलावों की वजह से लड़के-लड़कियाँ रिश्तों की ओर आकर्षित होते हैं। ऐसे में उन्हें सजा देने के बजाय, उनके माता-पिता और समाज को उनका समर्थन और मार्गदर्शन करना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि किशोरों के फैसलों को बड़ों के नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए क्योंकि इससे उनके प्रति सहानुभूति की कमी हो सकती है। सुप्रीम कोर्ट की सलाह से साफ है कि पोक्सो एक्ट और यौन शिक्षा को लेकर कुछ बदलाव जरूरी हैं। जैसे सहमति वाले रिश्तों को अपराध की श्रेणी से बाहर करने के लिए पोक्सो एक्ट में बदलाव की जरूरत है। खासकर 16-18 साल के किशोरों के मामले में कानून को और संवेदनशील करना होगा। स्कूलों में यौन और प्रजनन स्वास्थ्य शिक्षा को अनिवार्य करना चाहिए। इससे किशोरों को अपने शरीर, रिश्तों, और कानूनी सीमाओं की सही जानकारी मिलेगी। समाज को किशोरों के रिश्तों को अपराध की तरह देखने के बजाय, उन्हें समझने और समर्थन देने की जरूरत है। सुप्रीम कोर्ट की यह सलाह किशोरों के हितों को ध्यान में रखते हुए एक बड़ा कदम बताया जा रहा है। पोक्सो एक्ट जरूरी है लेकिन इसका गलत इस्तेमाल किशोरों और उनके परिवारों को नुकसान पहुँचा सकता है। सहमति वाले रिश्तों को अपराध की श्रेणी से बाहर करने और यौन शिक्षा की नीति बनाने से न सिर्फ किशोरों को सही दिशा मिलेगी, बल्कि समाज में यौन शोषण के खिलाफ लड़ाई भी मजबूत होगी। जानकारों के अनुसार सुप्रीम कोर्ट की सलाह को देखें तो ये पश्चिमी देशों की व्यवस्थाओं, सामाजिक बुनियादों, स्वच्छंदता, अपराधिक माइंडसेट जैसे नजरियों को ध्यान में रख रहा है। माननीय सुप्रीम कोर्ट को इन मुद्दों पर भारत की व्यापकता को देखना होगा क्योंकि पश्चिमी समाजों में जो नियम चल सकते हैं, वे भारत में भारी नुकसान पहुँचा सकते हैं। भारत में पहले से ही जबरन बाल विवाह, नाबालिग लड़कियों की निकाह, शादी के नाम पर मानव तस्करी और धर्म परिवर्तन के लिए ग्रूमिंग जैसी गंभीर समस्याएँ हैं। अगर किशोरों के बीच सहमति वाले यौन संबंधों को अपराध की श्रेणी से बाहर कर दिया गया तो ये एक कानूनी खामी बन सकती है जिसका गलत लोग फायदा उठा सकते हैं। पोक्सो एक्ट का मकसद प्रेम को रोकना नहीं है लेकिन इसे इसलिए भी बनाया गया था ताकि बड़े लोग नाबालिग लड़कियों के साथ 'किशोर प्रेम' के नाम पर शादी या रिश्ते बनाकर उनका शोषण न करें। कई बार निकाह का रास्ता अपनाकर पोक्सो एक्ट से बचा जाता है। उदाहरण के लिए, जून 2022 में पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट ने शरिया का हवाला देकर कहा था कि 16 साल की मुस्लिम लड़की निकाह के लिए योग्य है। क्या ऐसी नरमी तस्करों और शोषण करने वालों को और हिम्मत नहीं देगी जो पहले से ही सिस्टम का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं? राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के पूर्व चेयरमैन प्रियंक कानूनगो ने इस मुद्दे कहा है कि नाबालिग अपनी सरकार नहीं चुन सकते, उन्हें वोट देने का अधिकार भी नहीं है। क्या हम उनसे यह उम्मीद कर रहे हैं कि वे अपने यौन साथी को समझदारी से चुनें? सावधान रहें, इससे नाबालिग लड़कियों के साथ निकाह और बाल विवाह के अन्य रूपों को वैधता मिल सकती है। दरअसल, यह सिर्फ कानूनी भाषा का मामला नहीं है बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक जटिलताओं का भी सवाल है।

देश दुनिया से

तो सेना अलगः सरकार अलग!

दिनांक 6-7 मई की रात्रि पाकिस्तानी आतंकी अड्डो पर एयर स्ट्राइक किये जाने और बाद में पाकिस्तान के साथ खुले युद्ध में भारतीय सेना ने अनुपम शौर्य और कुशल रणनीति का परिचय दिया जिसके चलते पाकिस्तान में अधिकांश हवाई अड्डे तबाह हो गये, उसकी रक्षा प्रणाली एक तरह से ध्वस्त हो गई। दूसरी तरफ उसकी तरह से किये गये ड्रोन और मिसाइल हमलों को बेकार कर दिया गया। इसे लेकर सेना के समर्थन में कांग्रेस पार्टी एक तरफ जयहिंद यात्रा निकाल रही है तो दूसरी तरफ मोदी सरकार पर हमले कर रही है। विपक्ष के नेता राहुल गांधी आये दिन सरकार से इस सम्बन्ध में तरह-तरह के सवाल पूछ रहे हैं। कह रहे हैं कि बताओं कितने लड़ाकू विमान नष्ट हुये जबकि दुनिया भर के विशेषज्ञ यह कह रहे हैं कि इस छोटे से युद्ध में भारत ने जो कमाल दिखाया है तो उसकी शक्ति का लोहा पूरी दुनिया मान रही है। इसके पूर्व जब 2016 में भारतीय सेना ने उरी में स्ट्राइक और 2019 में बालाकोट में एयर स्ट्राइक की, तब भी कांग्रेस समेत विपक्ष का रवैया यही था कि जो कुछ किया है, भारतीय सेना ने किया है, भला सरकार का इसमें क्या श्रेय। यह बात और है कि ये लोग तब भी सरकार से स्ट्राइक का प्रमाण भी माँग रहे थे। ऐसी स्थिति में बड़ा सवाल यह कि क्या सेना और सरकार इस तरह से अलग है कि उनके बीच कोई सम्बन्ध ही नहीं है। वस्तुतः सेना सरकार का ही एक अंग है जो सरकार के रक्षा मंत्रालय के अधीन काम करती है। गौर करने की बात यह है कि क्या वगैर राजनीतिक नेतृत्व के सेना कोई बड़ा निर्णय या कदम उठा सकती है। यह इससे समझा जा सकता है कि जब वर्ष 2008 में मुम्बई में 26/11 हुआ, तब सेना पाकिस्तान से दो-दो हाथ करना चाहती थी जिसे लेकर अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति जार्ज बुश ने लिखा है कि मनमोहन सरकार ने सेना को पाकिस्तान के विरूद्ध कोई कदम उठाने की छूट इसलिये नहीं दी कि इससे हिन्दू राष्ट्रवाद की भावना का विस्तार होगा जिसका लाभ भाजपा को मिलेगा। यहाँ तक कि पाकिस्तानी भारतीय सैनिकों का सिर काट ले जाते थे पर भारत सरकार के रवैये के चलते यूपीए के दौर में सेना कुछ नहीं कर पाती थी. यदि सेना ही ऐसे मामलों में सब कुछ होती तो 1962

में जब चीन-भारत में युद्ध हुआ और भारतीय सेना के पास अस्त्रों का अभाव तो था ही, पैरों में पहनने के लिये सही जूते तक नहीं थे क्योंकि तब नेहरू सरकार सेना को मजबूत करने के बजाय पंचशील के कबूतर उड़ा रहे थे। सरकार के इस उदासीन रवैये के चलते भारतीय सेना को कितनी शर्मनाक पराजय मिली थी, यह सभी को पता है। यूपीए शासन के दौर में सेना के पास बुलेट प्रूफ जैकेट तक नहीं होती थी। राफेल विमानों की खरीदी को लेकर तब के रक्षामंत्री एन्टोनी ने संसद में कह दिया था कि राफेल लड़ाकू विमानों के खरीदने के लिये सरकार के पास रूपये नहीं हैं। ऐसी स्थिति में सेना सफलतापूर्वक कैसे कोई अभियान चला सकती या युद्ध लड़ सकती थी। आखिर राफेल विमानों के दम पर ही पाकिस्तान की सीमा पर प्रवेश किये वगैर ही आतंकवादी अड्डो पर एयर स्ट्राइक कर दी गई। इस मामले में कांग्रेस पार्टी का रवैया पूरी तरह दोहरे मापदण्ड वाला है। 1971 में जब भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध हुआ और पूर्वी पाकिस्तान की जगह स्वतंत्र बांग्लादेश का निर्माण हुआ तो इस पैमाने के आधार पर कांग्रेस पार्टी को इसका श्रेय सेना को देना चाहिए था लेकिन तब इसका श्रेय न तो सेना को न तब के रक्षा मंत्री और यहाँ तक कि इंदिरा सरकार को भी नहीं दिया गया था। इसका एक मात्र श्रेय श्रीमती इंदिरा गांधी को दिया गया था और यह कहा गया कि श्रीमती इंदिरा गांधी ने इतिहास का नहीं, भूगोल भी बदल दिया है। निश्चित रूप से ऐसे संवेदनशील एवं राष्ट्र से जुडे मामलों में भी कांग्रेस पार्टी का रवैया पूरी तरह से अंध विरोध का रहता है। लोगो को यह भी पता होगा कि वर्ष 1999 में करगिल युद्ध के दौरान तब की कांग्रेस पार्टी की अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी ने कहा था- ''वाजपेयी सेनाओं को कटवा रहा है। ऐसी बातों से जहाँ सेनाओं का मनोबल गिरता है तो दूसरी तरफ विश्व-फलक पर पाकिस्तान ऐसी बातों का उपयोग करता है। बड़ी बात यह कि यूपीए शासन के दौर की तरह सेना को कोई छूट ही नहीं दी गई, उसके हाँथ बंद रखे गये तो सेना क्या कर लेगी जबकि मोदी सरकार ने सेना को हाथ खोलने की खुली छूट दी। दूसरी तरफ ऐसे मामले में भाजपा का रवैया पूरी तरह अलग रहता है।

कुछ अलग

ईमानदारी का सर्टिफिकेट

दोस्तो! देश में ईमानदार कौन और भ्रष्टाचारी कौन, इस चर्चा के बीच में भी चर्चा में आ गया हूं। जिधर देखो, उधर मेरी ही चर्चा हो रही है। लोग महंगाई भूल गए हैं। अपनी परेशानियां भूल गए हैं। पति पत्नी एक दूसरे को ताने मारना भूल गए हैं। सबका फोकस मेरी ईमानदारी पर हो गया है। मैंने काम ही ऐसा किया है कि जो कोई नहीं कर सका, वह मैंने कर दिया है। मैंने अपने आपको खुले मंच से अपने ही हाथों ईमानदारी का सर्टिफिकेट प्रदान कर दिया है और बड़े अदब के साथ उस सर्टिफिकेट को ग्रहण भी कर लिया है और अपने ड्राइंग रूम में एक बड़ी से चमचमाती फ्रेम में सजा लिया है। अब जो भी कोई मेरे घर आएगा, सबसे पहले उसकी नजर इस सर्टिफिकेट पर पड़ेगी और वह मुझ पर बलिहारी हो जाएगा। अब समारोह कब हुआ, कौनसा मंच था, यह भी बता देता हूं। पूरा सीन आपके सामने क्रिएट कर रहा हूं। स्थान : घर के पिछवाड़े में लगा नीम का वह ऐतिहासिक पेड़, जिसके नीचे गांधी जी कभी मुस्कुराए थे। समय : दोपहर 1.30 बजे, आयोजक, मुख्य अतिथि, वक्ता और दर्शक सिर्फ मैं ही मैं था क्योंकि कोई दूसरा इस काबिल नहीं मिला। मैंने खुद को 'ईमानदारी का सर्टिफिकेट' प्रदान किया। बड़ी सादगी से, नीम के पेड़ के नीचे। न फूलमाला, न कोई मंच। बस मैं, मेरी सादगी, और मेरी महानता का दस्तावेज़। कार्यक्रम का आरंभ मैंने खुद के संबोधन से किया, 'मेरे जैसा कोई नहीं। मैंने कभी घर के लिए दफ्तर की स्टेपलर तक नहीं उठाई। कभी चाय की प्याली सरकारी फाइल के साथ नहीं जोड़ी। कोई बंद लिफाफे में पैसे थमा गया तो उसे भगवान का आशीर्वाद समझ कर ले लिया। रिश्वत नहीं मांगी। रिश्वत मांगना पाप होता है। मैं यह पाप नहीं करता, क्योंकि ईमानदारी मेरी नस-नस में है। जब देश सोता है, तब भी मेरी ईमानदारी एक सजग चौकीदार की तरह जागती रहती है।' अब आप जानना चाहेंगे आगे क्या हुआ। अभी सीन खत्म नहीं हुआ है। मंच सजा हुआ था। उसके पीछे 'ईमानदारी जिंदा है' का बहुत बड़ा बैनर लगा हुआ था। इसके अलावा एक और आकर्षण भी था और वह था, मेरा खुद पर लिखा गीत : 'मैं ईमानदार, तू बेईमान, मेरे जैसा नहीं कोई इनसान!' स्वर मैंने दिया, तबला मैंने बजाया, और ताली मैंने ही बजाई। तालियों की गूंज इतनी थी कि पड़ोसियों ने पंखा बंद कर दिया, उन्हें लगा कहीं कुछ बड़ा हो रहा है। पत्रकारिता का पहलू भी मैंने नहीं छोड़ा। मोहल्ले के चार पत्रकार बुलाए जो अक्सर शादी-ब्याह में भी रिपोर्टिंग कर लेते हैं। मुझे ऐसे ही पत्रकार पसंद हैं जो सवाल न पूछें। आएं खाए पीएं और प्रेस नोट लेकर चलते बने। उन्हें मैंने प्रेस रिलीज दी : 'ईमानदारी के अंतिम स्तंभ से मिलिए।' उन्होंने पूछा नहीं, बस लिखा। खैर छोड़ो, ऐसे लोगों से हमें क्या लेना देना।

दृष्टि कोण

हमारे शूरवीर जवानों ने दिखाया पराक्रम

भारत का यह दुर्भाग्य रहा कि आजादी के तुरंत बाद उसे न केवल विभाजन की त्रासदी से गुजरना पड़ा, बल्कि आतंकवाद और उग्रवाद का सामना करना पड़ा जो अब जाकर किसी हद तक नियंत्रण में आता दिख रहा है। जम्मू-कश्मीर पर कब्जे की कोशिश में लगे पाकिस्तान ने वहां आतंकवाद की लहर पैदा कर दी थी जिसका असर पूरे देश पर पड़ता रहा। केन्द्र सरकार की पहल पर संसद ने वहां से 5 अगस्त 2019 को धारा 370 खत्म करने को मंजूरी दी। तब केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इसे ऐतिहासिक भूल को ठीक करने वाला ऐतिहासिक कदम कहा था। इसके साथ ही इस चर्चा पर विराम लगा दिया कि विवाद का विषय है। उसके बाद से यह भारत का अभिन्न अंग है। लेकिन पाकिस्तान है कि आतंकवाद के जरिए वहां अशांति फैलाना चाहता है। इसी क्रम में वहां आतंकवादियों के गिरोह भेजे जाते रहे हैं जिनका मुकाबला हमारे सुरक्षाकर्मी बहादुरी से कर रहे हैं। पहलगाम में इन आतंकवादियों ने जिस तरह निहत्थे और मासूम लोगों पर गोलियां बरसाईं, उसके बाद सुरक्षा बलों ने कठोर कार्रवाई करते हुए जल्दी ही छह आतिकियों को मौत के घाट उतार दिया। वहां सीमा पार से आने वाले आतंकियों को निबटाने में हमारी सेना के अलावा अर्धसैनिक बलों सीमा सुरक्षा बल, सीआरपीएफ और आईटीबीपी का महत्वपूर्ण योगदान रहता है। लेकिन हमारे अर्धसैनिक बलों ने जो पराक्रम नक्सलियों के खिलाफ दिखाया है, वह उनके जज्बे और बलिदान का साक्षी है। सीआरपीएफ और यहां तक कि बीएसएफ ने भी छत्तीसगढ़, उड़ीसा, झारखंड, महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश में कई ऑपरेशन किए। लेकिन असली लड़ाई 2019 के बाद शुरू हुई जब गृह मंत्री अमित शाह ने सुरक्षा बलों को न केवल खुला हाथ दिया बल्कि आधुनिकतम हथियार, सुविधाएं, संचार साधन और अतिरिक्त बलों की व्यवस्था करवाई। नक्सलियों के पास कई तरह के हथियार थे, उन्हें उन इलाकों के चप्पे-चप्पे का ज्ञान है और वे घात लगाकर हमले करने में सिद्धहस्त रहे हैं। सुरक्षा बलों के हमारे जवान जो उन इलाकों में ऑपरेशन करने जाते हैं, घनघोर जंगलों में लड़ते हैं, जहां सुरक्षा बलों के लिए रास्ते दुर्गम हैं और ऊंची-नीची पहाडियां कठिनाइयां पैदा करती हैं। नक्सली सुरक्षा बलों की हर मूवमेंट पर नजर रखते थे और उसी के अनुसार आईईडी का विस्फोट करके हमले करते थे। ऐसे ही एक हमले में सैकड़ों नक्सलियों ने सीआरपी के 76 जवानों की जान ले ली थी। उन बहादुर जवानों को लडने का जरा भी मौका नहीं मिला और उन पर घातक हथियारों से भयानक हमला हुआ। लेकिन अब बाजी पलट गई है और केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने जो बड़े कदम उठाए, उसका असर साफ दिखने लगा है। नक्सलियों का खात्मा होने लगा है। आधुनिक हथियारों, आधुनिक संचार व्यवस्था, बेहतर सुविधाएं, हेलीकॉप्टरों की उपलब्धता, चौकियों की संख्या में भारी वृद्धि और तमाम सुविधाएं देकर उन्हें शक्तिशाली बनाया जिससे उन्होंने अपने शौर्य तथा वीरता से नक्सलियों के छक्के छुड़ा दिए। इसका सबसे बड़ा उदाहरण इसी मई महीने में छत्तीसगढ़-तेलांगना सीमा पर स्थित कारेगेट्टालु पर्वतों पर 31 दुर्दांत नक्सलियों को 21 दिनों के जबर्दस्त संघर्ष के बाद मार गिराया जिन पर कुल पौने दो करोड़ रुपए के इनाम थे। उनके पास आधुनिकतम हथियार जैसे एसॉल्ट राइफलें वगैरह थे। यह मुकाबला इसलिए भी बहुत मायने रखता था कि 45 डिग्री तापमान में सुरक्षा बलों ने घने जंगलों और कंदराओं के इर्द-गिर्द अपना ऑपरेशन चलाया। सैकड़ों गुफाओं के अंदर क्या है, यह जानना मुश्किल था लेकिन उन्होंने बहादुरी से मुकाबला किया। दरअसल यह जगह नक्सली ऑपरेशन का मुख्यालय था जहां से चारों ओर फैले नक्सलियों को निर्देश दिया जाता था। वहां पर सुरक्षा बलों को 450 आईईडी, 818 बीजीएल शेल, सैकड़ों देसी हथियार तथा बड़े पैमाने पर डेटोनेटर मिले। वहां पर सुरक्षा बलों को 12 हजार किलो अनाज तथा भारी मात्रा में दवाएं भी मिलीं। यहां से ही नक्कसलियों के तमाम अड्डों पर अनाज तथा दवाइयों की आपूर्ति की जाती थी। नक्सलियों के इस विशाल मुख्यालय का पता लगाकर नष्ट कर देना हमारे बहादुर जवानों के धैर्य, समर्पण और संकल्प का ज्वलंत प्रतीक है। इस ऑपरेशन में आईईडी विस्फोटों में कोबरा, एसटीएफ और डिस्ट्रिक्ट गार्ड के 18 जवान जख्मी हो गए थे जिन्हें हेलीकॉप्टरों की मदद से अस्पतालों में पहुंचाया गया। 21 दिनों के इस सफल ऑपरेशन को अब तक का सबसे बड़ा नक्सल निरोधी अभियान माना जा रहा है जिसकी पीएम मोदी ने खुलकर सराहना की। उन्होंने कहा कि देश को इन बहादुर जवानों पर गर्व है। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी जवानों की वीरता की तारीफ की।

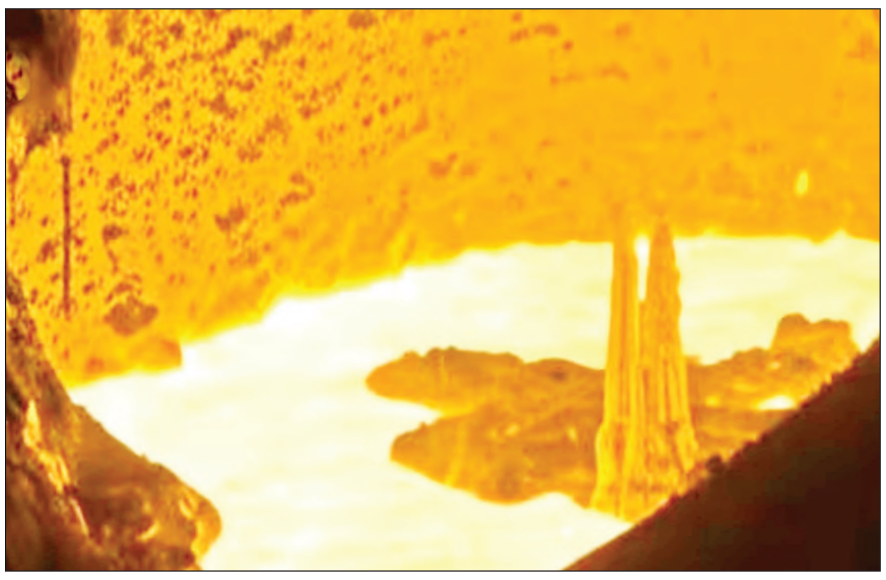

पृथ्वी का सबसे गहरा हिस्सा कोर जहां से लीक हो रहा सोना व अन्य कीमती धातुएं

हवाई, 01 जून (एजेंसियां) ।

पृथ्वी का कोर जो हमारे ग्रह का सबसे गहरा हिस्सा है, सोना और अन्य कीमती धातुएं लीक कर रहा है। पृथ्वी का 99.9 फीसदी सोना इसके केंद्र में छिपा है, जो हज़ारों किलोमीटर मोटी चट्टानों के नीचे है। एक नए अध्ययन से पता चला है कि कुछ धातुएं कोर से बाहर निकलकर पृथ्वी की सतह तक पहुंच रही हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वैज्ञानिकों ने हवाई द्वीप के ज्वालामुखी चट्टानों की जांच की। इनमें उन्हें रूथेनियम नाम की कीमती धातु मिली, जो सिर्फ़ पृथ्वी के कोर-मैन्टल सीमा से आ सकती है।

नए अध्ययन से हुआ खुलासा, कुछ धातुएं कोर से बाहर निकल सतह तक पहुंच रहीं

यह सीमा पृथ्वी की सतह से 2900 किलोमीटर नीचे है। एक वैज्ञानिक ने कहा कि हमें लगा जैसे हमने सचमुच सोना खोज लिया है। उन्होंने कहा कि पृथ्वी तीन मुख्य परतों से बनी है। क्रस्ट यह पृथ्वी की सबसे ऊपरी पतली परत है। मैन्टल यह बीच की परत है, जो चट्टानों से बनी है और ग्रह का सबसे बड़ा हिस्सा है। कोर यह पृथ्वी का वह केंद्र है, जिसमें दो हिस्से हैं- बाहरी कोर जो पिघली हुई धातुओं का समुद्र है। वहीं आंतरिक कोर जो ज्यादातर ठोस लोहे की गेंद है। कोर में सोना, रूथेनियम और अन्य कीमती धातुएं हैं, जो पृथ्वी के बनने के समय वहां जमा हुई थीं। वैज्ञानिकों ने हवाई के किलाउआ ज्वालामुखी की चट्टानों में रूथेनियम की जांच की। उन्होंने पाया कि यह रूथेनियम कोर से आया है, न कि मैन्टल से। इसका मतलब है कि कोर से कुछ धातुएं मैन्टल के रास्ते सतह तक पहुंच रही हैं। यह सोना और अन्य कीमती धातुएं जो हम आज खनन करते हैं, शायद कोर से ही आई हों। यह स्टडी बताती है कि पृथ्वी का कोर उतना अलग-थलग नहीं है, जितना पहले सोचा जाता था। कोर से गर्म चट्टानें और धातुएं मैन्टल के रास्ते ऊपर आ रही हैं। हवाई जैसे द्वीप इन्हीं गर्म चट्टानों के कारण बने हैं, जिन्हें मैन्टल प्लूम कहते हैं। यह प्लूम कोर-मैन्टल सीमा से शुरू होता है और सतह तक पहुंचता है, जिससे ज्वालामुखी बनते हैं। यह खोज न सिर्फ़ पृथ्वी के कोर के रहस्यों को खोलती है, बल्कि यह भी दिखाती है कि हमारे ग्रह का सोना और कीमती धातुएं कोर से सतह तक का लंबा सफर तय करती हैं।

न्यूज ब्रीफ

चीन के ऋण जाल में फंसे 75 देश, अब कर्ज चुकाने में निकल रहा दम

वाशिंगटन। दुनिया के कई गरीब देशों के लिए अब सिर्फ गरीबी नहीं, चीन का कर्ज भी संकट बनता जा रहा है। ऑस्ट्रेलिया के प्रतिष्ठित थिंकटैंक लॉय इंस्टीट्यूट ने एक रिपोर्ट प्रकाशित की है, जिसमें खुलासा हुआ हैं कि इस साल 75 सबसे गरीब देशों को चीन को रिकॉर्ड स्तर की कर्ज किस्त चुकानी है। रिपोर्ट के अनुसार, चीन ने इन गरीब देशों को कुल 35 अरब डॉलर से ज्यादा का कर्ज दे रखा है। ये कर्ज अब धीरे-धीरे आर्थिक सहयोग नहीं, बल्कि कूटनीतिक हथियार में बदल रहा है। रिपोर्ट में बताया कि ये देश अब उस मोड़ पर हैं, जहां उनकी अर्थव्यवस्थाएं स्थिर नहीं, बल्कि कर्ज चुकाने की चिंता में डूबती दिख रही हैं। रिपोर्ट बताती है कि इतनी बड़ी रकम वापस करना इन देशों की विकास योजनाओं को बुरी तरह प्रभावित कर सकता है। पिछले एक दशक में चीन ने दर्जनों देशों में इंफ्रास्ट्रक्चर, पावर प्रोजेक्ट और बंदरगाहों के लिए भारी निवेश किया। शुरुआत में यह निवेश आर्थिक सहयोग की तरह दिखा, लेकिन शर्तें इतनी सख्त थीं कि कई देश ऋण जाल में फंसते गए। श्रीलंका, जाम्बिया, पाकिस्तान और केन्या जैसे देशों के उदाहरण सामने हैं जहां चीन को कर्ज न चुका पाने के चलते रणनीतिक परिसंपत्तियों पर उसका कब्जा बढ़ा। श्रीलंका का हम्बनटोटा पोर्ट इसका उदाहरण है, इस 99 साल की लीज पर चीन को देना पड़ा।

मध्यपूर्व में शांति प्रयासों को झटकाः अमेरिकी दूत विटकॉफ ने हमास की प्रतिक्रिया को अस्वीकार्य बताया

वाशिंगटन/गाजा। गाजा संघर्ष के बीच चल रही संघर्षविराम वार्ताओं को लेकर अमेरिका ने हमास की

प्रतिक्रिया को पूरी तरह अस्वीकार्य करार दिया है। अमेरिका के मध्यपूर्व विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने हमास के ताजा जवाब पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, हमास की प्रतिक्रिया हमें पीछे ले जाती है। यह पूरी तरह अस्वीकार्य है। विटकॉफ ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर कहा, हमास को उस रूपरेखा को स्वीकार करना चाहिए जिसे हमने आगे बढ़ाने के लिए प्रस्तावित किया है, ताकि इस सप्ताह से ही प्रॉक्सिमिटी टॉक्स (परोक्ष वार्ता) शुरू की जा सके। विटकॉफ ने यह भी कहा कि प्रस्तावित 60 दिन के संघर्षविराम के भीतर आधे जीवित बंधकों और मृतकों के शवों की वापसी सुनिश्चित की जा सकती है। उन्होंने कहा, यह एकमात्र रास्ता है जिससे हम सार्थक और सद्भावनापूर्ण स्थायी संघर्षविराम तक पहुंचने के प्रयास कर सकते हैं। इससे पहले, हमास ने एक बयान में कहा था कि उसने संघर्षविराम प्रस्ताव के जवाब में कुछ संशोधन सुझाए हैं। हमास ने यह स्पष्ट किया कि उसका जवाब स्थायी संघर्षविराम, इजराइली सेना की पूर्ण वापसी और मानवीय सहायता की अबाध आपूर्ति की मांगों के दायरे में है। प्रस्ताव के तहत हमास 10 जीवित इजराइली बंधकों को रिहा करने और 18 शवों को सौंपने के लिए तैयार है, बशर्ते एक तय संख्या में फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा किया जाए।

गाजा में 13 मई को सिलसिलेवार एयरस्ट्राइक में मारा गया हमास नेता मुहम्मद सिनवारः आईडीएफ

तेल अवीव/गाजा। इजराइली रक्षा बल (आईडीएफ) ने पुष्टि की है कि बीते 13 मई को गाजा के दक्षिणी क्षेत्र

खान यूनिस में किए गए एक बेहद सटीक हवाई हमले में हमास के वरिष्ठ नेता मुहम्मद सिनवार मारे गए। इस हमले में 30 सेकंड में 50 से अधिक बम गिराए गए थे। आईडीएफ के अनुसार, यह हमला खान यूनिस स्थित यूरोपीय अस्पताल के नीचे फैले हमास के भूमिगत सुरंग नेटवर्क और कमांड सेंटर को निशाना बनाकर किया गया था। हमले में सिनवार के अलावा राफा ब्रिगेड के कमांडर मुहम्मद शबाना और दक्षिण खान यूनिस बटालियन के कमांडर महदी क्वारा भी मारे गए। सेना ने यह भी दावा किया कि सभी मिसाइलें सटीक थीं और अस्पताल को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। इस पुष्टि के बाद इजराइल के रक्षा मंत्री इसराइल कात्ज ने एक तीखा बयान जारी किया। उन्होंने कहा कि अब यह आधिकारिक है कि हत्यारा मुहम्मद सिनवार, राफा ब्रिगेड प्रमुख मुहम्मद शबाना और उनके साथियों के साथ मारा गया। उसे अपने भाई के पास नर्क के दरवाजे पर भेज दिया गया। कात्ज ने आगे चेतावनी देते हुए कहा कि हमास के गाजा सिटी कमांडर इज्ज अल-दीन हद्दाद और विदेश में बैठे नेता खलील अल-हय्या तथा अन्य उनके साथी भी तैयार रहें, आप अगली पंक्ति में हैं।

दोस्त से खाया धोखा! चीन ने पाकिस्तान को थमाए हल्की क्वालिटी के हथियार

भारत ने ऑपरेशन सिंदूर में चीनी मिसाइलों को किया था ध्वस्त

बीजिंग, 01 जून (एजेंसियां) ।

क्या चीन ने पाकिस्तान को घटिया हथियार देकर धोखा दिया है यह सवाल इसलिए उठ रहा है क्योंकि चीन ने खुद मान लिया है कि उसने पाकिस्तान को हल्की क्वालिटी वाले हथियार दिए थे। बता दें भारत ने ऑपरेशन सिंदूर में ब्रह्मोस जैसी ताकतवर और स्वदेशी मिसाइलों से पाकिस्तान पर हमला किया था। इससे दुनिया को भारत की सैन्य ताकत का अहसास हुआ। वहीं पाकिस्तान ने जवाब में चीन के हथियारों का इस्तेमाल किया, लेकिन वह भारतीय ठिकानों तक नहीं पहुंच सकी। चीन की मिसाइलें फेल हो गईं और उसकी साख को झटका लगा। अब दुनिया में उसके हथियारों की पोल खुलने के बाद चीन अब सफाई दे रहा है कि पाकिस्तान को जो मिसाइलें दी थीं, वे सिर्फ निर्यात के लिए बनी थीं, लेकिन जानकारों का मानना है कि यह बहाना सिर्फ डर छुपाने के लिए है। पाकिस्तान ने भारत पर हमला करने के लिए चीन की पीएल-15 एयर-टू-एयर मिसाइल दागी थी, लेकिन वह निशाना चूक गई और भारत में गिर गई। अब उसका मलबा भारत के पास है और यही बात चीन को सबसे ज्यादा परेशान कर रही है। वजह ये है कि अब चीन के दुश्मन देश उस मिसाइल की कमजोरियों को समझ सकते हैं। पीएल-15 मिसाइल जिसे चीन अपने सबसे ताकतवर हथियारों में से एक मानता है, अब सवालों के घेरे में है। वहीं सवाल यह भी है कि क्या चीन ने पाकिस्तान के साथ धोखा किया और उसे आधी-अधूरी टेक्नोलॉजी वाली मिसाइलें थमा दी या फिर वह अब अपनी इज्जत बचाने के लिए सफाई दे रहा है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान और पीओके में आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया था। जवाब में पाकिस्तान ने भारतीय ठिकानों पर भी हमले किए जिसे भारत ने नाकाम कर दिया। इस दौरान पाकिस्तान ने चीन की पीएल-15 मिसाइल दागी, लेकिन मिसाइल का मलबा भारत के हाथ लग गया। चीन के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता से जब इस बारे में सवाल किया गया था तो उन्होंने ऐसा जवाब दिया जिससे चीन-पाकिस्तान की दोस्ती ही सवालों के घेरे में आ गई। चीन के प्रवक्ता ने कहा था कि ये तो बस निर्यात करने वाला माल है, जिसे पहले भी कई रक्षा प्रदर्शनियों में दिखाया गया है, लेकिन सवाल अभी भी वही है कि क्या चीन ने पाकिस्तान को 'नकली ताकत' दी या फिर वह दुनिया को दिखाना चाहता है कि उसकी असली ताकत अभी 'पर्दे के पीछे' छिपी है चीन की यह मिसाइल मिलना एक बड़ी कामयाबी है। इस मलबे की खबर ने अब ताइवान, अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसे देशों की नींद उड़ा दी है। ताइवान तो खास तौर पर इस मलबे के पीछे पड़ा है, क्योंकि उसे हर दिन चीन के जे-20 और जे-10सी जैसे फाइटर जेट्स की धमकियां झेलनी पड़ती हैं। मलबे की रिवर्स इंजीनियरिंग करके पीएल-15 की ताकत और कमजोरियों का राज खुल सकता है, जो ताइवान और बाकी देशों के लिए 'जैकपॉट' साबित हो सकता है और चीनी की धमकियां फुस्सी बम की तरह साबित होंगी।

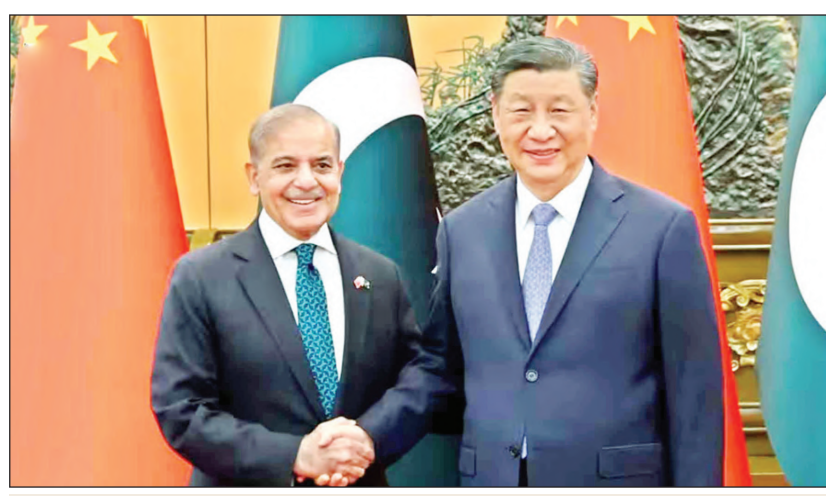

रूस ने साफ किया- न पाकिस्तान से दोस्ती है और न ही स्टील मिल का कोई समझौता किया

मास्को। पाकिस्तान के साथ रूस की 'बढ़ती दोस्ती' की खबरों पर मास्को ने सख्त नाराजगी जताते हुए उसे पूरी तरह खारिज कर दिया है। रूस ने साफ किया कि कराची में स्टील मिल बनाने या पाकिस्तान से अरबों डॉलर के समझौते की बातें फर्जी और मनगढ़ंत हैं। मॉस्को का सीधा आरोप है कि पाकिस्तान ऐसे दावे फैलाकर भारत-रूस के गहरे रिश्तों को कमजोर करने की कोशिश कर रहा है। लेकिन ये प्रयास नाकाम और बचकाने हैं। पाकिस्तानी मीडिया में हाल ही में खबरें आईं कि रूस और पाकिस्तान मिलकर फिर से औद्योगिक साझेदारी कर रहे हैं। जैसा कि 1970 के दशक में सोवियत संघ ने पाकिस्तान स्टील मिल्स के साथ किया था। रिपोर्ट्स में कहा गया कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री के विशेष सहायक हारून अख्तर खान और रूसी प्रतिनिधि डेनिस नजरूफ के बीच 13 मई को इस्लामाबाद में बैठक हुई। जहां कराची में एक नई स्टील मिल के लिए 'संयुक्त कार्य समूह' बनाने की बात हुई। रूस ने अपने आधिकारिक बयान में यह भी इशारा किया कि भारत और रूस के बीच का रक्षा, व्यापार और सामरिक सहयोग पाकिस्तान की तुलना में कई गुना गहरा और टिकाऊ है।

शरीर को भोजन से होने वाले नुकसान से बचाते हैं खास सेल्स

यरूशलम, 01 जून (एजेंसियां) ।

शोधकर्ताओं ने इम्यून सिस्टम के ऐसे खास सेल्स खोजे हैं, जो शरीर को भोजन से होने वाले नुकसान से बचाते हैं। इस खोज से पता चला है कि हमारा शरीर खाने को कैसे हानिरहित मानता है और उस पर हमला क्यों नहीं करता। इसे 'ओरल टॉलरेंस' कहा जाता है, जो खाने से होने वाले सूजन और संक्रमण से बचाव करती है।

वाइजमैन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस के शोधकर्ताओं की यह खोज खाने से जुड़ी एलर्जी, संवेदनशीलता और सीलिएक रोग जैसे मामलों के नए इलाज खोजने में मददगार साबित हो सकती है। अब तक वैज्ञानिकों का मानना था कि 'डेंड्राइटिक कोशिकाएं' इस प्रक्रिया की जिम्मेदार होती हैं, लेकिन हाल के अध्ययन में यह पता चला कि जब इन कोशिकाओं को हटाया गया, तब भी शरीर भोजन को स्वीकार करता रहा। डब्ल्यूआईएस के शोधकर्ताओं ने एक नई कोशिका समूह 'आरओआर-गामा-टी कोशिकाएं' की पहचान की है, जो असल में इस प्रक्रिया को नियंत्रित करती हैं। ये दुर्लभ कोशिकाएं चार अलग-अलग प्रकार की कोशिकाओं को सक्रिय करती हैं, जो मिलकर शरीर की उन हमलावर कोशिकाओं (सीडी8 कोशिकाएं) को रोकती हैं, जो भोजन पर हमला कर सकती थीं।

इस प्रणाली के काम करने में कोई गड़बड़ी हो तो शरीर खाद्य एलर्जी या अन्य बीमारियों से ग्रस्त हो सकता है, जैसे ग्लूटेन पर होने वाला हमला। शोध में यह भी पाया गया कि संक्रमण के दौरान प्रतिरक्षा प्रणाली अस्थायी तौर पर इस 'फूड टॉलरेंस' को दरकिनार कर सकती है ताकि सूक्ष्मजीवों से लड़ाई में सहायता मिल सके। शोधकर्ताओं ने बताया कि प्रतिरक्षा प्रणाली में कार्यों का विभाजन पहले से कहीं अधिक जटिल है। डेंड्राइटिक कोशिकाएं हमेशा यह तय नहीं करतीं कि बाहरी तत्वों पर हमला करना है या नहीं। बल्कि, कुछ अन्य खास कोशिकाएं होती हैं, जो यह सुनिश्चित करती हैं कि हम भोजन को सुरक्षित रूप से ग्रहण कर सकें।

फ्रांस में सार्वजनिक जगहों पर धूम्रपान पर बैन, उल्लंघन पर लगेगा भारी जुर्माना

फ्रांस ने धूम्रपान के खिलाफ कड़ा कदम उठाते हुए इसे समुद्री किनारों, पार्कों और स्कूलों के आस-पास बैन करने की घोषणा की है। फ्रांस की स्वास्थ्य और परिवार मंत्री ने धूम्रपान बैन की जानकारी देते हुए कहा कि फ्रांस के सभी आउटडोर जगहों पर जहां बच्चे आते-जाते हैं, वहां धूम्रपान बैन रहेगा। धूम्रपान पर यह रोक 1 जुलाई से लागू होगी। जुलाई महीने से फ्रांस के समुद्री किनारों, पार्कों, सार्वजनकि बागों, स्कूल के बाहर आस-पास वाले इलाकों, बस स्टॉप और स्पोर्ट्स वेन्यू पर धूम्रपान करना बैन हो जाएगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक फ्रांसीसी मंत्री ने कहा कि जहां बच्चे होते हैं, उन जगहों से तंबाकू को बिल्कुल गायब कर देना चाहिए। जब बच्चों के साफ हवा में सांस लेने की बात आती है तो धूम्रपान की आजादी खत्म हो जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि कैफे और बार के बाहरी इलाकों में स्मोकिंग की आजादी बनी रहेगी। उन्होंने कहा कि अगर कोई स्मोकिंग बैन के नियम का उल्लंघन करता है तो उस पर 153 डॉलर यानी 13,000 रुपये फाइन लगाया जाएगा।

पानी पानी चिल्ला रहे पाकिस्तान को यूएन में भारत ने कराया चुप, कहा-आप ही जिम्मेदार

जिनेवा,01 जून (एजेंसियां) ।

यूएन के एक वैश्विक प्लैटफॉर्म पर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने पानी का रोना रोया था। उन्होंने कहा कि भारत पानी को भी हथियार बना रहा है। शहबाज शरीफ की बात का जवाब देते हुए विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने कहा, पाकिस्तान सिंधु जल संधि का जिक्र करके इस तरह के अंतरराष्ट्रीय मंच का दुरुपयोग करना चाहता है। उन्होंने कहा कि संधि की प्रस्तावना में कहा गया है कि इसे सद्भावना और मैत्री की भावना से संपन्न किया गया, और इस संधि का सद्भावपूर्वक सम्मान करना आवश्यक है।

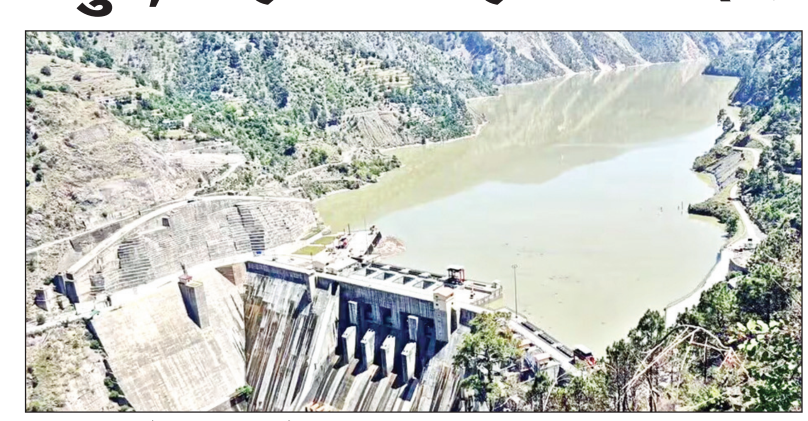

ताजिकिस्तान में के दुशांबे में हिमनदों पर संयुक्त राष्ट्र के पहले सम्मेलन के पूर्ण सत्र को संबोधित करते हुए विदेश राज्य मंत्री कीर्तिविर्धन सिंह ने स्पष्ट कहा है कि सबसे पहले पाकिस्तान ने सिंधु जल संधि का उल्लंघन किया था। उसने सीमा पार से आतंक और दहशतगर्दी करके इस संधि का उल्लंघन किया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने जिस फोरम में सिंधु जल संधि का मुद्दा उठाया है उसका इससे कोई संबंध नहीं है। ऐसे में वह अंतरराष्ट्रीय संगठनों का भी सम्मान नहीं करता है। कीर्तिवर्धन सिंह ने कहा कि समय बदलने के साथ ही तकनीक, भूराजनीतिक और जलवायु में परिवर्तन हुआ है। ऐसे में इस संधि का पुनर्मूल्यांकन करने की जरूरत थी। इसके अलावा पाकिस्तान जिस तरह से आतंकियों को पनाह दे रहा है और आतंकी गतिविधियों में शामिल है, उसके साथ नरमी नहीं बरती जा सकती ।उन्होंने कहा, संधि का इतने लंबे समस से उल्लंघन करने वाले पाकिस्तान को भारत पर इल्जाम नहीं लगाना चाहिए। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा था कि पाकिस्तान भारत को सिंधु जल संधि का उल्लंघन करके लाखों लोगों की जान से खिलवाड़ नहीं करने देगा। जम्मू - कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के बाद, भारत ने संधि को स्थगित करने समेत पाकिस्तान के खिलाफ कई सख्त कदमों की घोषणा की थी। भारत और पाकिस्तान के बीच 1960 में सिंधु जल संधि पर हस्ताक्षर हुए थे, जिसमें विश्व बैंक भी हस्ताक्षरकर्ता था।

ओवैसी खोल रहे आतंकियों की पोल, रहमान लखवी के कुकर्मों को किया उजागर

अल्जीयर्स, 01 मई (एजेंसियां) ।

सांसद एवं एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी इन दिनों पाकिस्तान और आतंकियों पर न केवल जमकर बरस रहे हैं बल्कि उनकी पोल भी खोल रहे हैं। आतंकी रहमान लखवी को लेकर उन्होंने उसके कुकर्मों को उजागर किया है। उन्होंने शनिवार को अल्जीरिया में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए पाकिस्तान पर तीखा हमला बोला और पड़ोसी मुल्क को बेनकाब किया। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे एक आतंकवादी पाकिस्तान में आधिकारिक रूप से कैद रहने के दौरान ही पिता बन गया। उन्होंने आतंकवादी जकीउर रहमान लखवी के साथ पाकिस्तान के विशेष व्यवहार की ओर इशारा किया। ऑपरेशन सिंदूर के बाद दुनिया के विभिन्न देशों में भारत ने कुल सात डेलिगेशन पाकिस्तान को बेनकाब करने के लिए भेजे हैं। उनमें से एक में एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी भी शामिल हैं। ओवैसी ने कहा, जकीउर रहमान लखवी नाम का एक

आतंकवादी था। दुनिया का कोई भी देश आतंकवाद के आरोप का सामना कर रहे आतंकवादी को जेल से बाहर आने की अनुमति नहीं देगा। लेकिन वह जेल में बैठे-बैठे ही एक बेटे का पिता बन गया। हालांकि, जब पाकिस्तान को एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में डाल दिया गया तो मुकदमा तुरंत आगे बढ़ गया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे अंतरराष्ट्रीय दबाव ने पाकिस्तान को कुछ समय के लिए कार्रवाई करने के लिए मजबूर किया था। असदुद्दीन ओवैसी ने उम्मीद जताई कि अगर पाकिस्तान को फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) की ग्रे लिस्ट में वापस रखा जाता है तो भारत में आतंकवादी घटनाओं में कमी आएगी। ओवैसी ने चेतावनी दी कि यह मुद्दा अब केवल एक क्षेत्रीय चिंता नहीं रह गया है। उन्होंने कहा, यह केवल दक्षिण एशिया का सवाल नहीं है। हम चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं। क्या होगा क्या आप चाहते हैं कि यह सारा नरसंहार दक्षिण एशिया के विभिन्न हिस्सों में फैल जाए। आतंकवाद के मुख्य प्रायोजक पाकिस्तान पर नियंत्रण करना विश्व शांति के हित में है। इसे एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में वापस लाना होगा। उन्होंने आगे कहा, आतंकवाद दो चीजों पर जीवित रहता है। विचारधारा और पैसा। विचारधारा आप अच्छी तरह जानते हैं। आपने काला दशक देखा है। यहां तक कि दक्षिण अल्जीरिया में भी आपको अभी भी कुछ समस्याएं हैं। हम एक साथ हैं। उन्होंने कहा, एक बार जब आप पाकिस्तान को ग्रे लिस्ट में वापस लाएंगे, तो हम भारत में आतंकवाद में कमी देखेंगे। हम हत्याओं में कमी देखेंगे। हमारे पास 2018 का अनुभव है जब अल्जीरिया और अन्य देशों ने भारत की मदद की थी। पाकिस्तान की विचारधारा, दाइश और अल-कायदा से मेल खाती है ।ओवैसी ने पाकिस्तान की विचारधारा को वैश्विक आतंकी संगठनों से जोड़ते हुए कहा, पाकिस्तान तकफीरी विचारधारा का केंद्र है। पाकिस्तान के आतंकी संगठनों और दाइश या अल-कायदा की विचारधारा में कोई अंतर नहीं है। ये सोचते हैं कि इन्हें धार्मिक अनुमति है, जो सरासर गलत है। बता दें कि 7 मई को भारत ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया, जो पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू और कश्मीर में आतंकी ढांचे पर हमला था। इसमें जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिदीन जैसे समूहों के 100 से अधिक आतंकवादी मारे गए।

आईपीओ लॉन्च से पहले ओयो की पैरेंट कंपनी बदलेगी नाम, मांगे सुझाव मिलेगा इनाम

नई दिल्ली, 01 जून (एजेंसियां)। ओयो का आईपीओ कुछ महीनों में बाजार में आ जाएगा। इससे पहले पैरेंट कंपनी के नाम में बदलाव की तैयारी हो रही है। ओयो के संस्थापक रितेश अग्रवाल ने अपनी पैरेंट कंपनी ओरावेल स्टेज के लिए नाम के सुझाव मांगे हैं। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि नया नाम उस प्रीमियम होटल ऐप का हो सकता है जिसे ओयो निकट भविष्य में पेश करने की योजना बना रही है। ओयो के संस्थापक ने कहा कि हम मूल कंपनी का नाम बदल रहे हैं। होटल चेन नहीं, उपभोक्ता उत्पाद नहीं बल्कि शहरी इनोवेशन और आधुनिक जीवन के वैश्विक परिवेश को सशक्त बनाने वाली मूल कंपनी है। हमारा मानना है कि अब समय आ गया है कि दुनिया के पास एक नए तरह का वैश्विक ब्रांड हो जिसका गढ़ भारत में हो, लेकिन दुनिया के लिए बनाया गया हो।

उन्होंने विजेता को तीन लाख रुपए का पुरस्कार और उनसे मिलने का मौका देने की घोषणा भी की। इस बीच, ओयो ने जून में पांच निवेश बैंकों की उसके प्रमुख शेयरधारक सॉफ्टबैंक से मिलने की व्यवस्था की है। इन बैंक में आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज और एक्सिस कैपिटल के साथ-साथ भारतीय वित्तीय संस्थानों का प्रतिनिधित्व करने वाले वैश्विक बैंकिंग गठजोड़ से सिटी, गोल्डमैन सैक्स और जेफरीज शामिल हैं। जापानी समूह सॉफ्टबैंक, ओयो के सबसे बड़े शेयरधारकों में से एक है। इसलिए यह बैठक खास है।

यह बैठक सॉफ्टबैंक के लंदन स्थित ग्रोसवेनर स्ट्रीट कार्यालय में होने वाली है। पांच बैंक, सॉफ्टबैंक के सुमेर जुनेजा के समक्ष अपने आईपीओ से जुड़ी रणनीति प्रस्तुत करेंगे। ओयो के संस्थापक और उसकी वरिष्ठ नेतृत्व टीम भी इसमें शामिल होगी। बता दें ओयो ने 2021 में सेबी के सामने अपने दस्तावेज दाखिल किए और फिर दोबारा दाखिल किए थे। इसमें सार्वजनिक पेशकश के जरिये 8,430 करोड़ जुटाने की बात कही थी। कंपनी ने हालांकि मई, 2024 में यह दस्तावेज वापस ले लिए थे।

न्यूज ब्रीफ

रिनॉल्ट की लोकप्रिय क्विड का इलेक्ट्रिक संस्करण हो रहा लोकप्रिय

नई दिल्ली। इलेक्ट्रिक वाहनों की तेजी से बढती मांग को देखते हुए सभी बड़े वाहन निर्माता कंपनियां अपने इलेक्ट्रिक मॉडल्स को बाजार में पेश कर रही हैं। चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर में लगातार सुधार होने के कारण ईवी चलाना भी आसान होता जा रहा है। अब बाजार में एक नई कार की चर्चा हो रही है, जो भारत की सबसे किफायती इलेक्ट्रिक कार साबित हो सकती है। यह कार है रिनॉल्ट की लोकप्रिय क्विड का इलेक्ट्रिक संस्करण, जिसे रिनॉल्ट ई-क्विड कहा जा रहा है। इंटरनेट पर सामने आई स्पाई इमेजेस में रिनॉल्ट ई-क्विड को भारी कैमोफ्लॉज्ड हालत में देखा गया है। तस्वीरों से पता चलता है कि इस कार को नए वाय-आकार के टेललाइट्स और फ्रंट-रियर बंपर में बदलाव के साथ डिजाइन किया गया है। कार के इंटीरियर में भी बड़े अपडेट मिलने की उम्मीद है। रिनॉल्ट ई-क्विड में 7-इंच का डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और 10-इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम दिया जा सकता है। इसके साथ ही ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल, वायरलेस चार्जिंग और एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम जैसे फीचर्स भी शामिल हो सकते हैं। सुरक्षा के लिहाज से कई एयरबैग और रियर-व्यू कैमरा भी मिलेंगे। रिनॉल्ट ई-क्विड में 26.8 केडब्ल्यूएच की बैटरी दी जाएगी, जो एक बार चार्ज करने पर करीब 220 किलोमीटर की रेंज देने का दावा करती है। यह रेंज शहर के अंदर रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त मानी जा रही है।

चीन फिर पाकिस्तान को देगा 3.7 अरब डॉलर का कर्ज, पाकिस्तान की डूबती अर्थव्यवस्था को मिलेगा सहारा

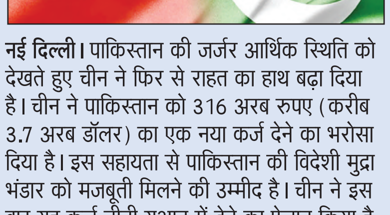

नई दिल्ली। पाकिस्तान की जर्जर आर्थिक स्थिति को देखते हुए चीन ने फिर से राहत का हाथ बढ़ा दिया है। चीन ने पाकिस्तान को 316 अरब रुपए (करीब 3.7 अरब डॉलर) का एक नया कर्ज देने का भरोसा दिया है। इस सहायता से पाकिस्तान की विदेशी मुद्रा भंडार को मजबूती मिलने की उम्मीद है। चीन ने इस बार यह कर्ज चीनी युआन में देने का ऐलान किया है, जिसे चीन की निर्भरता कम करने का हिस्सा माना जा रहा है। पाकिस्तान ने मार्च-अप्रैल 2024 के दौरान चीन से लिए गए 1.3 अरब डॉलर के कर्ज का भुगतान कर दिया था, जो लगभग 7.5 फीसदी ब्याज दर पर मिला था। वहीं 15 अरब युआन के बराबर चीन के तीन प्रमुख बैंकों से लिए गए 2.1 अरब डॉलर के सिंडिकेटेड लोन का भुगतान जून में परिपक्व होने वाला है। चीन ने भविष्य में भी परिपक्व होने वाले कर्जों को रिफाइनेंस करने का भी आश्वासन दिया है। यह चीन की मदद ने पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति के लिए एक बड़ी समाचार है, क्योंकि आइएमएफ से मिले 1 अरब डॉलर के बावजूद भी उसका विदेशी मुद्रा भंडार स्थिर नहीं था।

पब्लिक प्रोविडेंट फंड सुरक्षित और लाभकारी विकल्प, हर साल जमा करें 1 लाख रुपये, 15 साल बाद मिलेंगे 27 लाख

नई दिल्ली। शेयर बाजार के लगातार उतार-चढ़ाव के बीच लोग अब पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) को एक मजबूत और लाभकारी निवेश विकल्प के रूप में देख रहे हैं।

पीपीएफ एक ऐसा निवेश है जो सरकार की गारंटी के साथ आपको स्थिर और सुनिश्चित रिटर्न देता है। जबकि स्टॉक्स और म्यूचुअल फंड में जोखिम होता है, पीपीएफ आपके पैसे की सुरक्षा और बढ़ती हुई राशि का विश्वास दिलाता है। पीपीएफ खाता खोलने के लिए आप किसी भी बैंक या डाकघर में जा सकते हैं। आपको प्रति वर्ष 15 साल के अवधि में निवेश करना होता है और धीरे-धीरे आपका निवेश बढ़ता जाता है। सालाना 7.1 फीसदी के कंपाउंडिंग ब्याज दर के साथ आप अच्छे रिटर्न उम्मीद कर सकते हैं, जो आपके निवेश को दोगुना बना सकता है। इस योजना में निवेश करने के लिए आप अपने नाबालिग बच्चे के नाम पर भी पीपीएफ खाता खोल सकते हैं। यह एक अच्छा विकल्प है जो स्टॉक मार्केट के जोखिम से बचाव करने के लिए अपनाया जा सकता है और लंबी अवधि में भी आपको टैक्स छूट का लाभ मिल सकता है।

इलेक्ट्रिक वाहन की लोकप्रियता उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा

नई दिल्ली, 01 जून (एजेंसियां)।

देश में सबसे ज्यादा इलेक्ट्रिक वाहन उत्तर प्रदेश में दौड़ रहे हैं, जबकि दिल्ली, मुंबई और बैंगलोर जैसे महानगर पीछे रह गए हैं। ज्यादातर लोगों का मानना है कि इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) अधिकतर बड़े शहरों में ही लोकप्रिय हैं, लेकिन ताजा आंकड़े इस धारणा को गलत साबित करते हैं। उत्तरप्रदेश सरकार के अनुसार प्रदेश में वर्तमान में 4.14 लाख से अधिक ईवी सक्रिय हैं, जो अन्य राज्यों की तुलना में सबसे अधिक है। दिल्ली में 1.83 लाख और महाराष्ट्र में 1.79 लाख ईवी हैं। यह आंकड़ा साफ दिखाता है कि उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रिक वाहन के मामले में देश में शीर्ष स्थान पर है।

उत्तर प्रदेश सरकार ने वर्ष 2022 में इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माण और परिवहन के लिए नई नीति लागू की है, जिसका उद्देश्य ईवी की स्वीकार्यता बढ़ाना और चार्जिंग नेटवर्क को मजबूत बनाना है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार 30 हजार करोड़ रुपये के निवेश को आकर्षित करने और 10 लाख रोजगार सृजित करने की योजना पर तेजी से काम कर रही है। इसके साथ ही, प्रदेश में 16 नगर निकायों में 300 से अधिक नए चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जाने की योजना है, जिसमें सबसे अधिक स्टेशन अयोध्या में बनाए जाएंगे। देश में कुल 33,000 ईवी चार्जर हैं, जिनमें 35 प्रतिशत फास्ट चार्जर हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने फास्ट चार्जिंग नेटवर्क बढ़ाने और मौजूदा स्टेशनों को बेहतर बनाने पर जोर दिया है ताकि इलेक्ट्रिक वाहन की बढ़ती मांग को पूरा किया जा सके। प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों जैसे अयोध्या, काशी, मथुरा, प्रयागराज, लखनऊ, कानपुर और गाजियाबाद में ई-रिक्शा खासे लोकप्रिय हैं, जो ईवी बिक्री का लगभग 85 प्रतिशत हिस्सा हैं।

विदेशी लग्जरी कारों की कीमतों में आ सकती है भारी गिरावट

नई दिल्ली। हाल ही में भारत सरकार ने कई ट्रेड एग्रीमेंट्स पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके लागू होने पर विदेशी लग्जरी कारों पर इंपोर्ट टैक्स घटकर मात्र 10 प्रतिशत तक आ सकता है। इससे कार की कीमतों में भारी गिरावट आएगी। इस बीच, कई कार खरीदार कीमतों में कमी का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन ब्रिटिश ऑटोमेकर मिनी इंडिया ने ऐसा ऑफर पेश किया है जो खरीदारी में देरी करने की जरूरत खत्म कर देगा। मिनी इंडिया ने एक नई प्राइस प्रोटेक्शन पॉलिसी लागू की है, जो विशेष रूप से मिनी कूपर एस 3-डोर मॉडल पर लागू होगी। इस योजना के तहत, जो ग्राहक अब कूपर एस खरीदेंगे, उन्हें अगले 180 दिनों में अगर कूपर एस की कीमत में कोई भी कटौती होती है तो उसे वापसी के रूप में मिलेगा। यानी, कीमत घटने पर खरीदार का पैसा सुरक्षित रहेगा। यह ऑफर सीमित समय के लिए है और मिनी के अधिकृत डीलरशिप से उपलब्ध है। कूपर एस की वर्तमान ऑन-रोड कीमत मुंबई में लगभग 53.62 लाख रुपये है। भारत-यूके फ्री ट्रेड एग्रीमेंट के तहत, भारत ब्रिटेन से आयातित हाई-एंड लग्जरी कारों पर 100 प्रतिशत से घटाकर 10 प्रतिशत तक टैक्स कम करेगा। इससे कई ब्रांड अपनी कीमतें कम कर सकते हैं, लेकिन अभी इस पर कुछ अनिश्चितताएं बनी हैं। ऐसे में मिनी का यह प्राइस प्रोटेक्शन प्रोग्राम ग्राहकों को खरीदारी में विश्वास और सुरक्षा देता है। इस योजना के चलते ग्राहकों को लंबा इंतजार किए बिना तुरंत मिनी कूपर एस खरीदने का मौका मिलेगा और अगर बाद में कीमतें कम हुईं तो उन्हें लाभ भी मिलेगा।

घाटे में चल रही वीआई को 20 हजार करोड़ जुटाने की बोर्ड ने दी मंजूरी

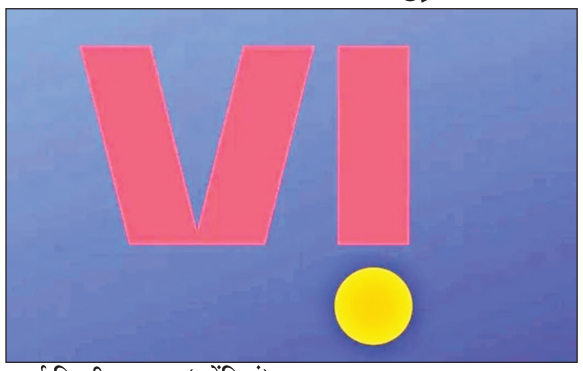

नई दिल्ली, 01 जून (एजेंसियां)।

घाटे में चल रही टेलीकॉम कंपनी वोडाफोन आइडिया के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने 20,000 करोड़ रुपए की मंजूरी दे दी है। यह फैसला ऐसे समय में लिया गया है जब कंपनी का मार्च तिमाही में नेट लॉस 6609 करोड़ रुपए बढ़कर 7166 करोड़ हो गया है।

कंपनी लगातार सब्सक्राइबर्स को गंवा रही है। कंपनी इस नए फंड से 4जी और 5जी का विस्तार करेगी, जिससे कंपनी के बिजनेस के मौजूदा परिस्थितियों पर असर पड़े और सब्सक्राइबर्स को फिर से वापस लाया जा सके।

कंपनी ने कहा है कि वह इसका मूल्यांकन कर रही है कि पैसा इक्विटी या फिर डेट या किसी अन्य माध्यम से जुटाया जाए। ब्रिटेन के वोडाफोन ग्रुप पीएलसी और भारत के आदित्या बिरला ग्रुप का ज्वाइंट वेंचर दिल्ली और मुंबई जैसे शहरों में 5जी सर्विसेज देने के बाद भी ग्राहकों की घटती संख्या को रोकने में असमर्थ है।

कंपनी इस नए फंड से 4जी और 5जी का करेगी विस्तार

2019 में हुए मर्जर के बाद दिसंबर में पहली बार सब्सक्राइबर्स की संख्या 200 मिलियन के नीचे आ गई। मार्च में एक बार कंपनी के सब्सक्राइबर्स की संख्या घटकर 198.20 मिलियन डॉलर हो गई थी।

वीआई के ऑडिटर्स ने चेतावनी दी है कि कंपनी की फाइनेंशियल कंडीशन्स ने नगदी के प्रवाह को प्रभावित किया है। इसके उलट कंपनी के टॉप मैनेजमेंट में रिजल्ट्स को लेकर उत्साह है। उनका कहना है कि सब्सक्राइबर्स में भी कमी आई है। साथ भी रेवन्यू प्रति उपभोक्ता में सुधार हुआ है। वीआई ने अपनी 5जी सर्विसेज को दिल्ली एनसीआर, मुंबई, चंडीगढ़ और पटना में तिमाही सर्विसेज शुरू की है। अब कंपनी की योजना है कि जहां 5जी एयरवेज़ हैं उन सभी 17 सर्कल में यह सर्विसेज शुरू की जाएगी। हालांकि, रिलायंस जियो और एयरटेल की बाजार में इस हिसाब से मौजूदगी है वैसे वीआई की अपनी पैठ बनाने में मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है।

आरआईआर पावर का मुनाफा और राजस्व बढ़ा

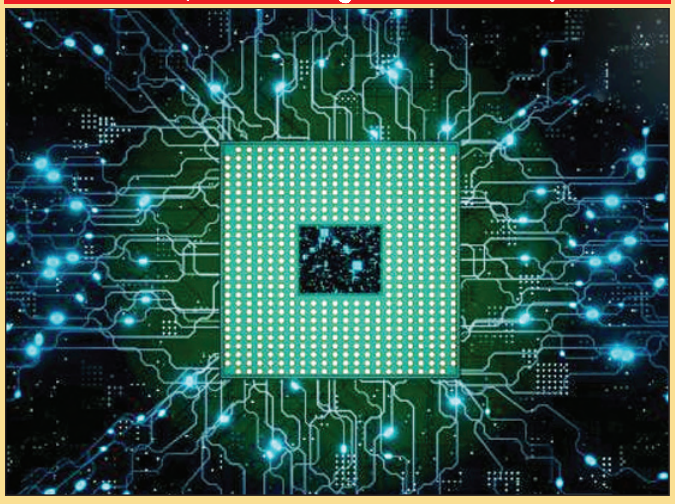

देश की प्रमुख पावर सेमीकंडक्टर निर्माता आरआईआर पावर इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ने 31 मार्च 2025 को समाप्त तिमाही में 22.7 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि के साथ 26.46 करोड़ रुपये का राजस्व कमाया जो पिछले वर्ष की समान तिमाही में 21.57 करोड़ रुपये था। कंपनी ने बयान जारी कर बताया कि इस अवधि में कंपनी का मुनाफा 2.58 करोड़ रुपये रहा जबकि ईबीआईटीडीए 3.33 करोड़ रुपये रहा। ईबीआईटीडीए और पीएटी मार्जिन क्रमशः 12.58 प्रतिशत और 9.75 प्रतिशत रहे और आय प्रति शेयर (ईपीएस) 3.51 रुपये दर्ज किया गया।

मैग्नाइट का नया सीएनजी वेरिएंट लॉन्च

नई दिल्ली, 01 जून (एजेंसियां)। अपनी लोकप्रिय कॉम्पैक्ट एसयूवी, मैग्नाइट का नया सीएनजी वेरिएंट निसान मोटर इंडिया ने लॉन्च कर दिया है। निसान ने बताया है कि यह एसयूवी गवर्मेंट अप्रूव्ड सीएनजी रेट्रोफिट किट के साथ आएगी, जिसकी कीमत पेट्रोल मॉडल से लगभग 74,999 रुपये अधिक होगी।

यह इको-फ्रेंडली मॉडल 1 जून से आधिकारिक डीलरशिप्स पर उपलब्ध होगा। लॉन्च शुरुआत में दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, केरल और कर्नाटक में होगी। पहले चरण में अनुमानित बिक्री 2,500 से 3,000 यूनिट्स के बीच रहेगी। निसान के मैनेजिंग डायरेक्टर सौरभ वत्स ने कहा कि मैग्नाइट भारत में कंपनी के लिए सफल मॉडल साबित हुआ है। ग्राहक जरूरतों को ध्यान में रखते हुए अब यह वैकल्पिक ईंधन विकल्प भी उपलब्ध होगा, जो अधिकृत फिटमेंट सेंटरों पर इंस्टॉल किया जाएगा। उनका मानना है कि इससे एसयूवी की उपयोगिता और मूल्य प्रस्ताव दोनों बढ़ेंगे। मैग्नाइट सीएनजी में 1-लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड इंजन दिया गया है, जो 5-स्पीड मैनुअल ट्रांसमिशन से जुड़ा है।

हालांकि निसान ने अभी सीएनजी इंजन की पावर डिटेल्स साझा नहीं की हैं, लेकिन पेट्रोल वेरिएंट 71 बीएचपी और 96 न्यूटन मीटर टॉर्क देता है। इसके अलावा, कंपनी ने 5-स्पीड एएमटी विकल्प की संभावना का भी संकेत दिया है, जो भविष्य में पेश किया जा सकता है। इस वेरिएंट में 12 किलो का सिंगल सीएनजी सिलेंडर टैंक लगेगा, जो पर्याप्त बूट स्पेस भी देगा। निसान ने मैग्नाइट सीएनजी की कीमत 6.89 लाख रुपये से शुरू करते हुए 3 साल या 1 लाख किलोमीटर की वारंटी भी दी है।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 692.72 अरब डॉलर हुआ

नई दिल्ली, 01 जून (एजेंसियां)। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 23 मई को समाप्त सप्ताह में 6.99 अरब डॉलर बढ़कर 692.72 अरब डॉलर हो गया। इसके पहले 16 मई को समाप्त हुए सप्ताह में कुल विदेशी मुद्रा भंडार 4.89 अरब डॉलर घटकर 685.73 अरब डॉलर हो गया था। सितंबर, 2024 के अंत में विदेशी मुद्रा भंडार 704.88 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक 23 मई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का एक प्रमुख हिस्सा विदेशी मुद्रा आस्तियां 45.16 लाख डॉलर बढ़कर 586.17 अरब डॉलर हो गईं। डॉलर के संदर्भ में उल्लेखित विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं की घट-बढ़ का प्रभाव शामिल होता है। समीक्षाधीन सप्ताह में स्वर्ण भंडार का मूल्य 2.37 अरब डॉलर बढ़कर 83.58 अरब डॉलर हो गया। विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 8.1 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.57 अरब डॉलर हो गया। केंद्रीय बैंक के आंकड़ों के अनुसार, आलोच्य सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार भी तीन करोड़ डॉलर बढ़कर 4.40 अरब डॉलर हो गया।

ट्रंप ने स्टील और एल्यूमिनियम पर टैरिफ दोगुना किया, 4 जून से लागू होगा नियम

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पेंसिल्वेनिया के एक स्टील प्लांट में वर्कर्स को संबोधित करते हुए स्टील और एल्यूमिनियम पर टैरिफ दोगुना करने की घोषणा की। इन दोनों मेटल्स पर टैरिफ 25 फीसदी से बढ़ाकर 50 फीसदी कर दिया जाएगा, बड़ी हुई दरें अगले हफ्ते से प्रभावी होंगी। स्टील प्लांट में ब्लू कॉलर वर्कर्स के सामने उन्होंने स्टील पर टैरिफ डबल करने का ऐलान किया लेकिन थोड़ी ही देर बाद में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर उन्होंने एल्यूमिनियम पर 4 जून से टैरिफ लगाने का ऐलान कर दिया। ट्रंप ने यूएस स्टील और जापान की निप्पॉन स्टील के बीच चल रही डील पर भी टिप्पणी की। उन्होंने स्पष्ट किया कि साझेदारी के बावजूद यूएस स्टील पर अमेरिका का नियंत्रण बना रहेगा और इसका मुख्यालय पिट्सबर्ग में ही रहेगा। ट्रंप ने भरोसा दिलाया कि इस सौदे से अमेरिका में करीब 70,000 रोजगार के अवसर मिलेंगे और 1400 करोड़ डॉलर की आर्थिक वृद्धि होगी। चुनावी दौर में इस डील का विरोध करने वाले ट्रंप अब इसे आर्थिक विकास के लिए अहम बता रहे हैं। उन्होंने बताया कि निप्पॉन स्टील अमेरिका में 2.2 अरब डॉलर का निवेश करेगा और 7 अरब डॉलर की लागत से स्टील मिलों को आधुनिक बनाया जाएगा। हालांकि, यह डील अभी अंतिम मंजूरी की प्रक्रिया में है।

जेमी ओवरटन चोटिल होकर वेस्टइंडीज दौरे से बाहर, इंग्लैंड को बड़ा झटका

एजबेस्टन ,01 जून (एजेंसियां) ।

इंग्लैंड क्रिकेट टीम को वेस्टइंडीज दौरे के बीच एक बड़ा झटका लगा है। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ऑलराउंडर जेमी ओवरटन हाथ की उंगली में चोट के चलते वनडे और टी20 सीरीज के शेष मुकाबलों से बाहर हो गए हैं। यह चोट उन्हें एजबेस्टन में खेले गए पहले वनडे मुकाबले के दौरान लगी, जब उन्होंने एक रिटर्न कैच पकड़ने की कोशिश की। इंग्लैंड ने उस मुकाबले में वेस्टइंडीज को 238 रन से करारी शिकस्त दी थी, लेकिन जीत के बावजूद ओवरटन की चोट टीम के लिए परेशानी का कारण बन गई है। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने शनिवार को एक आधिकारिक बयान जारी करते हुए बताया कि अब ओवरटन टीम से अलग होकर इंग्लैंड की मेडिकल टीम की निगरानी में रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया से गुजरेंगे। बोर्ड ने साफ कर दिया है कि वनडे टीम में उनकी जगह किसी खिलाड़ी को शामिल नहीं किया जाएगा। टीम के पास मैथ्यू पॉट्स और ल्यूक वुड जैसे विकल्प रिजर्व के रूप में मौजूद हैं, जबकि स्पिन विकल्प के रूप में टॉम हार्टले पर भी विचार किया जा सकता है।

31 वर्षीय जेमी ओवरटन ने पिछले साल ही वनडे क्रिकेट में डेब्यू किया था और अब तक उन्होंने कुल छह वनडे मुकाबले खेले हैं, जिसमें उन्होंने सात विकेट हासिल किए हैं। इसके अलावा उन्होंने 12 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 11 विकेट अपने नाम किए हैं। टेस्ट क्रिकेट की बात करें तो उन्होंने वर्ष 2022 में न्यूजीलैंड के खिलाफ पदार्पण किया था, लेकिन इसके बाद उन्हें एक भी टेस्ट खेलने का मौका नहीं मिल पाया है।

जेमी ओवरटन की गिनती इंग्लैंड के उन तेज गेंदबाजों में होती है जो अपनी रफ्तार के साथ-साथ बल्लेबाजी में भी टीम को गहराई प्रदान करते हैं। उनका कद 6 फीट 5 इंच है और वह गेंद को स्विंग कराने की क्षमता रखते हैं। हाल ही में हुए आईपीएल 2025 की नीलामी में चेन्नई सुपर किंग्स ने उन्हें 1.5 करोड़ रुपये में अपनी टीम में शामिल किया था। आईपीएल में उन्होंने कुल तीन मुकाबले खेले, हालांकि उन्हें सिर्फ छह ओवर ही गेंदबाजी करने का मौका मिला। वेस्टइंडीज के खिलाफ मौजूदा वनडे सीरीज में खेलने से पहले ओवरटन चेन्नई सुपर किंग्स के साथ आईपीएल का हिस्सा थे।

न्यूज़ ब्रीफ

फोर नेशंस टूर्नामेंट: भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने उरुग्वे को शूटआउट में हराया

HOCKEY INDIA

नई दिल्ली। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने अर्जेंटीना के रोसारियो में चार देशों के टूर्नामेंट के अपने पांचवें मुकाबले में निर्धारित समय में 2-2 से ड्रॉ के बाद उरुग्वे के खिलाफ शूटआउट में 3-1 से जीत हासिल की। मुकाबले में भारत की उपकप्तान हिना (10वें मिनट) और लालरिनपुई (24वें मिनट) ने गोल किया। वहीं गीता, कनिका और लालथंतलुगी ने शूटआउट में अपने मौकों को भुनाकर जीत सुनिश्चित की। मुकाबले में भारतीय जूनियर टीम ने मजबूत शुरुआत की। उपकप्तान हिना ने 10वें मिनट में पहला गोल किया। इसके बाद लालरिनपुई ने 24वें मिनट में बढ़त दोगुनी कर दी और हाफटाइम तक भारत की 2-0 से बढ़त रही। हालांकि, उरुग्वे ने अंतिम क्वार्टर में वापसी की। टीम की खिलाड़ी इनेस डी पोसादास ने 54वें मिनट में एक गोल किया, जबकि मिलग्रोस सीगल ने तीन मिनट बाद गोल करके स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। इसके बाद मुकाबले का परिणाम शुटआउट में निकला। शूटआउट में भारत ने अपना संयम बनाए रखा। भारतीय खिलाड़ी गीता, कनिका और लालथंतलागी ने लगातार तीन गोल किए, जबकि उरुग्वे की टीम केवल एक ही गोल कर सकी। भारतीय टीम अगला मैच मेजबान अर्जेंटीना के खिलाफ खेलेगी।

बेहतरीन पारी से चयनकर्ताओं की उम्मीद पर खरे उतर रहे करुण नायर

कैंटेंबरी। कैंटेंबरी के मैदान पर इंग्लैंड लायंस के खिलाफ खेलकर करुण नायर के नाबाद 186 रनों की बदौलत इंडिया-ए ने पहले ही दिन 3 विकेट के नुकसान पर 409 रन बनाए हैं। इंडिया ए की ओर से सरफराज खान ने भी एक छोर संभाला और 119 गेंदों पर 92 रन बनाए। इंग्लैंड लायंस के खिलाफ इंडिया-ए ने बनाए 409 रन इसके बाद ध्रुव ज्यूरेल ने नायर का साथ देकर स्कोर 400 पार लगा दिया। नायर की यह पारी तब सामने आई जब सात साल बाद उन्हें बीसीसीआई ने मौका दिया है। नायर ने घरेलू क्रिकेट में खूब रन बनाए थे इसकारण उन्हें आईपीएल में भी दिल्ली कैपिटल्स ने मौका दिया था। अब नायर भारत के लिए पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए अपना मजबूत दावा पेश करते दिख रहे हैं। इसके पहले इंग्लैंड लायंस के कप्तान जेम्स रॉ ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया था। यह फैसला सही भी साबित जब हुआ जब भारतीय कप्तान अभिमन्यू छठे ओवर में ही 8 रन बनाकर चलते बने। जायसवाल भी 24 रन बनाकर आऊट हुए। इससे टीम इंडिया की ओपनिंग क्रम को लेकर चिंता भी पैदा हो गई। लेकिन तीसरे नंबर पर आए करुण ने पारी को संभाला और विकेट के चारों ओर शॉट लगाए। उन्हें सरफराज का भरपूर सहयोग मिला, दोनों के बीच 181 रन की साझेदारी हुई।

बुमराह और तेवतिया जब आमने-सामने आये

मुल्लांपुर। मुम्बई इंडियंस के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और गुजरात टाइटंस के राहुल तेवतिया की इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) एलिमिनेटर मुकाबले में एकदूसरे से झड़प हो गयी थी हालांकि मामला बढ़ नहीं पाया। ये भिड़ंत उस समय हुई जब दोनो ही टीमें मैच जीतने जोर लगा रहीं थीं। इस मुकाबले में मुम्बई को आंखिरकार जीत मिली। ये मामला गुजरात की बल्लेबाजी के दौरान हुआ। तेवतिया ने बुमराह की गेंद में छक्का लगाया और जब वह अगली बार ऐसा करने गये तो वह अगली दो गेंदों में शॉट लगाने में विफल रहे। इसके बाद तनाव के बीच ही तेवतिया ने कोई बात कही दी जिससे बुमराह भी बरस पड़े और उन्होंने कहा, मेरे से मत बोल। इसके बाद तेवतिया ने कहा कि वह अपने से बातें कर रहे थे जिससे दोनो के बीच गलतफहमी दूर हो गयी। इससे बुमराह के चेहरे पर मुस्कान आ गई, जिन्होंने खुशी से

साई सुदर्शन का काउंटी कनेक्शन,आईपीएल 2025 में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बने

नई दिल्ली ,01 जून (एजेंसियां) ।

आईपीएल 2025 में सबसे अधिक रन बनाने वाले गुजरात टाइटंस के बल्लेबाज साई सुदर्शन ने अपनी बैटिंग के पीछे छिपे कई राज खोले हैं। सुदर्शन ने बताया कि उनकी बल्लेबाजी में इंग्लैंड में खेले गए काउंटी क्रिकेट का बड़ा योगदान है। काउंटी क्रिकेट के कुछ मैच खेलने के बाद उन्हें समझ आया कि बल्लेबाजी में बेसिक्स यानी बुनियादी तकनीक सबसे अहम होती है। इस अनुभव ने उन्हें इंग्लैंड के अपने पहले टेस्ट दौरे से पहले आत्मविश्वास भी दिया है।

आईपीएल 2025 में साई सुदर्शन ने 15 मैचों में 54.21 की औसत से कुल 759 रन बनाए और वे ऑरेंज कैप की दौड़ में सबसे आगे हैं। हालांकि, उनकी इस बेहतरीन फार्म के बावजूद गुजरात टाइटंस एलिमिनेटर मैच में मुंबई इंडियंस से हार गई और टूर्नामेंट से बाहर हो गई। अब सुदर्शन का फोकस भारतीय रेड बॉल क्रिकेट पर है। उन्होंने पिछले सीजन में इंग्लिश काउंटी टीम सरे के लिए भी कुछ मैच खेले थे, जिससे उनकी तकनीक में सुधार हुआ।

बाएं हाथ के इस बल्लेबाज को छह जून से नॉर्थम्पटन में भारत ए और इंग्लैंड लायंस के बीच दूसरे मैच में खेलने की उम्मीद थी, लेकिन शेड्यूल में बदलाव के कारण यह कम हो गया है। भारतीय टेस्ट टीम छह जून को इंग्लैंड के लिए रवाना होगी। सुदर्शन ने कहा, काउंटी क्रिकेट में मैंने सात मैच खेले हैं, जिससे मेरी तकनीक और बुनियादी बातें बेहतर हुई हैं। मुझे एहसास हुआ कि बल्लेबाजी में बेसिक्स पर ध्यान देना कितना जरूरी है। अब मैं अपने अनुभवों से सीख लेकर और बेहतर बनना चाहता हूं।

सुदर्शन ने स्वीकार किया कि वे लंबे समय से सीमित ओवरों की क्रिकेट खेल रहे हैं और टेस्ट क्रिकेट के लिए खुद को ढालना चुनौतीपूर्ण होगा। भारत और इंग्लैंड के बीच पहला टेस्ट 20 जून से शुरू होगा। उन्होंने कहा, तीन महीने के सफेद गेंद के क्रिकेट के बाद मेरी बल्लेबाजी में बदलाव हो सकते हैं, लेकिन टेस्ट की तैयारी के लिए हमारे पास पर्याप्त समय है। अब मेरा ध्यान केवल बेसिक्स पर रहेगा। जब उनसे आईपीएल के बाद टी20 टीम में चुने जाने की उम्मीद के बारे में पूछा गया तो सुदर्शन ने कहा, देश के लिए खेलना हर खिलाड़ी का सपना होता है, मैं भी ऐसा चाहता हूं, लेकिन फिलहाल मैं इस बारे में नहीं सोच रहा। मुझे अपने खेल में सुधार करना है और जब भी मौका मिलेगा, मैं देश के लिए बेहतर प्रदर्शन करना चाहूंगा।

महेला जयवर्धने ने किया साई सुदर्शन की तारीफ

मुल्लांपुर। आईपीएल 2025 के एलिमिनेटर मुकाबले में साई सुदर्शन की शानदार अर्धशतकीय पारी भी गुजरात टाइटंस को हार से नहीं बचा सकी। मुंबई इंडियंस ने इस रोमांचक मुकाबले में गुजरात को 20 रन से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। साई सुदर्शन ने 49 गेंदों पर 10 चौकों और एक छक्के की मदद से 80 रनों की जोरदार पारी खेली और टीम को मुकाबले में बनाए रखा, लेकिन अन्य बल्लेबाजों से उन्हें अपेक्षित सहयोग नहीं मिला। सुदर्शन के इस प्रदर्शन ने कई क्रिकेट दिग्गजों का ध्यान अपनी ओर खींचा हैं, जिनमें मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच और पूर्व श्रीलंकाई कप्तान महेला जयवर्धने भी शामिल हैं। जयवर्धने ने युवा बल्लेबाज की तकनीक और मानसिक दृढ़ता की खुलकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि सुदर्शन की बल्लेबाजी देखकर उन्हें काफी आनंद आया और उन्होंने बाएं हाथ के इस बल्लेबाज को 'शानदार' करार दिया। साथ ही, जयवर्धने ने इंग्लैंड दौरे को लेकर उम्मीद जताई कि सुदर्शन वहां भी अपनी बल्लेबाजी से प्रभावित करेंगे। जयवर्धने ने कहा कि इंग्लैंड की परिस्थितियां चुनौतीपूर्ण होंगी, लेकिन सुदर्शन में वहां भी सफल होने की काबिलियत है। उन्होंने भरोसा जताया कि यह युवा खिलाड़ी भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट में बड़ा योगदान देगा। सुदर्शन ने इस आईपीएल सीजन में जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए 15 मैचों में 54.21 की औसत से 759 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने छह अर्धशतक और एक शानदार शतक भी जड़ा, जिससे वह टूर्नामेंट के टॉप स्कोररों में शामिल हो गए। गुजरात टाइटंस की बल्लेबाजी में सुदर्शन सबसे भरोसेमंद नाम बनकर उभरे। हालांकि टीम का सफर यहीं खत्म हो गया, लेकिन सुदर्शन ने अपने दमदार प्रदर्शन से भविष्य के लिए उम्मीदें जगा दी हैं। दूसरी ओर, मुंबई इंडियंस ने क्वालिफायर 2 में प्रवेश कर लिया है, जहां उनका मुकाबला फाइनल में जगह बनाने के लिए पंजाब किंग्स से होगा, जिसकी कप्तानी श्रेयस अय्यर कर रहे हैं।

रबाडा बोले, नशीली दवाओं के सेवन की गलती के लिए अपने को माफ नहीं करूंगा

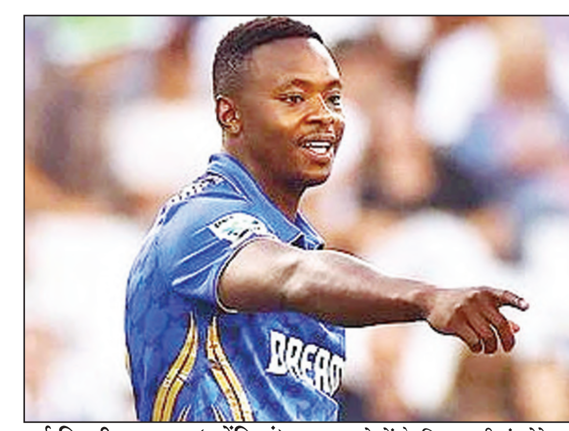

नई दिल्ली ,01 जून (एजेंसियां) ।

दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा ने कहा है कि वह नशीली दवाओं के सेवन के लिए शर्मिंदा हैं। नशीली दवाओं के सेवन के कारण ही रबाडा पर अप्रैल में एक माह का प्रतिबंध लगा दिया गया था। जिसके बाद रबाडा स्वदेश लौट गये थे। आईपीएल के दौरान ही उन्होंने अपनी गलती मान ली इस कारण उनपर लीग ने अपनी ओर से कोई प्रतिबंध नहीं लगाया।

रबाडा ने कहा, मैं फिर से वापसी कर उत्साहित हूं। प्रतिबंध की इस प्रक्रिया को बहुत अच्छे से संभाला गया. मुझे लगता है कि एक खिलाड़ी और एक इंसान के तौर पर लोगों के अलग-अलग विचार होते हैं। मैं इसके साथ जी सकता हूं। कुछ लोग ऐसे भी हैं जो निराश हुए होंगे और मैं उन लोगों के लिए दुखी हूं। मेरे सबसे करीबी लोग वे हैं जिन्हें मैंने निराश किया पर जीवन इसी प्रकार आगे बढ़ता रहता है। रबाडा ने साथ ही कहा, मैं अपनी इस गलती को कभी भी माफ नहीं करूंगा। कुछ लोग ऐसे हैं जो मेरे टीम के साथी हैं। मैंने उनसे पहले ही बात कर ली है और मुझे लगता है कि जब हम लंबे समय तक साथ मिलेंगे तो हम इस बारे में और विस्तार से बात कर सकते हैं।

प्रतिबंध के कारण ही गुजरात टाइटन्स टीम को उन्हें सत्र के बीच में ही छोड़ना पड़ा था हालांकि इसकी उनके स्वदेश लौटने की जानकारी तब हुई जब वह प्रतिबंध समाप्त करने के करीब थे। वह 11 से 15 जून तक लॉर्ड्स में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले फाइनल मैच में खेलेंगे।

दक्षिण अफ्रीका टीम इस प्रकार है : टेम्बा बावुमा (कप्तान), टोनी डी ज़ोरज़ी, एडेन मार्करम, वियान मुल्डर, मार्को जेनसन, कागिसो रबाडा, केशव महाराज, लुंगी एनगिडी, कॉर्बिन बॉश, काइल वेरिन, डेविड बेडिंघम, ट्रिस्टन स्टब्स, रयान रिकेल्टन, सेनुरन मुथुसामी, डेन पैटरसन।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

पाकिस्तान ...

शर्मिष्ठा को कोलकाता पुलिस अपने साथ ले गई और शनिवार को उसे कोलकाता की अलीपुर कोर्ट में पेश किया। अलीपुर कोर्ट ने गंभीर अपराधी शर्मिष्ठा को जमानत नहीं दी और उसे जेल भेज दिया गया। पूरा देश ऐसी अदालतों के ऐसे कृत्य पर स्तब्ध रह गया है।

यह विवाद 14 मई को शुरू हुआ जब एक पाकिस्तानी मुस्लिम हैंडलर ने पहलगाम आतंकी हमले में 24 हिंदुओं के नरसंहार को हल्के में लेने की कोशिश की। शर्मिष्ठा ने गुस्से में उस पाकिस्तानी हैंडल का मजाक उड़ाया और पूछा कि क्या उन्हें पहलगाम और अन्य पाकिस्तान प्रायोजित आतंकी हमलों की जानकारी है। शर्मिष्ठा ने यह भी सवाल किया कि क्या भारतीय सेना को इन हमलों के खिलाफ कुछ नहीं करना चाहिए था? इसके बाद पाकिस्तानी और भारतीय मुस्लिम यूजर्स को जब कोई तर्क नहीं सूझा तो अपनी सड़ियल आदतों के मुताबिक शर्मिष्ठा के वीडियो को इस्लाम और पैगंबर मोहम्मद के अपमान से जोड़ कर गंदी धमकियां देनी शुरू कर दी।इन धमकियों से दबाव में आई लड़की ने अपना वीडियो डिलीट कर दिया और बिना शर्त माफी भी मांग ली। लेकिन कट्टरपंथियों को इससे कहां चैन मिलता। सरकार और अदालतें भी ऐसे ही कट्टरपंथियों के साथ खड़ी हो तो शर्मिष्ठा की माफी से क्या होता है। उसके खिलाफ फौरन केस दर्ज हो गया और फौरन गिरफ्तारी वारंट भी जारी हो गया। कोलकाता पुलिस ने फौरन गुरुग्राम आकर शर्मिष्ठा को गिरफ्तार कर लिया। देश का कानून और देश का नागरिक ऐसी व्यवस्था पाकर धन्य हो गया। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने सही कहा था कि देश में दंगा भड़काने और साम्प्रदायिक घृणा पैदा करने के लिए अदालतें जिम्मेदार हैं। शर्मिष्ठा की इस तरह की गई गिरफ्तारी पर तमाम बुद्धिजीवी, प्रगतिशील और धर्मनिरपेक्षी जमातें शातिराना चुप्पी साधे बैठी हैं। फिल्म अभिनेत्री एवं सांसद कंगना राणावत ने सामने आकर बंगाल सरकार और अदालत से कहा है कि वे शर्मिष्ठा को परेशान न करें और उसे तत्काल रिहा करें।

कुख्यात आतंकवादी...

कतर के पूर्व प्रधानमंत्री शेख हमद बिन जसीम बिन जाबेर अल थानी ने प्रिंस के आधिकारिक लंदन निवास क्लेरेंस हाउस में निजी ऑफ-द-बुक मीटिंग के दौरान तीन डिलीवरी में ब्रिटिश सिंहासन के उत्तराधिकारी को बड़ी रकम दी थी। यहां यह विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि शेख हमद बिन जसीम बिन जाबेर अल थानी फिलिस्तीन के आतंकवादी संगठन हमास का कट्टर समर्थक है। उसे यहूदियों से घोर नफरत है और इजराइल राज्य का वह हिंसक विरोधी है। इस्लामवादी कतरी शेख 3 मिलियन यूरो के नोटों का ढेर लेकर आया था, जो आज के विनिमय दरों के मुताबिक लगभग 3.2 मिलियन अमेरिकी डॉलर है। चार्ल्स को मिले उपहारों में बेशुमार नकदी के साथ ही बेशकीमती डफल बैग, एक सूटकेस और प्रसिद्ध फ़ोर्टनम और मेसन डिपार्टमेंट स्टोर से कई ब्रांडेड शॉपिंग बैग वगैरह भी शामिल थे।

ममता को सिंदूर...

उन्होंने कहा, हमें पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनानी है, घुसपैठ रोकनी है, भ्रष्टाचार रोकना है, हिंदुओं पर हो रही हिंसा रोकनी है, हिंदुओं का पलायन रोकना है।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नेताजी इंडोर स्टेडियम में भाजपा कार्यकर्ताओं की विशेष संगठनात्मक बैठक में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने 2026 विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा के रोडमैप पर चर्चा की और तृणमूल कांग्रेस को खूब खरी-खोटी सुनाई। अमित शाह ने कहा, वर्षों तक बंगाल में कम्युनिस्टों का शासन रहा। उसके बाद ममता बनर्जी मां, माटी, मानुष का नारा देकर आईं। उन्होंने बंगाल की महान भूमि को घुसपैठ, महिलाओं पर अत्याचार, अपराध, बम विस्फोट और हिंदुओं के साथ अनैतिकता की भूमि में बदल दिया। ममता के सीएम बनने के बाद पश्चिम बंगाल में सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ताओं की हत्या कर दी गई। दीदी, मेरी बात सुनिए, अब आपका समय खत्म हो गया है। 2026 में भाजपा सरकार बनाएगी।

भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, मैं भरोसा दिलाता हूं कि जैसे ही तृणमूल कांग्रेस सत्ता से हटेगी, हमारे पार्टी कार्यकर्ताओं की हत्याओं के लिए जिम्मेदार लोगों को सजा मिलेगी, भले ही वे जमीन के नीचे क्यों न छिपे हों। अमित शाह ने कहा, पश्चिम बंगाल का चुनाव न केवल बंगाल का भविष्य तय करेगा, बल्कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा से भी जुड़ा है।

ममता बनर्जी ने बांग्लादेशियों के लिए देश की सीमाएं खोल दी हैं। वह घुसपैठ की इजाजत दे रही हैं। ममता बनर्जी घुसपैठ नहीं रोक सकतीं, केवल भाजपा सरकार ही ऐसा कर सकती है। हमने उनसे बाड़ लगाने के लिए जमीन मांगी है। वह सीमा पर जमीन नहीं दे रही हैं, ताकि घुसपैठ जारी रहे और उनका वोट बैंक बढ़ता रहे और ममता के बाद ममता का भतीजा सीएम बन जाए। लेकिन ऐसा नहीं होने वाला है।

दोगले मापदंडों ...

शर्मिष्ठा की गिरफ्तारी से उठ रहे इन सवालों का जवाब पूरा देश मांग रहा है। पुणे के सिम्बायोसिस लॉ कॉलेज की 22 वर्षीय छात्रा शर्मिष्ठा को 30 मई 2025 को कोलकाता पुलिस ने गुरुग्राम से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी की वजह क्या थी? ऑपरेशन सिंदूर पर एक इंस्टाग्राम वीडियो, जिसे उसने बाद में डिलीट भी कर दिया। पाकिस्तान की ट्रोल आर्मी की तरफ से मिलने वाली धमकियों और गाली-गलौज का जवाब देते हुए शर्मिष्ठा ने एक टिप्पणी की, जिसके बाद उसे भारत में बैठे इस्लामिक कट्टरपंथियों ने बलात्कार, हत्या और सिर तन से जुदा जैसे नारों के साथ भयानक धमकियां देनी शुरू कर दीं। सोशल मीडिया पर ऐसी खतरनाक और जानलेवा धमकियों की लाइन लग गई। लेकिन देश के कानून ने इन निर्लज्ज धमकियों का कोई संज्ञान नहीं लिया।निर्लज्जता का चरम है कि अलीपुर कोर्ट ने मासूम शर्मिष्ठा को 13 दिनों की न्यायिक हिरासत में जेल भी भेज दिया है। जबकि, जिन सैकड़ों इस्लामिक कट्टरपंथियों ने शर्मिष्ठा को जान से मारने, और उसका बलात्कार करने की धमकियां दी थीं, वे सभी छुट्टा घूम रहे हैं। आज भारत में जो तत्व असली जहर फैला रहे हैं, वे खुद को साहित्यकार, एक्टिविस्ट और तथाकथित पत्रकार बताते हैं। एक ओर मोहम्मद जुबैर जैसे लोग हैं, जो हिंदू देवी-देवताओं के खिलाफ अपमानजनक मीम्स फैलाता है और झूठे नैरेटिव गढ़ता है। फिर भी उन्हें फैक्ट चेकर कहा जाता है। उधयनिधि स्टालिन जैसा नेता सनातन धर्म को गंदा कीड़ा बताता है, लेकिन उस पर कोई कार्रवाई नहीं होती। लीना मणिमेकलई जैसी फिल्ममेकर मां काली को सिगरेट और समलैंगिक झंडे के साथ दिखा कर कला की आड़ में अपमान करती है। लेकिन उस पर कभी अदालतें ध्यान नहीं देतीं। ये उस जमात के प्रतिनिधि हैं जो किसी न किसी रूप में हिंदू-विरोध का एजेंडा फैलाने में जुटे हैं और विडंबना यह है कि इनके पीछे तथाकथित सेकुलर ताकतों, अंतरराष्ट्रीय एनजीओ नेटवर्क और कुछ राजनीतिक दलों का खुला समर्थन है।कोलकाता से पुलिस गुरुग्राम आकर शर्मिष्ठा को गिरफ्तार कर ले जाती है, लेकिन मुर्शिदाबाद दंगों में जहां हिंदू घरों को जलाया गया, मंदिरों को अपवित्र किया गया और निर्दोष लोगों की जानें ली गईं, वहां पुलिस कहां और क्यों गायब थी? हरगोबिंद दास और उनके बेटे चंदन की निर्मम हत्या कर दी गई, वहां पुलिस कहां और क्यों गायब थी? हजारों लोगों ने कुछ ही घंटों में वहां से पलायन किया, तब सरकार और पुलिस कहां और क्यों गायब थी? मुर्शिदाबाद दंगे का मास्टरमाइंड आज तक क्यों नहीं गिरफ्तार किया गया? इन गंभीर सवालों में घिरी बंगाल या कोलकाता पुलिस ने शर्मिष्ठा को गिरफ्तार कर खुद को और पूरी बंगाल सरकार को देश के सामने नंगा कर दिया है। कोलकाता पुलिस 22 साल की छात्रा को गिरफ्तार करने में तेजी दिखाती है लेकिन धार्मिक मंचों से नफरत फैलाने वाले कट्टरपंथी मौलानाओं को पकड़ने में अपना हिजड़त्व प्रदर्शित करती है। क्या इसे ही लोकतंत्र कहते हैं? 22 वर्षीय छात्रा को सोशल मीडिया पोस्ट के लिए अपराधी बना दिया जाता है, लेकिन सैकड़ों गरीब-मासूम लोगों की जिंदगी से खिलवाड़ करने वाले दंगाइयों और उनके सूत्रधारों को हाथ तक नहीं लगाया जाता, क्या इसे ही लोकतंत्र कहते हैं? अधर्मी धर्मनिरपेक्षों, दुर्गतिगामी प्रगतिशीलों, दुर्बुद्धिजीवियों और हिंदुओं का कुतर्की विरोध कर खुद को महान समझने वाले स्खलित लोगों से सीधा सवाल है कि जब शर्मिष्ठा को बलात्कार और सिर तन से जुदा करने की खुलेआम धमकियां मिल रही थीं, तब तुम्हारी नैतिकता कहां घुसी हुई थी? क्या सिर्फ हिंदुओं और हिंदू देवी-देवताओं को गालियां देना ही तुम्हारा लोकतंत्र है? क्या सनातनी भावनाओं को कुचलना ही तुम्हारी आजादी है? क्या भारत को गालियां देना और कोसना ही तुम्हारी अभिव्यक्ति की आजादी है? क्या यही तुम्हारा सेलेक्टिव डेमोक्रेसी है?

सेना का ...

फिर भी, रेड्डी इन्हें दोहरा रहे हैं, शायद कांग्रेस के राहुल गांधी और सोनिया गांधी को खुश करने के लिए रेवंत रेड्डी ऐसी हरकतें कर रहे हैं। उन्होंने सवाल किया कि क्या रेड्डी को भारतीय सेना पर भरोसा नहीं है? सुभाष ने रेड्डी पर राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे गंभीर मुद्दों को नजरअंदाज कर सुर्खियों में रहने का आरोप लगाया। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा, रेवंत रेड्डी देश के साथ एकजुटता दिखाने के बजाय मिस वर्ल्ड के साथ अखबार के पहले पन्ने पर छपना ज्यादा जरूरी समझते हैं।उल्लेखनीय है कि सीएम रेवंत रेड्डी ने कांग्रेस की जय हिंद यात्रा में कहा था कि मोदी अब अमान्य 1000 रुपए के नोट जैसे हो गए हैं। अब देश को राहुल गांधी जैसे नेता की जरूरत है। रेवंत ने खुशामदी अंदाज में यहां तक बोल दिया कि राहुल गांधी अगर प्रधानमंत्री होते तो इंदिरा गांधी से प्रेरणा लेकर पीओके वापस ले चुके होते। रेवंत रेड्डी ने यह भी पूछा था कि ऑपरेशन सिंदूर में कितने पाकिस्तानी लड़ाकू विमान मारे गए। रेड्डी ने कहा था कि मोदी सरकार बलूचिस्तान को आजाद कराने और पीओके पर कब्जा करने में नाकाम रही।

जून में होगा निर्जला एकादशी व्रत और गुप्त नवरात्रि

जून में कई व्रत और त्योहार आने वाले हैं। इस महीने गंगा दशहरा से लेकर जगन्नाथ रथ यात्रा तक कई व्रत और त्योहार आएंगे। इस महीने निर्जला और योगिनी एकादशी मनाई जाएगी। इसके साथ ही जून में संकष्टी चतुर्थी, ज्येष्ठ पूर्णिमा और आषाढ़ अमावस्या कब मनाई जाएगी। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि जून का महीना धार्मिक दृष्टि से काफी खास होता है, क्योंकि इस दौरान जल से जुड़े व्रत-त्योहारों का विशेष महत्व होता है। इस महीने में मां दुर्गा की आराधना के लिए गुप्त नवरात्रि का आयोजन होता है, जिसमें दस महाविद्याओं की पूजा की जाती है। यह साधना गुप्त रूप से की जाती है और आध्यात्मिक रूप से बेहद शक्तिशाली मानी जाती है। इस बार जून में ज्येष्ठ और आषाढ़ मास का संयोग बन रहा है, जिससे इस महीने के पर्व और भी खास हो जाते हैं। इस दौरान गंगा दशहरा, निर्जला एकादशी, वट पूर्णिमा, गुप्त नवरात्रि और जगन्नाथ रथ यात्रा जैसे कई प्रमुख व्रत और त्योहार मनाए जाएंगे।

साल 2025 का जून महीना रविवार के दिन से शुरू हो रहा है और पंचांग के अनुसार 1 जून को ज्येष्ठ शुक्ल षष्ठी तिथि है और इस दिन स्कंद षष्ठी भी है। और यह महीना आश्लेषा नक्षत्र में शुरू होगा और इस महीने कई त्योहार और ग्रह गोचर होने वाले हैं। इस महीने गंगा दशहरा, निर्जला एकादशी, वट सावित्री पूर्णिमा समेत अन्य अहम त्योहार मनाए जाएंगे। इसके साथ ही जून में बुध, मंगल और सूर्य का गोचर भी होने वाला है। और महीने के अंत में जगन्नाथ रथ यात्रा निकलेगी। ऐसे में यह महीना कई व्रत और त्योहारों वाला है। ऐसे में आइये जानते हैं जून में एकादशी, पूर्णिमा, अमावस्या समेत कौन कौन से व्रत त्योहार आने वाले हैं।

गंगा दशहरा

गंगा दशहरा का पर्व 5 जून को मनाया जाएगा। गंगा दशहरा ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि पर मनाया जाता है। गंगा दशहरा के दिन गंगा स्नान करने, दान पुण्य करने का बड़ा महत्व है। इस दिन गंगा स्नान करने से सभी प्रकार के पापों से मुक्ति मिलती है।

निर्जला एकादशी

निर्जला एकादशी का व्रत 6 जून को रखा जाएगा। निर्जला एकादशी श्रेष्ठ मानी जाती है और मान्यता है कि इसका व्रत रखने से सभी एकादशी के बराबर फल मिलता है। इस दिन निर्जल व्रत रखा जाता है। निर्जला एकादशी का पारण 7 जून को होगा।

रवि प्रदोष व्रत

ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि यानी 8 जून को प्रदोष व्रत रखा जाएगा। इस दिन रविवार होने की वजह से इसे रवि प्रदोष व्रत के तौर पर मनाया जाएगा। इस दिन भगवान शिव की विशेष पूजा अर्चना होती है। इसके साथ ही रवि प्रदोष व्रत पितृ शांति के लिए भी अहम माना जाता है।

वट सावित्री पूर्णिमा व्रत

वट सावित्री पूर्णिमा व्रत 10 जून को रखा जाएगा। वट सावित्री पूर्णिमा व्रत पति की लंबी आयु के लिए रखा जाता है। मुख्यतः वट सावित्री पूर्णिमा व्रत दक्षिण भारत के राज्यों, महाराष्ट्र और गुजरात में रखा जाता है। जबकि उत्तर भारत के अधिकतर राज्यों में वट सावित्री व्रत ज्येष्ठ अमावस्या के दिन रखा जाता है।

ज्येष्ठ पूर्णिमा व्रत

ज्येष्ठ पूर्णिमा व्रत 11 जून को रखा जाएगा। ज्येष्ठ पूर्णिमा तिथि 10 जून को सुबह 11.35 बजे से 11 जून की दोपहर 1.13 बजे तक रहेगी। ज्येष्ठ पूर्णिमा का व्रत संतान के लिए रखा जाता है। इसके साथ ही ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन यानी 11 जून को चंद्रोदय 7.41 बजे होगा। इस दिन संत कबीर जयंती भी है। इसे संत कबीर के जन्मदिवस के तौर पर मनाया जाता है।

योगिनी एकादशी

योगिनी एकादशी का व्रत 21 जून को रखा जाएगा। योगिनी एकादशी को लेकर मान्यता है कि इसका व्रत रखने वालों के सभी पाप दूर हो जाते हैं और 88 हजार ब्राह्मणों को भोजन कराने के बराबर लाभ मिलता है। इसके साथ ही इसे तीनों लोकों में मनाया जाता है।

मासिक शिवरात्रि/सोम प्रदोष व्रत

मासिक शिवरात्रि और सोम प्रदोष व्रत 23 जून को रखा जाएगा। सोमवार के दिन त्रयोदशी तिथि आती है तो उस दिन के प्रदोष व्रत को सोम प्रदोष व्रत के नाम से जाना जाता है। सोम प्रदोष व्रत का पूजा मुहूर्त 23 जून को शाम 7.22 से 9.23 बजे तक है।

आषाढ़ अमावस्या

आषाढ़ अमावस्या 25 जून को है। आषाढ़ कृष्ण अमावस्या तिथि पितरों के पूजन के लिए अहम मानी जाती है। इसके साथ ही इस दिन पवित्र नदी में स्नान करने, दान और पुण्य कर्म करने का बड़ा महत्व रहता है।

गुप्त नवरात्र

गुप्त नवरात्र 26 जून से शुरू हो रहे हैं। इसी दिन सुबह 5.25 बजे से 6.58 बजे के बीच घट स्थापना की जाएगी। इसके साथ ही अलग-अलग तरह के अनुष्ठान इस दिन किए जाते हैं। मां दुर्गा का पूजन होता है। गुप्त नवरात्र में शारदीय नवरात्र की तरह पूजन और अनुष्ठान किए जाते हैं।

श्रीजगन्नाथ रथयात्रा

भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा 27 जून को शुरू होगी। इसे ओडिशा राज्य में धूमधाम से मनाया जाता है। जगन्नाथ पुरी में रथ यात्रा उत्सव मनाया जाता है और भगवान जगन्नाथ के साथ-साथ उनके भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा की भी इस दौरान पूजा की जाती है।

जून माह के व्रत त्योहार

4 जून: महेश नवमी
5 जून: गंगा दशहरा
6 जून: निर्जला एकादशी
8 जून: प्रदोष व्रत
10 जून: वट सावित्री पूर्णिमा व्रत
11 जून: कबीरदास जयंती, ज्येष्ठ पूर्णिमा
12 जून: आषाढ़ माह शुरू
14 जून: कृष्ण पिंगल संकष्टी चतुर्थी
15 जून: मिथुन संक्रांति
21 जून:योगिनी एकादशी
23 जून: प्रदोष व्रत, मासिक शिवरात्रि
25 जून:आषाढ़ अमावस्या
26 जून:आषाढ़ गुप्त नवरात्रि
27 जून:जगन्नाथ रथ यात्रा
28 जून: विनायक चतुर्थी

जून माह के ग्रह गोचर

06 जून: बुध का मिथुन राशि में गोचर
07 जून: मंगल का सिंह राशि में गोचर
09 जून: बृहस्पति मिथुन राशि में अस्त
11 जून: बुध का मिथुन राशि में उदय
15 जून: सूर्य का मिथुन राशि में गोचर
22 जून: बुध का कर्क राशि में गोचर
29 जून: शुक्र का वृषभ राशि में गोचर

जून में ग्रहों का नक्षत्र परिवर्तन

सूर्य नक्षत्र परिवर्तन- 8 जून को मृगशिरा और 22 जून को आर्द्रा नक्षत्र में गोचर

बुध नक्षत्र परिवर्तन- 9 जून को आर्द्रा, 16 जून को पुनर्वसु और 25 जून को पुष्य नक्षत्र में गोचर

शुक्र नक्षत्र परिवर्तन- 13 जून को भरणी और 26 जून को कृतिका नक्षत्र में गोचर

मंगल नक्षत्र परिवर्तन- 7 जून को मघा और 30 जून पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र में गोचर

गुरु नक्षत्र परिवर्तन- 14 जून को आर्द्रा और 30 जून को पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र में गोचर

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

रवि योग समेत कई मंगलकारी संयोग में मनाई जाएगी महेश नवमी

ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि देवों के देव महादेव को समर्पित होता है। इस दिन महेश नवमी मनाई जाती है। ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि पर भगवान शिव और मां पार्वती की भक्ति भाव से पूजा की जाती है। महादेव की पूजा एवं भक्ति करने से साधक की हर मनोकामना पूरी होती है। साथ ही जीवन में व्याप्त सभी प्रकार के दुख एवं संकट दूर हो जाते हैं।ज्योतिषियों की मानें तो कई मंगलकारी योग में महेश नवमी मनाई जाएगी। इन योग में भगवान शिव की पूजा करने से आरोग्य जीवन का वरदान मिलता है। साथ ही सुख और सौभाग्य में वृद्धि होगी।

महेश नवमी शुभ मुहूर्त

वैदिक पंचांग के अनुसार, 04 जून को महेश नवमी है। वहीं, ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि की शुरुआत 03 जून को रात 09 बजकर 56 मिनट पर होगी। वहीं, 04 जून को देर रात 11 बजकर 54 मिनट पर नवमी तिथि समाप्त होगी।

रवि योग

ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि पर रवि योग का संयोग दिन भर है। इस योग में भगवान शिव और मां पार्वती की पूजा करने से शारीरिक एवं मानसिक कष्टों से मुक्ति मिलेगी। साथ ही साधक को करियर और कारोबार में सफलता मिलेगी।

शिववास योग

महेश नवमी पर दुर्लभ शिववास योग का संयोग दिन भर है। इस दौरान भगवान शिव कैलाश पर रहेंगे। कहते हैं कि भगवान शिव के कैलाश पर रहने के दौरान अभिषेक करने से साधक के सुख और सौभाग्य में वृद्धि होती है। साथ ही जीवन में आने वाली बलाएं टल जाती हैं।

नक्षत्र एवं चरण

महेश नवमी पर उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र का भी निर्माण हो रहा है। साथ ही बालव एवं कौलव करण के संयोग हैं। इन योग में भगवान शिव की पूजा करना उत्तम माना जाता है।

पंचांग

सूर्योदय - सुबह 05 बजकर 23 मिनट पर

सूर्यास्त - शाम 07 बजकर 19 मिनट पर

चंद्रोदय- शाम 08:35 मिनट पर

चन्द्रास्त- सुबह 05: 46 मिनट पर

ब्रह्म मुहूर्त - सुबह 04 बजकर 02 मिनट से 04 बजकर 42 मिनट तक

विजय मुहूर्त - दोपहर 02 बजकर 41 मिनट से 03 बजकर 36 मिनट तक

गोधूलि मुहूर्त - शाम 07 बजकर 18 मिनट से 07 बजकर 38 मिनट तक

निशिता मुहूर्त - रात्रि 12 बजकर 01 मिनट से 12 बजकर 41 मिनट तक

इन राशियों पर बरसेगी शनिदेव की कृपा, सोने की तरह चमकेगी किस्मत

न्याय के देवता शनिदेव की महिमा बड़ी निराली है। अच्छे कर्म करने वाले कभी खाली हाथ नहीं रहते हैं। उन्हें समय के साथ जीवन में सभी प्रकार के भौतिक सुखों की प्राप्ति होती है। साथ ही करियर और कारोबार में मनमुताबिक सफलता मिलती है। वहीं, बुरे कर्म करने वाले लोगों को शनिदेव निश्चित समय यानी पुण्य कर्म समाप्त होने के बाद अवश्य ही दण्डित करते हैं।ज्योतिषियों की मानें तो जून महीने में तीन राशि के जातकों पर शनिदेव की असीम कृपा बरसने वाली है। इससे उनके जीवन में नया सवेरा होगा। साथ ही सभी रुके या बिगड़े काम बनने लगेंगे। इसके साथ ही करियर में भी नया चांस मिलेगा।

वृषभ राशि–वृषभ राशि के जातकों को जून महीने में शुभ फल मिलने के योग बन रहे हैं। सेहत अच्छी रहेगी। आप में संतोष की भावना बढ़ेगी। वाणी से मधुर होंगे। शत्रुओं पर जीत मिलेगी। दीर्घायु और यशस्वी होंगे। सुख और सौभाग्य में वृद्धि होगी। सामान्य मानसिक या शारीरिक कष्ट से मुक्ति मिलेगी। धन-संपत्ति में वृद्धि होगी। गुणीजनों से आपको लाभ होगा। आमदनी बढ़ सकती है। निवेश से भी लाभ देखने को मिलेगा।

मिथुन राशि–मिथुन राशि वालों के लिए समय बेहद उत्तम है। वर्तमान समय में गुरु का गोचर आपके लिए लाभप्रद रहने वाला है। वहीं, शनिदेव की कृपा से मन प्रसन्न रहेगा। धार्मिक कार्यों में रूचि बढ़ेगी। इस दौरान दान-पुण्य करने का भी मौका मिलेगा। बड़ों का प्यार और सम्मान मिलेगा। स्वभाव से आप विनम्र होंगे। अपनी वाणी से लोगों का दिल जीतने में सफल होंगे। इस महीने आप कठिन मेहनत करेंगे। ईश्वर में आस्था बढ़ेगी। राजनीति से जुड़े लोगों को लाभ मिलेगा। आपकी प्रसिद्धि बढ़ेगी। सरकारी तंत्र से धन लाभ हो सकता है।

तुला राशि –वर्तमान समय तुला राशि के जातकों के लिए समय बेहद उत्तम है। शनिदेव की कृपा से आपको अधिकतर कामों में सफलता मिलेगी। सेहत से आप निरोग रहेंगे। जीवन में सकारात्मक शक्ति में ऊर्जा का संचार होगा। इससे आप अपने काम को बेहतर तरीके से करेंगे। पाचन संबंधी परेशानी दूर होगी। भूख अधिक लग सकती है। बड़े भाई से प्यार और स्नेह मिलेगा। शत्रुओं में आपका भय रहेगा। हालांकि, आपको घमंड से बचना होगा। इसके साथ ही विषय रत से भी दूर रहना होगा। शनिदेव की कृपा पाने के लिए शनिवार के दिन काले चीजों का दान करें।

महाभारत और चक्रव्यूह

महाभारत युद्ध में, कौरवों ने पांडवों को फंसाने के लिए चक्रव्यूह नामक एक व्यूह बनाया था। इस चक्रव्यूह को केवल कुछ ही योद्धा भेद सकते थे, जिनमें अर्जुन, अभिमन्यु और कृष्ण शामिल थे।

भगवान श्रीकृष्ण की नीति के चलते अर्जुन के पुत्र अभिमन्यु को चक्रव्यूह को भेदने का आदेश दिया गया। यह जानते हुए भी कि अभिमन्यु चक्रव्यूह भेदना तो जानते हैं, लेकिन उससे बाहर निकलना नहीं जानते। दरअसल, अभिमन्यु जब सुभद्रा के गर्भ में थे तभी चक्रव्यूह को भेदना सीख गए थे लेकिन बाद में उन्होंने चक्रव्यूह से बाहर निकलने की शिक्षा कभी नहीं ली। अभिमन्यु श्रीकृष्ण के भानजे थे।

कहते हैं कि चक्रव्यूह की रचना द्रोण ने की थी। इस व्यूह को एक घूमते हुए चक्के की शक्ल में बनाया जाता था, जैसे आपने स्पाइरल को घूमते हुए देखा होगा। इस चक्रव्यूह को देखने पर इसमें अंदर जाने का रास्ता तो नजर आता है, लेकिन बाहर निकलने का रास्ता नजर नहीं आता। यह तो कोई बहुत ध्यान से देखें तो ही संभव होगा लेकिन इसके लिए आपको आकाश से देखना होगा। यदि देख भी लें तो यह चक्रव्यूह तो घूमता ही रहता है।

कोई भी नया योद्धा इस व्यूह के खुले हुए हिस्से में घुसकर वार करता है या किसी एक सैनिक को मारकर अंदर घुस जाता है। यह समय क्षणभर का होता है, क्योंकि मारे गए सैनिक की जगह तुरंत ही दूसरा सैनिक ले लेता है अर्थात योद्धा के मरने पर चक्रव्यूह में उसके बगल वाला योद्धा उसका स्थान ले लेगा, क्योंकि सैनिकों की पहली कतार घूमती रहती है। जब कोई अभिमन्यु जैसा योद्धा व्यूह की तीसरी कतार में पहुंच जाता है तब उसके बाहर निकलने के रास्ते बंद हो जाते हैं। यदि वह पीछे मुड़कर देखेगा तो पता चलेगा कि पीछे तो सैनिकों की कतारबद्ध फौज खड़ी है। चक्रव्यूह के घुस जाने के बाद अब योद्धा चौथे स्तर के बलिष्ठ योद्धाओं के सामने खुद को खड़ा पाता है।

भगवान श्रीकृष्ण की नीति के चलते अर्जुन के पुत्र अभिमन्यु को चक्रव्यूह को भेदने का आदेश दिया गया। अभिमन्यु जब सुभद्रा के गर्भ में थे तभी चक्रव्यूह को भेदना सीख गए थे ।

प्रारंभ में यही सोचा गया था कि अभिमन्यु चक्रव्यूह को तोड़ेंगे और उसके साथ अन्य योद्धा भी उनके पीछे से चक्रव्यूह में अंदर घुस जाएंगे। लेकिन जैसे ही अभिमन्यु घुसे और चक्रव्यूह फिर से बदला और पहली कतार पहले से ज्यादा मजबूत हो गई तो पीछे के योद्धा, भीम, सात्यकी, नकुल-सहदेव कोई भी अंदर घुस ही नहीं पाए। जैसा कि महाभारत में द्रोणाचार्य भी कहते हैं कि लगभग एक ही साथ दो योद्धाओं को मार गिराने के लिए बहुत कुशल धनुर्धर चाहिए। युद्ध में शामिल योद्धाओं में अभिमन्यु के स्तर के धनुर्धर दो-चार ही थे यानी थोड़े ही समय में अभिमन्यु चक्रव्यूह के और अंदर घुसते तो चले गया, लेकिन अकेले, नितांत अकेला। उनके पीछे कोई नहीं आया।

चक्रव्यूह में प्रवेश करने के बाद अभिमन्यु ने कुशलतापूर्वक चक्रव्यूह के 6 चरण भेद लिए। इस दौरान अभिमन्यु द्वारा दुर्योधन के पुत्र लक्ष्मण का वध किया गया। अपने पुत्र को मृत देख दुर्योधन के क्रोध की कोई सीमा न रही। तब कौरवों ने युद्ध के सारे नियम ताक में रख दिए।

6 चरण पार करने के बाद अभिमन्यु जैसे ही 7वें और आखिरी चरण पर पहुंचे, तो उन्हें दुर्योधन, जयद्रथ आदि 9 महारथियों ने घेर लिया। अभिमन्यु फिर भी साहसपूर्वक उनसे लड़ते रहे। सभी ने मिलकर अभिमन्यु के रथ के घोड़ों को मार दिया। फिर भी अपनी रक्षा करने के लिए अभिमन्यु ने अपने रथ के पहिए को अपने ऊपर रक्षा कवच बनाते हुए रख लिया और दाएं हाथ से तलवारबाजी करते रहे। कुछ देर बाद अभिमन्यु की तलवार टूट गई और रथ का पहिया भी चकनाचूर हो गया।

अब अभिमन्यु निहत्थे थे। युद्ध के नियम के तहत निहत्थे पर वार नहीं करना था। किंतु तभी जयद्रथ ने पीछे से निहत्थे अभिमन्यु पर जोरदार तलवार का प्रहार किया। इसके बाद एक के बाद एक सभी योद्धाओं ने उन पर वार पर वार कर दिए। अभिमन्यु वहां वीरगति को प्राप्त हो गये।

अभिमन्यु की मृत्यु का समाचार जब अर्जुन को मिला तो वे बेहद क्रोधित हो उठे और अपने पुत्र की मृत्यु के लिए शत्रुओं का सर्वनाश करने का फैसला किया।

अभिमन्यु की कहानी की प्रासंगिकता को बाहर लाने का और निखारने की सोच के साथ चक्रव्यूह नाटक लिखा गया और अतुल सत्य कौशिक का यह प्रयास रंग लागया। इस चक्रव्यूह नाटक के अब तक 150 से अधिक शो हो चुके हैं। देशभर में इसकी असंख्य प्रस्तुतियां हो चुकी हैं। नाटक चक्रव्यह का मंचन पार्लियमेंट हाउस में भी किया गया है और देश भर ने इसको सराहा है। अब हैदराबाद में इसके दो शो निर्धारित है। जो आगामी रविवार, दि. 8 जून, 2025 को शिल्पा कला वेदिका ऑडोटोरियम में आयोजित किये जा रहे हैं। जो अपराह्न 4.30 और रात्रि 7.30 से प्रारंभ होंगे। नाटक चक्रव्यूह पहली बार हैदराबाद में किया जा रहा है। इसमें मुख्य भूमिका में हैं टेलीविजन और रंगमंच पर लगभग 30 वर्षों से भगवान श्रीकृष्ण के पात्र को निभाने वाले नितीश भारद्वार।

मिस वर्ल्ड 2025 ओपल सुचाता ने खोला सफलता का राज

थाईलैंड की ओपल सुचाता चुआंगसरी ने मिस वर्ल्ड 2025 का ताज अपने नाम किया। उन्होंने अपनी जीत का मंत्र साझा करते हुए बताया कि 'धैर्य' और 'दृढ़ संकल्प' ही वो दो शब्द हैं, जिनके चलते वह सफलता हासिल कर पाई हैं। इस साल मिस वर्ल्ड 2025 का आयोजन हैदराबाद के तेलंगाना में किया गया। ग्रैंड फिनाले में चुआंगसरी ने वाइट कलर का गाउन पहना था, जिस पर ओपल जैसे फूल बने हुए थे। चेक गणराज्य की मौजूदा मिस वर्ल्ड क्रिस्टीना पिस्जकोवा ने अपना ताज नई मिस वर्ल्ड को सौंपा। यह थाईलैंड की पहली बड़ी ब्यूटी पेजेंट जीत है।

मिस वर्ल्ड का खिताब जीतने के बाद चुआंगसरी ने मीडिया से बात की।

अपनी सफलता का राज बताते हुए उन्होंने मीडिया से कहा, हमेशा खुद पर भरोसा रखो। अपनी असली सोच और मान्यताओं पर डटे रहो। मैं आज यहां इसलिए हूं क्योंकि मैंने अपने फोकस को बनाए रखा और खुद पर भरोसा रखा। साथ ही, अपने आप से प्यार करना कभी मत भूलो। उन्होंने आगे कहा, यह हमेशा आसान नहीं होता, कभी-कभी बहुत थकावट होती है और हिम्मत टूट जाती है। लेकिन अगर आप हार नहीं मानेंगे, तो आप एक दिन मंजिल तक जरूर पहुंच ही जाएंगे।

आपको बता दें कि मिस वर्ल्ड 2025 में दुनियाभर से करीब 108 प्रतियोगियों ने हिस्सा लिया था। भारत की ओर से मॉडल नंदिनी गुप्ता ने इसमें हिस्सा लिया। हालांकि, वे मिस वर्ल्ड 2025 के खिताब की दौड़ में टॉप-20 तक ही जगह बना पाई। मिस वर्ल्ड के फिनाले की होस्ट मिस वर्ल्ड 2016 रह चुकीं स्टेफनी डेल वैले ने की। उन्होंने इवेंट में पारंपरिक भारतीय लहंगा पहना था। इवेंट में जैकलीन फर्नांडीज और ईशान खट्टर ने भी प्रस्तुति दी। 72वें मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता में जज के तौर पर सोनू सूद शामिल थे, उन्हें ह्यूमैनिटेरियन अवार्ड भी दिया गया। भारत में अब तक तीन बार मिस वर्ल्ड की प्रतियोगिता आयोजित की जा चुकी है। अब तक सबसे ज्यादा खिताब जीतने वालों में भारत सबसे आगे है। भारत ने 6 बार ये खिताब जीता है। आखिरी बार इसे जीतने वाली भारत मानुषी छिल्लर थीं।

जब कैटरीना को दिल पर लग गई थी सलमान खान की ये बात, जो कहा वो 5 साल बाद सच करके दिखाया

सलमान खान और कैटरीना कैफ ने बॉलीवुड में कई फिल्मों में साथ काम किया है। दोनों ने रील लाइफ के साथ ही अपने अफेयर के चलते रियल लाइफ में भी खूब सुर्खियां बटोरीं। दोनों की साथ में ज्यादातर फिल्में सफल रही हैं। हालांकि एक बार सलमान ने कैटरीना को काफी कम आंका था और सलमान की वो बात कैटरीना के दिल पर लग गई थी। तब एक्ट्रेस ने कुछ ऐसा कह दिया था जो आगे जाकर सच भी साबित हुआ।

सलमान की इस फिल्म में काम करना चाहती थीं कटरीना

कैटरीना कैफ अभिनेता नील नीतिन मुकेश के साथ एक बार सलमान खान के टीवी शो 'दस का दम' में पहुंची थीं। तब नील ने कैटरीना से सवाल किया था कि सलमान कि किस फिल्म में आप सलमान की हीरोइन बनना चाहती थीं? कटरीना ने इस पर कहा था- 'खामोशी'। लेकिन सलमान ने कटरीना की काबिलियत पर शक किया था और कहा था कि क्या वो साइन लैंग्वेज वाली फिल्म कर लेंगी। कैटरीना ने हां कहा तो फिर सलमान ने कहा था गुड चॉइस। खामोशी 1996 में रिलीज हुई थी। जिसमें सलमान के साथ मनीषा कोइराला, नाना पाटेकर ने काम किया था।

सलमान बोले- 5 साल बाद मेरी मां का रोल करोगी

इसके बाद नील नीतिन मुकेश ने सलमान से सवाल किया था कि कटरीना की एक ऐसी फिल्म जिसमें आप हीरो बनना चाहते थे? इस पर सलमान ने कहा था कोई फिल्म नहीं। कटरीना को सलमान की ये बात बिल्कुल पसंद नहीं आई। इसके बाद एक्ट्रेस ने कहा था, ये सवाल मुझसे पांच

साल बाद पूछना। इस पर सलमान ने कहा था पांच साल बाद आप पिक्चरों में मेरी मां का रोल करोगी। लेकिन फिर जो हुआ वो सबके सामने है।

इन फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं सलमान-कटरीना

सलमान खान ने कभी कैटरीना की किसी फिल्म में उनके हीरो बनने में दिलचस्पी नहीं दिखाई थी। हालांकि बाद में वो कटरीना के साथ कई फिल्मों में नजर आए। दोनों ने पहले 'पार्टनर', 'मैंने प्यार क्यों किया', और 'युवराज' जैसी फिल्मों में काम किया था। इसके बाद ये जोड़ी 'भारत', 'एक था टाइगर', 'टाइगर जिंदा है' और 'टाइगर 3' जैसी बड़ी फिल्मों में नजर आई।

शालिनी पांडे ने कसोल में शुरू की फिल्म राहु केतू की शूटिंग

अभिनेत्री शालिनी पांडे ने मुंबई के बाद अब हिमाचल प्रदेश के खूबसूरत शहर कसोल में अपनी अपकमिंग फिल्म 'राहु केतू' की शूटिंग शुरू कर दी है। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर पर्दे के पीछे की तस्वीरें शेयर करके फैंस को सेट से झलक दिखाई। इंस्टाग्राम पर तस्वीरों को शेयर करते हुए शालिनी ने कैप्शन में लिखा, मेरी आने वाली फिल्म के सेट से मीनू से मिलिए। आपसे जल्द मीनू की मुलाकात करवाने की इच्छा है, मिलने का इंतजार नहीं कर सकती! अभिनेता पुलकित स[...] अप्रैल को 'राहु केतू' की शूटिं[...] चुके हैं। सोशल मीडिया प[...] कर उन्होंने प्रशंसकों को [...] में जानकारी दी थी।

उन्होंने बताया [...] राहु-केतू सही जग[...] हैं, क्योंकि तारे भी [...] लाइन पे लग[...] चुके हैं।

[...] शेयर की गई तस्वीरों में से एक में वह हाथ में क्लैप बोर्ड पकड़े हुए हैं, तो दूसरी में टीम के साथ फोटो खिंचवाते नजर आए। पोस्ट के साथ अभिनेता ने कैप्शन में लिखा, तारे भी लाइन पे लग गए क्योंकि हमारे राहु-केतू बिल्कुल सही जगह हैं! तैयार हो जाओ, हम तुम्हारी कुंडली में प्रवेश करने वाले हैं! 'राहु केतू' की शूटिंग शुरू, सिनेमाघरों में जल्द मिलते हैं। पुलकित ने इंस्टाग्राम पर अपने प्रोजेक्ट 'राहु केतू' की शूटिंग शुरू होने से पहले कई तस्वीरें और वीडियोज भी शेयर किए थे। क्लिप में सम्राट टीम के साथ शूटिंग [...]हले मुहूर्त पूजा करते नजर आए। [...]वरुण शर्मा और शालिनी पांडे

भी दिखीं। जी स्टूडियोज ने सोशल मीडिया पर राहु केतू के सेट से कुछ तस्वीरें भी साझा कीं और पोस्ट को कैप्शन दिया, कुछ लोग इसे भाग्य कहते हैं, हम इसे राहु-केतू का खेल कहते हैं और ये आपके जीवन में भी जल्द ही प्रवेश करेंगे, शूटिंग अब शुरू होती है।

विपुल विग के निर्देशन में बन रही 'राहु केतू' में शालिनी पांडे, पुलकित सम्राट के साथ वरुण शर्मा भी अहम भूमिका में हैं। सम्राट और वरुण की जोड़ी हिट कॉमेडी 'फुकरे' में साथ काम कर चुकी है, जिसे दर्शकों ने काफी पसंद किया। वर्कफ्रंट की बात करें तो 'राहु केतू' के अलावा, शालिनी पांडे के पास धनुष के साथ 'इडली कढ़ाई' भी है।

साल 2025 का सफर मेरे लिए एक जबरदस्त रोमांच है : साक्षी मडोलकर

तेज़ी से उभरती एक्ट्रेस साक्षी मडोलकर 2025 में दो दमदार प्रोजेक्ट्स के साथ तहलका मचाने वाली हैं। इन दोनों फिल्मों में वो बिल्कुल अलग-अलग किरदारों में नजर आएंगी एक तरफ साइकोलॉजिकल थ्रिलर, तो दूसरी ओर जंगल में रोमांच से भरपूर कहानी। ये रोल्स ना सिर्फ उनकी एक्टिंग की रेंज दिखाएंगे, बल्कि ये भी साबित करेंगे कि साक्षी अब सिर्फ उभरती नहीं, खुद की सीमाएं तोडऩे वाली कलाकार बन चुकी हैं।साक्षी के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स में सबसे पहला है नोक नोक, कौन है , जो एक डर और रहस्य से भरी नई वेब सीरीज़ है। इसे सनशाइन प्रोडक्शंस ने बनाया है और ये जल्द ही अमेजन पर रिलीज़ होने वाली है। इस सीरीज़ में साक्षी सिम्मी नाम की एक लड़की का रोल निभा रही हैं, जो एक ऐसे खौफनाक जाल में फंस जाती है जहां एक ऐप, एक ख्वाहिश और एक खूनी की मौजूदगी सब कुछ उलट-पलट कर देती है। ये कहानी डर और सस्पेंस से भरी होगी, और साक्षी इसमें एक अलग ही रूप में नजर आएंगी।साक्षी ने कहा, इस साल का सफर मेरे लिए एक जबरदस्त रोमांच है और मैं इसका हर लम्हा एंजॉय कर रही हूं। उन्होंने कहा, सिम्मी का किरदार निभाना मेरे लिए एक ऐसी चुनौती थी जिसकी उम्मीद नहीं थी, ये रोल इमोशनली बहुत गहरा था, दिमागी तौर पर तगड़ा और हर सीन ने मुझ पर अपनी छाप छोड़ी।इस प्रोजेक्ट को गंभीर और पेचीदा बताते हुए साक्षी ने इशारा किया कि नोक नोक, कौन है, कोई आम थ्रिलर नहीं है। यह ऐसी कहानी है जो रातों की नींद उड़ा दे और सिम्मी इस पूरे तूफान के बीचोंबीच है।लेकिन सस्पेंस यहीं खत्म नहीं होता। नोक नोक, कौन है के बाद साक्षी अब एकदम अलग माहौल और जॉनर में नजर आने वाली हैं अपने अगले प्रोजेक्ट मोगली में। पीपल मीडिया फैक्ट्री के बैनर तले बन रही इस फिल्म में साक्षी निभा रही हैं जैस्मिन का किरदार, जो सीधा ले जाएगा दर्शकों को जंगली, अनछुए और खतरनाक जंगलों की दुनिया में।एक तूफान खत्म होते ही मैं सीधा जंगल की ओर बढ़ रही हूं! साक्षी ने मुस्कुराते हुए कहा। जैस्मिन का किरदार मेरे लिए बेहद चुनौतीपूर्ण है, इसमें कई परतें हैं और इसने मुझे खुद के एक नए रूप से मिलवाया है।

एक तरफ जहां सिम्मी के रूप में मुझे एक कातिल से जूझना पड़ा, वहीं जैस्मिन के रूप में मुझे जंगली हालातों में खुद को जिंदा रखना है। ये दो बिलकुल अलग दुनियाएं हैं और मुझे मज़ा आ रहा है इन दोनों छोरों को जीने में।एक पैर सस्पेंस से भरे साइकोलॉजिकल थ्रिलर में और दूसरा हाई-स्पेक्स सर्वाइवल ड्रामा में रखते हुए, साक्षी मडोलकर का ये साल बिल्कुल आम नहीं होने वाला। चाहे वो टेक्नोलॉजी से जुड़ी डरावनी दुनिया के रहस्यों में खो जाएं या फिर प्रकृति के बीच जंगली हालात से लड़ रही हों, वह ऐसी कहानियों में पूरी जान लगा रही हैं, जो इमोशनल और फिजिकल दोनों तरह की ताकत मांगती हैं। अगर साक्षी की ये परफॉर्मेंस वाकई उनकी बातों जैसी होंगी, तो दर्शकों के लिए एक ज़बरदस्त और यादगार सफर होने वाला है।

पिता की जयंती पर भावुक हुए महेश बाबू, कहा

आपने हमेशा गाइड किया

साउथ फिल्म इंडस्ट्री के सुपरस्टार महेश बाबू ने शनिवार को अपने दिवंगत पिता और मशहूर अभिनेता, निर्माता-निर्देशक घट्टामनेनी शिवराम कृष्ण को याद किया। उनकी 82वीं जयंती पर पोस्ट करते हुए महेश बाबू ने कहा कि उन्होंने जिंदगी को रोशनी के साथ निर्देशि[...] किया। महेश बाबू ने इंस्टाग्राम पर दिवंगत पिता के युवा समय [...] ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीर पोस्ट की। तस्वीर के साथ एक भाव[...] नोट भी था, जिसमें उन्होंने लिखा, हमेशा आपकी रोश[...] निर्देशित। जन्मदिन मुबारक हो, नन्ना! आप दिलों में हमेश[...] रहेंगे।

कृष्णा के नाम से मशहूर, तेलुगू के अभिनेता ने 19[...] फिल्म 'तेने मनासुलु' से फिल्मी करियर की शु[...] इसके बाद उन्होंने कई ड्रामों में काम किया। व[...] फिल्मों में अभिनय करने के अलावा, निर्देशक औ[...] में भी सफल थे। 15 नवंबर, 2022 को हैदराबाद में दि[...] पड़ने से उनका निधन हो गया था।इससे पहले 20 अप्रैल को [...] बाबू ने अपनी दिवंगत मां इंदिरा देवी की जयंती पर पोस्ट किया था। प[...] में उन्होंने लिखा था, मिस यू अम्मा। वर्कफ्रंट की बात करें तो महेश बाबू फिलहाल एसएस राजामौली की अपकमिंग फिल्म 'एसएसएमबी29' की शूटिंग में व्यस्त हैं। जानकारी के अनुसार, अनटाइटल्ड फिल्म में महेश बाबू पवनपुत्र हनुमान की भूमिका में नजर आएंगे।

महेश बाबू के साथ फिल्म में अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा मुख्य भूमिका में हैं। पृथ्वीराज सुकुमारन भी फिल्म में

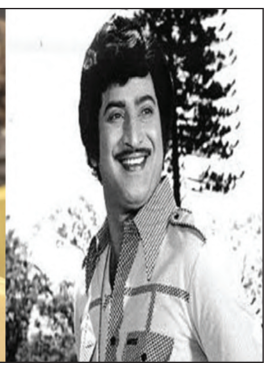

महत्व-पूर्ण भूमिका निभाएंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट को 900-1,000 करोड़ रुपए के बड़े बजट से बनाया जाएगा। 'एसएसएमबी29' को दो भागों में बनाए जाने की उम्मीद है। फिल्म की शूटिंग जारी है, लेकिन प्रोजेक्ट के कलाकारों और क्रू के बारे में अभी तक निर्माताओं ने ज्यादा जानकारी नहीं दी है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपना धैर्य न खोएँ, ख़ास तौर पर मुश्किल हालात में। रियल एस्टेट और वित्तीय लेन–देन के लिए अच्छा दिन है। शाम को साथियों का साथ मज़ेदार रहेगा। आपके प्यार को न सुनना पड़ सकता है। ख़ुद को अभिव्यक्त करने के लिए अच्छा समय है– और ऐसे प्रोजेक्ट पर काम कीजिए, जो रचनात्मक हों। आज टीवी या मोबाइल पर कोई मूवी देखने में आप इतना व्यस्त हो सकते हैं कि आप जरुरी कामों को करना भी भूल जाएंगे। शादी सिर्फ़ एक छत के नीचे रहने का नाम नहीं है; एक–दूसरे के साथ कुछ समय बिताना भी ज़रूरी है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

व्यस्त दिनचर्या के बावजूद स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। आज के दिन आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है लेकिन इसके साथ ही आपको दान–पुण्य भी करना चाहिए क्योंकि इससे आपको मानसिक शांति मिलेगी। आज के दिन आपका कठिन परिश्रम फलदायी सिद्ध होगा। वक्त पर चलने के साथ–साथ अपनों को वक्त देना भी आवश्यक है। यह बात आज आप समझेंगे लेकिन इसके बावजूद भी आप अपने घरवालों को पर्याप्त समय नहीं दे पाएंगे। आप दुनिया में ख़ुद को सबसे रईस महसूस करेंगे, क्योंकि आपके जीवनसाथी का व्यवहार आपको ऐसा महसूस कराएगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। आपके पास आज पैसा भी पर्याप्त मात्रा में होगा और इसके साथ ही मन में शांति भी होगी। अपने जीवन–साथी के साथ बेहतर समझ ज़िन्दगी में ख़ुशी, सुकून और समृद्धि लाएगी। आपके लिए आज बहुत सक्रिय और लोगों से मेल–जोल भरा दिन रहेगा। लोग आपसे आपकी राय मांगेंगे और जो भी आप कहेंगे, उसे बिना सोचे मान लेंगे। आज का दिन फ़ायदेमंद साबित होगा, क्योंकि ऐसा लगता है कि चीज़ें आपके पक्ष में जाएंगी और आप हर काम में अव्वल रहेंगे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

जो लोग अब तक पैसे को बिना वजह ही उड़ा रहे थे आज उन्हें अपने आप पर काबू रखना चाहिए और धन की बचत करनी चाहिए। परिवार के सदस्यों का आपके जीवन में विशेष महत्व होगा। आप दफ़्तर में माहौल में बेहतरी और कामकाज के स्तर में सुधार को महसूस कर सकते हैं। इस राशि के जातक आज के दिन अपने भाई–बहनों के साथ घर पर कोई मूवी देख सकते हैं। ऐसा करके आप लोगों के बीच प्यार में इजाफा होगा। आपका जीवनसाथी आपकी कमज़ोरियों को सहलाएगा और आपको सुखद अनुभूति देगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपका हँसमुख स्वभाव दूसरों को ख़ुश रखेगा। आज आपको अपने भाई या बहन की मदद से धन लाभ होने की संभावना है। परिवार के सदस्यों की अच्छी सलाह आज आपके लिए लाभदायक सिद्ध होगी। आज किसी ऐसे इंसान से मिलने की संभावना है जो आपके दिल को गहराई से छूएगा। नए ग्राहकों से बात करने के लिए बेहतरीन दिन है। दिल के करीबी लोगों के साथ आपका वक्त बिताने का मन करेगा लेकिन आप ऐसा कर पाने में सक्षम नहीं हो पाएंगे।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपका बच्चों जैसा भोला स्वभाव फिर सतह पर आ जाएगा और आप शरारती मनोदशा में होंगे। आज के दिन आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है लेकिन इसके साथ ही आपको दान–पुण्य भी करना चाहिए क्योंकि इससे आपको मानसिक शांति मिलेगी। अपने जीवन–साथी के साथ बेहतर समझ ज़िन्दगी में ख़ुशी, सुकून और समृद्धि लाएगी। आज आप जीवन में सच्चे प्रेम की कमी का अनुभव करेंगे। दफ़्तर में आप तारीफ़ पाएंगे। जन्मदिन भूलने जैसी किसी छोटी–सी बात को लेकर जीवनसाथी से तक़रार मुमकिन है। लेकिन अन्ततः सब ठीक हो जाएगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

जल्दबाज़ी में निवेश न करें– अगर आप सभी मुमकिन कोणों से परखेंगे नहीं तो नुक़सान हो सकता है। पुराने परिचितों से मिलने–जुलने और पुराने रिश्तों को फिर से तरोताज़ा करने के लिए अच्छा दिन है। काम के लिए मौक़े परिचित महिलाओं की ओर से आ सकते हैं। खाली समय में आप कोई खेल आज के दिन खेल सकते हैं लेकिन इस दौरान किसी तरह की दूर्घटना होने की भी संभावना है इसलिए संभलकर रहें। आपका जीवनसाथी ही आपका हमदम है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

दिन की शुरुआत भले ही अच्छी हो लेकिन शाम के वक्त किसी वजह से आपका धन खर्च हो सकता है जिससे आप परेशान होंगे। कुछ लोगों के लिए– परिवार में किसी नए का आना जश्न और उल्लास के पल लेकर आएगा। आज आराम के लिए बहुत कम समय है– क्योंकि पहले के टाले हुए काम आपको व्यस्त रखेंगे। बिना किसी को अवगत कराए ही आज आपके घर में किसी दूर के रिश्तेदार की एंट्री हो सकती है जिसके कारण आपका समय खराब हो सकता है। किसी के प्रभाव में आकर आपका जीवनसाथी आपसे झगड़ सकता है, लेकिन प्यार और सद्भाव से मामला सुलझ जाएगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। ऐसे विवादास्पद मुद्दों पर बहस करने से बचें, जो आपके और प्रियजनों के बीच गतिरोध पैदा कर सकते हैं। अपने दिल की बात ज़ाहिर करके आप ख़ुद को काफ़ी हल्का और रोमांचित महसूस करेंगे। बिना गहराई से समझे–बूझे किसी व्यावसायिक/क़ानूनी दस्तावेज़ पर हस्ताक्षर न करें। अपने ज़बरदस्त आत्मविश्वास का फ़ायदा उठाएँ, बाहर निकलें और कुछ नए सम्पर्क व दोस्त बनाएँ। आप और आपका हमदम एक–दूसरे से आज एक–दूसरे की ख़ूबसूरत भावनाओं का इज़हार कर सकें–

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज बिना किसी की मदद के ही आप धन कमा पाने में सक्षम होंगे। कुछ लोगों के लिए– परिवार में किसी नए का आना जश्न और उल्लास के पल लेकर आएगा। आप अचानक गुलाबों की ख़श्बू से ख़ुद को सराबोर पाएंगे। यह प्यार की मदहोशी है, इसे महसूस करें। जो काम आप कर चुके हैं, उसके चलते आज आपको पहचान मिलेगी। अपने बच्चों को आज समय का सदुपयोग करने की सलाह दे सकते हैं। आज चाहे दुनिया इधर–की–उधर ही क्यों न हो जाए, आप अपने जीवनसाथी के साथ समय गुजारेंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

अपने दिन की शुरुआत कसरत से करें यही वक़्त है जब आप अपने बारें में अच्छा महसूस करने की शुरुआत कर सकते हैं– इसे अपनी दिनचर्या में शामिल करें और नियमित रखने की कोशिश करें। आप अच्छा पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप पारंपरिक तौर पर निवेश करें। आपकी स्वच्छन्द जीवनशैली घर में तनाव पैदा कर सकती है, इसलिए देर रात तक बाहर रहने और ज़्यादा ख़र्च करने से बचें। नई परियोजनाओं और कामों को अमली जामा पहनाने के लिए बेहतरीन दिन है। दीर्घावधि में कामकाज के सिलसिले में की गयी यात्रा फ़ायदेमंद साबित होगी।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

पारिवारिक समस्याओं को प्राथमिकता दें। आज अपने प्रिय से दूर होने का दुःख आपको टीस देता रहेगा। पैसे बनाने के उन नए विचारों का उपयोग करें, जो आज आपके ज़ेहन में आएँ। इस राशि के लोग बड़े ही दिलचस्प होते हैं। ये कभी लोगों के बीच रहकर खुश रहते हैं तो कभी अकेले में हालांकि अकेले वक्त गुजारना इतना आसान नहीं है फिर भी आज दिन में कुछ समय आप अपने लिए जरुर निकाल पाएंगे। दिन में जीवनसाथी के साथ बहस के बाद एक बेहतरीन शाम गुज़रेगी।

आज का पंचांग

दिनांक : 02 जून 2025 , सोमवार
विक्रम संवत : 2082
मास : ज्येष्ठ , शुक्ल पक्ष
तिथि : सप्तमी रात्रि 08:37 तक
नक्षत्र : मघा रात्रि 10:56 तक
योग : व्याघात प्रातः 08:20 तक
करण : गर प्रातः 08:14 तक
चन्द्रराशि : सिंह
सूर्योदय : 05:40 , सूर्यास्त 06:47 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:52 , सूर्यास्त 06:43 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:43 , सूर्यास्त 06:36 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:33 , सूर्यास्त 06:37 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :– गण्डमूल रात्रि 10:56 तक , भद्रा रात्रि 08:35 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान में 355 ग्राम पंचायतें टी.बी. मुक्त : भजनलाल

जयपुर, 01 जून (एजेंसियां)। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में स्वास्थ्य सेवाओं का निरंतर विस्तार हो रहा है। राजस्थान में चिकित्सा सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण करना केन्द्र सरकार और स्वास्थ्य मंत्रालय की प्राथमिकताओं में है। प्रदेश में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मार्गदर्शन में उल्लेखनीय कार्य हो रहे हैं, जिनसे 'निरामय राजस्थान' की संकल्पना साकार होने लगी है। श्री शर्मा द्वारा मानव सेवा में समयबद्ध निर्णयों के सफल परिणाम नजर आने लगे हैं।

नड्डा शनिवार को मुख्यमंत्री निवास पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने राजस्थान में केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं की प्रगति को लेकर सराहना की। नड्डा ने कहा कि चिकित्सकीय कार्य मानव सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम है। इनमें विभागीय अधिकारी, चिकित्सक और समस्त कार्मिक पूर्ण मनोयोग से अपनी महती जिम्मेदारी निभाएं। उन्होंने आश्वस्त किया कि मंत्रालय स्तर पर प्रदेश से सम्बंधित सभी विषयों का शीघ्र ही सकारात्मक समाधान किया जाएगा।

केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री ने विभागीय अधिकारियों को योजनाओं की नियमित समीक्षा करने, बीमारियों के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक करने, कैंसर उपचार आदि पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य मंत्रालय ने पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) सेल गठित की है। यहां राज्य सरकार चिकित्सा एवं स्वास्थ्य के विस्तार के लिए प्रस्ताव भेजें, जिन्हें मंत्रालय स्तर पर अध्ययन कर लागू कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि मंत्रालय की ओर से नेत्र रोग सम्बंधित योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनको राज्य सरकार जनहित में आगे बढ़ाए।

नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर मिशन के तहत समयबद्ध रूप से बजट का सदुपयोग करें, ताकि रोगियों को बेहतर इलाज मिल सके। प्रदेश में गैर संचारी रोग के प्रति भी जनजागरूकता फैलाई जाए। उन्होंने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, पीएम आयुष्मान भारत हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर मिशन, 15वें वित्त आयोग से आवंटित राशि की प्रगति, आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन, राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम, स्वास्थ्य बीमा योजना, केन्द्रीय प्रवर्तित योजनाओं की प्रगति सहित विभिन्न विषयों की विस्तृत समीक्षा कर आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने चिकित्सा सेवाओं और चिकित्सा शिक्षा में सहयोग पर केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ राजस्थान के लक्ष्य को साकार करने के लिए केन्द्र व राज्य सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं की निरंतर समीक्षा की जा रही है। श्री शर्मा ने कहा कि राजस्थान ने जननी सुरक्षा योजना और प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में देश में अग्रणी स्थान प्राप्त किया है। साथ ही, विश्व स्वास्थ्य दिवस पर निरामय राजस्थान अभियान प्रारंभ किया गया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के तहत 1 करोड़ 34 लाख परिवारों को 25 लाख रुपए तक का कैशलेस उपचार उपलब्ध करवाया जा रहा है। वहीं, मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन प्रारम्भ कर 15 हजार करोड़ रुपए के विभिन्न निर्माण कार्य करवाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि 11 हजार 655 चिकित्सा संस्थानों को आयुष्मान आरोग्य मंदिर के रूप में परिवर्तित कर दिया गया है।

शर्मा ने कहा कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग को मजबूत बनाने के लिए एक वर्ष में लगभग 24 हजार से अधिक पदों पर भर्तियां की गई। साथ ही, करीब 26 हजार पदों पर भर्तियां प्रक्रियाधीन हैं।

डोटासरा ने सीएम भजनलाल पर साधा निशाना

केंद्र सरकार की कठपुतली बताया

कोटा, 01 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के कोटा में शनिवार को लोकसभा प्रत्याशी प्रह्लाद गुंजल के नेतृत्व में दधीच गार्डन में संविधान बचाओ रैली आयोजित हुई। इस दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा पर निशाना साधा और उन्हें केंद्र सरकार की कठपुतली बताया।

गोविंद सिंह डोटासरा ने केंद्र की मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, मोदी सरकार ने 33 प्रतिशत महिला आरक्षण कानून बना दिया, लेकिन आज तक कानून लागू नहीं किया। मंत्री किरोड़ी लाल मीणा को घेरते हुए उन्होंने कहा, वह कभी–कभी सरकार पर टोटका कर देते हैं। किरोड़ी (लाल मीणा) को एक साल तक तो पता ही नहीं लगा कि वह किस विभाग के मंत्री हैं।

कांग्रेस नेता ने मुख्यमंत्री के बारे में कहा, हमें गाली दे–देकर उन्हें टॉन्सिल हो गया है। हमें मगरमच्छ बताने वालों के लिए जेल के गेट चौड़े करवाने पड़ेंगे।भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा के राजस्थान प्रवास को लेकर भी डोटासरा ने निशाना साधा। उन्होंने कहा, जे.पी. नड्डा ने साफ और स्पष्ट कह दिया है कि भजन लाल को मुख्यमंत्री मत मानो। हमारी विचारधारा से राजस्थान में सरकार चल रही है।

उन्होंने दावा किया कि आगामी विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस पार्टी की जीत होगी।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कार्यक्रम की तस्वीर पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखा, सत्ता में बैठी भाजपा बार–बार बाबा साहेब अंबेडकर के दिए संविधान पर प्रहार करके इसे खत्म करने का प्रयास कर रही है। ये लोग एजेंसियों और सत्ता के दुरुपयोग से नागरिकों के अधिकारों को कुचलना चाहते हैं। हमें इस अन्याय एवं अत्याचार के खिलाफ लड़ना होगा। संविधान हर वर्ग के हित की रक्षा करता है, संविधान की रक्षा में ही देश के नागरिकों की सुरक्षा है।

करधनी थाना पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट में की कार्रवाई, 7.14 ग्राम स्मैक के साथ एक गिरफ्तार

जयपुर, 01 जून (एजेंसियां)। करधनी थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 7.14 ग्राम स्मैक के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई जयपुर पुलिस आयुक्तालय द्वारा मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत की गई।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम भुवन कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि समस्त थानाधिकारियों को मादक पदार्थों की रोकथाम के लिए सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। इन निर्देशों की पालना में अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम आलोक शेखावत के निर्देशन और सहायक पुलिस आयुक्त झोटवाड़ा सुनीता झा के पर्यवेक्षण में, करधनी थाना प्रभारी लोकेश सिंह के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। टीम ने मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर 31 मई 2025 को कार्रवाई करते हुए सनवाड़ी लिंक रोड पर स्थित कच्ची बस्ती के पास से नेमी सिंह कुम्हार को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से 7.14 ग्राम स्मैक बरामद की गई। आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और उससे पूछताछ कर नेटवर्क की जांच की जा रही है।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान नेमी सिंह कुम्हार पुत्र रामजीलाल जाति कुम्हार, उम्र 45 वर्ष, निवासी कच्ची बस्ती, 07 नंबर बस स्टैंड के पास, सनवाड़ी लिंक रोड, थाना करधनी, जयपुर के रूप में हुई है।करधनी थाना पुलिस द्वारा एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत चलाए जा रहे अभियान में लगातार तस्करों की धरपकड़ की जा रही है। पुलिस का कहना है कि अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ यह सख्त मुहिम आगे भी जारी रहेगी।

पाक जासूसी नेटवर्क से जुड़े संदिग्ध के ठिकाने पर छापा

जयपुर, 01 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान समर्थित जासूसी नेटवर्क को लेकर राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने राजस्थान में बड़ी कार्रवाई की। एनआईए की टीम ने राज्य के एक अहम ठिकाने पर छापेमारी कर अहम दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक सबूत जब्त किए हैं। यह कार्रवाई पाकिस्तान इंटेलिजेंस ऑपरेटिव्स से जुड़े संदिग्धों की भूमिका की जांच के तहत की गई है।

सूत्रों के मुताबिक, एनआईए को इनपुट मिला था कि राजस्थान में कुछ व्यक्ति पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी से संपर्क में हैं और गोपनीय जानकारी साझा कर रहे हैं। इस आधार पर जयपुर सहित अन्य स्थानों पर छापा मारा गया। कार्रवाई के दौरान टीम को कई डिजिटल डिवाइस, संदिग्ध फाइनेंशियल ट्रांजैक्शन से जुड़े कागज़ात और अन्य आपत्तिजनक सामग्री हाथ लगी है।एनआईए की जांच में सामने आया है कि संदिग्धों को पाकिस्तान से हवाला के जरिये फंडिंग हो रही थी और वे भारत की सामरिक जानकारियां लीक कर रहे थे। यह जासूसी नेटवर्क 2023 से सक्रिय बताया जा रहा है, जिसकी कड़ी राजस्थान से भी जुड़ती दिख रही है। एनआईए पहले ही इस केस को गंभीर मानते हुए आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम 1923 और यूएपीए एक्ट 1967 सहित अन्य धाराओं के तहत दर्ज कर चुकी है। राजस्थान में की गई कार्रवाई को जांच की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। पाकिस्तान से जुड़े जासूसी मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने देश के आठ राज्यों में 15 स्थानों पर एक साथ बड़ी छापेमारी की। यह कार्रवाई पाकिस्तान इंटेलिजेंस ऑपरेटिव्स (झखजी) से जुड़े संदिग्धों के खिलाफ की गई। एनआईए ने जिन राज्यों में छापे मारे उनमें दिल्ली, महाराष्ट्र (मुंबई), हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, असम और पश्चिम बंगाल शामिल हैं। कार्रवाई के दौरान टीमों ने संदिग्धों के ठिकानों से कई इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, संवेदनशील वित्तीय दस्तावेज और अन्य आपत्तिजनक सामग्री जब्त की है। ये सभी सबूत पाकिस्तान के इशारे पर भारत में चल रहे जासूसी नेटवर्क की जांच के तहत खंगाले जा रहे हैं।जांच में सामने आया है कि जिन लोगों के यहां छापे मारे गए, उनके पाकिस्तान स्थित जासूसी नेटवर्क से सीधे संपर्क थे। यह भी पता चला है कि इन लोगों को भारत में जासूसी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए वित्तीय मदद मिल रही थी।

हरियाणा आबकारी विभाग को तीसरे दौर की नीलामी में 2707 करोड़ के राजस्व की प्राप्ति

चंडीगढ़, 01 जून (एजेंसियां)। हरियाणा सरकार के आबकारी एवं कराधान विभाग द्वारा आबकारी नीति 2025–27 के अंतर्गत शराब की खुदरा दुकानों की तीसरे चरण की नीलामी सफलतापूर्वक आयोजित की गई। इस चरण में गुरुग्राम (पूर्व), करनाल, पलवल, रेवाड़ी, जींद और यमुनानगर छह जिलों की खुदरा शराब दुकानों की नीलामी कराई गई। बोलीदाताओं को 30 मई सुबह 9 बजे से 31 मई शाम 4 बजे तक बोली लगाने का अवसर दिया गया। प्रत्येक जिले में संबंधित उपायुक्त की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा बोलियों को खोला गया।

आबकारी आयुक्त विनय प्रताप सिंह ने बताया कि विभाग को 5 जिलों के लिए आबकारी नीलामी के तीसरे दौर में पिछले दौर की नीलामी की तुलना में अच्छी प्रतिक्रिया मिली है, जिसमें 270 जोनों में से 184 जोन आवंटित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि 184 जोनों की नीलामी प्रक्रिया में व्यापक भागीदारी राज्य की आबकारी नीति के प्रति बेहतर प्रतिक्रिया को दर्शाती है। उन्होंने बताया कि राज्य 5 जिलों के नीलाम किए गए जोनों से लगभग 2707 करोड़ रुपये का लाइसेंस शुल्क प्राप्त करने में सक्षम रहा है, जो पिछले आबकारी नीति वर्ष में इसी दौर में प्राप्त लाइसेंस शुल्क से काफी अधिक है। जाएगी। उचित राजस्व प्राप्त करने के लिए विभाग ने आज प्राप्त हुई 3 जोनों की नीलामी को रद्द करने और यमुनानगर में सभी जोनों की नए सिरे से नीलामी करने का निर्णय लिया है। इन 6 जिलों के शेष 142 जोनों की नीलामी जून के पहले सप्ताह में फिर से की जाएगी।

पुलिस क्यों नहीं तोड़ पा रही हरियाणा में नशा तस्करों का नेटवर्क : सैलजा

चंडीगढ़, 01 जून (एजेंसियां)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि हरियाणा में नशा तस्करों का नेटवर्क लगातार फैलता जा रहा है. समूचे राज्य में नशा तस्कर हेर–ोइन, गांजा, अफीम व अन्य प्रकार के जानलेवा नशा की सप्लाई करने में जुटे हैं। नशा तस्करों के बढ़ते और फैलते नेटवर्क के चलते ऐसा जान पड़ता है जैसे हरियाणा उनका पसंदीदा राज्य बन गया हो। आखिर पुलिस नशा तस्करों का नेटवर्क क्यों नहीं तोड़ पा रही है, जब लोगों को पता है कि नशा कहां–कहां बिक रहा है और कौन बेच रहा है तो पुलिस विभाग को इसकी भनक क्यों नहीं लग पा रही है।

मीडिया को जारी बयान में सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार नशा तस्करों की कमर तोड़ने और करोडो रुपये के नशीले पदार्थ बरामद करने का दावा कर रही है बावजूद इसके तस्करों का नेटवर्क प्रदेश में तेजी से फैल रहा है।

एक राष्ट्र, एक चुनाव राष्ट्रहित का विचार है : सैनी

चंडीगढ़, 01 जून (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि 'एक राष्ट्र एक चुनाव' (वन नेशन वन इलेक्शन) सिर्फ एक राजनीतिक विचार नहीं है, यह राष्ट्रहित का विचार है। यह समय, संसाधन और जन–भागीदारी को और अधिक सशक्त करने वाला विचार है। यह वह विचार है जिसके अनुसार जब एक राष्ट्र एक साथ चलता है, तब वह हर बाधा को पार कर सकता है। जब देश एक साथ सोचता है, तब वह हर संकट का समाधान निकाल सकता है।

मुख्यमंत्री रविवार को गुरुग्राम में 'एक राष्ट्र एक चुनाव' थीम पर आयोजित 'गुरुग्राम रन' को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह और खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने 'गुरुग्राम रन' को हरी झंडी दिखाने से पूर्व उपस्थित युवा शक्ति को संबोधित करते हुए कहा कि 'वन नेशन–वन इलेक्शन' सिर्फ एक नारा नहीं है बल्कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस समग्र सोच का प्रतीक है, जो एकता में शक्ति को मानती है। 'वन नेशन–वन इलेक्शन' प्रधानमंत्री के उसी सपने की कड़ी है, जिसे हमने 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के रूप में देखा है। यह विचार देश के हर नागरिक को एक समान अवसर देता है, एक साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि पूरे देश में चुनाव एक समय पर कराने से चुनावों पर आने वाला खर्च कई गुणा कम हो सकता है। प्रशासनिक मशीनरी का बेहतर उपयोग हो सकता है। साथ ही विकास की रफ्तार बिना रुके आगे बढ़ सकती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह दौड़, विशेष रूप से हमारे युवाओं के लिए एक संदेश है कि राष्ट्र निर्माण सिर्फ बैठकों और नीतियों से नहीं होता, उसमें युवा शक्ति का संकल्प भी निहित है। उन्होंने कहा कि जब युवा शक्ति आगे आती है तो निश्चित रूप से बदलाव की लहर उठती है। 'गुरुग्राम रन' में भाग ले रही युवा शक्ति इस बात का प्रतीक है कि भारत का भविष्य जाग चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा यह दौड़ सिर्फ शरीर की फिटनेस की नहीं, लोकतंत्र की फिटनेस का भी प्रतीक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'वन नेशन–वन इलेक्शन' को सफल बनाना है, तो हमें नवाचार की, संवाद की और संवेदनशीलता की जरूरत है। उन्होंने युवा शक्ति से आह्वान किया कि वे कॉलेजों में, गाँव की चौपालों में, सोशल मीडिया पर इसकी चर्चा कर एक सार्थक माहौल बनाने में सहभागी बनें। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ सरकार का काम नहीं है। यह राष्ट्र निर्माण का कार्य है, जिसमें हर नागरिक की भूमिका अनिवार्य है। मुख्यमंत्री ने इस दौरान उपस्थित युवा शक्ति से कहा कि आप सभी की सक्रिय भागीदारी से ही यह विचार प्रदेश के कोने–कोने तक पहुंचेगा।

मुख्यमंत्री ने 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान की सफलता का उल्लेख करते हुए कहा कि यह पहल देश में सामाजिक जागरूकता और जनसहभागिता का सशक्त उदाहरण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वर्ष 2015 में हरियाणा की पावन धरती से इस अभियान का शुभारंभ किया गया था। तब से लेकर आज तक, न केवल हरियाणा बल्कि पूरे देश ने इस अभियान को जनआंदोलन का रूप दिया और इसके निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने हाल ही में जम्मू–कश्मीर के पहलगाम क्षेत्र में हुई आतंकी घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि इस कायराना हमले के पश्चात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आतंकवाद के समूल नाश का संकल्प लिया है। इस संकल्प के समर्थन में देशभर में तिरंगा यात्राएं निकाली जा रही हैं, जो भारतवासियों की एकजुटता, राष्ट्रभक्ति और आतंकवाद के विरुद्ध सामूहिक दृढ़ संकल्प को दर्शाती हैं। उन्होंने कहा कि यह दोनों उदाहरण इस बात का प्रतीक है कि देश जब एकजुट होकर किसी सामाजिक अथवा राष्ट्रीय चुनौती के विरुद्ध खड़ा होता है, तब सफलता निश्चित होती है।

सैनी ने काफिला रुकवाकर स्थानीय युवाओं संग खेला क्रिकेट

चंडीगढ़, 01 जून (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अपने गुरुग्राम दौरे के दौरान अनोखी मिसाल पेश करते हुए काफिले को बीच रास्ते रुकवाकर स्थानीय युवाओं के साथ क्रिकेट खेला। यह दृश्य उस समय सामने आया जब मुख्यमंत्री स्थानीय लेजर वैली पार्किंग में आयोजित एक राष्ट्र एक चुनाव थीम पर आधारित कार्यक्रम में शिरकत करने उपरान्त पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस की ओर जा रहे थे और राजीव चौक पर एक खुले मैदान में क्रिकेट खेलते युवाओं को देखकर उत्सुकता व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने युवाओं के आग्रह को हर्षपूर्वक स्वीकार करते हुए बल्ला थामा और कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह, खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम तथा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल कौशिक ने कुछ देर तक उनके साथ क्रिकेट खेला। यह क्षण जननेता की जनभावनाओं के प्रति संवेदनशीलता और जुड़ाव का सजीव प्रमाण बना। स्थानीय युवाओं ने मुख्यमंत्री की इस सहजता और उदारता की सराहना करते हुए कहा कि यह क्षण उनके जीवन का अविस्मरणीय अनुभव बन गया। मुख्यमंत्री का यह व्यवहार जनसेवा और लोकसंवाद की संस्कृति को सुदृढ़ करता है। मुख्यमंत्री ने इस दौरान युवाओं के आग्रह पर उनके साथ सेल्फी भी कराई।

केन्या भेजने के नाम पर यूपी के बेरोजगारों से ठगी करने वाला गिरफ्तार

पटना (एजेंसियां)। गोपालगंज जिले के उचकागांव थाना क्षेत्र के त्रिलोकपुर गांव में पुलिस ने छापेमारी कर उत्तर प्रदेश के 10 बेरोजगारों से आठ लाख 45 हजार रुपये की ठगी करने के आरोपित को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी त्रिलोकपुर गांव निवासी रंजन कुमार सिंह उर्फ मुकेश रावत के रूप में की गई है।

ऊंचकागाव थाने के दरोगा संजय कुमार सिंह को सूचना मिली कि उत्तर प्रदेश के 10 बेरोजगार युवकों को केन्या में रोजगार दिलाने के नाम पर आठ लाख 45 हजार रुपये की ठगी करने का आरोपित अपने घर आया हुआ है। सूचना मिलते ही पुलिस हरकत में आई और त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने फरार चल रहे आरोपी रंजन कुमार सिंह उर्फ मुकेश रावत को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से पुलिस ने विदेश भेजने के लिए प्रचार करने में प्रयोग करने वाला लगभग एक हजार पंपलेट की प्रति व फर्जी पता लिखा हुआ आधार कार्ड बरामद किया है।

इस मामले में उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले के पटहेरवा थाना क्षेत्र के नौगांवा गांव निवासी इंद्रजीत गुप्ता के आवेदन पर गिरफ्तार आरोपित के अलावा भोरे थाना क्षेत्र के सिसई गांव के सुभाष सिंह और अमित राज के विरुद्ध दो माह पहले प्राथमिकी कराई गई थी। अपने आवेदन में पीड़ित ने आरोप लगाया कि वह नवंबर 2024 में तमकुही राज बाजार में घूमने गए हुए थे। इसी दौरान उन्हें बाजार में केन्या देश भेजने के लिए प्रचार कर रहे वाहन से पंपलेट मिला था। इस बात की चर्चा उन्होंने अपने दोस्तों से की थी। इसके बाद इंद्रजीत कुमार अपने 10 दोस्तों के साथ पंपलेट पर लिखे मोबाइल नंबर के आधार पर संपर्क किए, जिसमें मोबाइल रिसीव करने वाले व्यक्ति ने अपने ऑफिस का पता दिल्ली स्थित आनंद विहार में बताते हुए पहले गोरखपुर मेडिकल कॉलेज से मेडिकल करा कर कंपनी के पते पर भेजने के लिए कहा था। इसके बाद सभी युवको ने मेडिकल की प्रति कंपनी के पते पर भेज दी। इसके बाद कुछ लोगों ने युवको के पास फोन कर मिलने के लिए उचकागांव थाना क्षेत्र के त्रिलोकपुर गांव में बुलाया था। वहां पहले से तीन युवक उपस्थित थे। इसके बाद उपस्थित लोगों ने रोजगार के लिए पहुंचे युवाओं से केन्या भेजने के नाम पर प्रति व्यक्ति अस्सी हजार रुपये की मांग की।

वहीं पूरा पैसा देने के बाद ही वीजा और फ्लाइट का टिकट देने की बात बताई। इसके बाद युवको ने उक्त लोगों को एक लाख दस हजार रुपये नगद व दो अलग-अलग किस्तों में खाते पर कुल आठ लाख 45 हजार रुपये की राशि खाते पर भेज दी थी। इसके बाद उक्त लोगों द्वारा दिए गए टिकट व वीजा लेकर फ्लाइट के निर्धारित तिथि पर एयरपोर्ट पहुंचने पर पाया गया कि उनके फ्लाइट का टिकट कैंसिल कर दिया गया है।

वही वीजा की जांच कराने पर वह भी फर्जी पाया गया।इसके बाद पीड़ितों ने आरोपितों के मोबाइल नंबर पर संपर्क करने का प्रयास किया तो आरोपितों का मोबाइल बंद पाया गया। इसके बाद मामले में पीड़ित इंद्रजीत गुप्ता के आवेदन पर उचकागांव थाना में तीन लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी कराई गई थी। तभी से सभी आरोपित फरार चल रहे थे।

जातीय जनगणना से पहले नीतीश कुमार सरकार जातियों को कर रही संतुष्ट

पटना (एजेंसियां)। कुछ महीनों के बाद बिहार विधानसभा चुनाव होने हैं, लेकिन उससे पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सवर्ण और अनुसूचित जाति के साथ साथ मछुआरा जाति को भी साधने की कवायद कर रहे हैं। इसीलिए बिहार सरकार ने सवर्ण आयोग और डउ आयोग के बाद मछुआरा आयोग का गठन किया है। पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग ने मछुआरा आयोग के गठन को लेकर अधिसूचना जारी की है, जिसमें पटना,भागलपुर,समस्तीपुर, पूर्वी चंपारण और बक्सर के लोगों को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गयी है।

पूर्वी चंपारण के रहने वाले ललन कुमार को मछुआरा आयोग का अध्यक्ष बनाया गया है, जबकि बक्सर के रहने वाले अजीत चौधरी को उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं पटना के सैदपुर पहली गली में रहने वाले राजकुमार, भागलपुर की रेणु सिंह और समस्तीपुर में रहने वाले विद्या सागर को मछुआरा आयोग का सदस्य बनाया गया है।सरकार का मानना है कि मछुआरों के कल्याण, संरक्षण, विकास, आर्थिक अभिवृद्धि एवं उनके रक्षोपायों से संबंधित सभी मामलों का अन्वेषण और अनुश्रवण कर राज्य सरकार को अपनी अनुशंसा करने के लिए राज्य मछुआरा आयोग का गठन किया गया है।

पटना निवासी देवेंद्र कुमार को राज्य अनुसूचित जाति आयोग का उपाध्यक्ष बनाया गया है। पटना के रहने वाले रूबल रविदास, नालंदा के रहुई निवासी संजय कुमार और औरंगाबाद के रहने वाले ललन राम को राज्य अनुसूचित जाति आयोग के सदस्य बनाये गये हैं। मनोज कुमार कटिहार निवासी मनोज कुमार को महादलित आयोग का अध्यक्ष बनाया गया है। वैशाली के गोरौल निवासी राम नरेश कुमार, भोजपुर के अजीमाबाद निवासी राम ईश्वर रजक, पटना निवासी अजीत कुमार चौधरी और मुंगेर के हवेली खड़गपुर निवासी मुकेश मांझी को महादलित आयोग का सदस्य बनाया गया है।

पारिवारिक विवाद बना हत्या की वजह, आईआईटी थाना के चौकीदार समेत तीन गिरफ्तार

पटना (एजेंसियां)। पटना जिले के आईआईटी थाना क्षेत्र के मोलाहिमपुर गांव में एक युवक दीपक पासवान की हत्या के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए उसके ससुर और दो अन्य परिजनों को गिरफ्तार किया है। मृतक दीपक के पिता और आईआईटी थाना में कार्यरत चौकीदार राजेश पासवान, मां बेबी देवी और छोटा भाई चंदन पासवान को पुलिस ने हिरासत में लिया है।

दीपक पासवान की पत्नी निरमा देवी ने थाना में दिए गए लिखित आवेदन में बताया कि उसके ससुरालवालों ने मिलकर उसके पति की हत्या की और शव को सोन नदी में फेंक दिया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंच कर जांच शुरू की और शव की तलाश के लिए एसडीआरएफ की टीम को भी लगाया गया है, हालांकि अब तक शव बरामद नहीं हुआ है।

निरमा देवी ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि शादी के दो साल बाद से ही ससुराल वाले उस पर और उसके पति पर अत्याचार करते थे। उसने यह भी बताया कि दीपक पासवान की पहली पत्नी की भी हत्या कर दी गई थी, जिसमें उसके ससुर राजेश पासवान, सास बेबी देवी और दीपक नामजद आरोपी थे। इस मामले में राजेश पासवान और बेबी देवी जेल भी जा चुके हैं, जबकि दीपक फरार था।

थानाध्यक्ष शिवशंकर कुमार ने बताया कि पीड़िता के बयान के आधार पर तीनों नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और अन्य फरार आरोपी की तलाश की जा रही है। फिलहाल सोन नदी में शव की तलाश जारी है और मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

धार्मिक स्थल में तोड़फोड़ से इलाके में तनाव, बड़ी तादाद में पुलिस तैनात

दरभंगा (एजेंसियां)। दरभंगा जिले में धार्मिक आस्था को ठेस पहुंचाने वाली एक गंभीर घटना सामने आई है। लहेरियासराय थाना क्षेत्र के मदारपुर चौक स्थित प्राचीन धार्मिक स्थल में उपद्रवियों ने गर्भगृह में घुसकर सात मिट्टी से बने पिंडों को तोड़कर पूरी तरह तहस-नहस कर दिया। यह घटना तब उजागर हुई जब श्रद्धालु प्रतिदिन की तरह पूजा-अर्चना के लिए धार्मिक स्थल पहुंचे। जैसे ही लोगों की नजर अंदर हुए विध्वंस पर पड़ी, पूरे इलाके में हड़कंप मच गया।

स्थानीय लोगों में गहरा रोष व्याप्त हो गया और देखते ही देखते धार्मिक स्थल के बाहर भीड़ जमा हो गई। घटना की सूचना मिलते ही दरभंगा पुलिस सक्रिय हो गई और तुरंत घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति को संभालने में जुट गई। मौके पर दरभंगा सदर के एसडीपीओ अमित कुमार स्वयं भारी पुलिस बल के साथ पहुंचे और धार्मिक स्थल परिसर व आसपास की स्थिति का जायजा लिया।

पुलिस ने घटना की गंभीरता को देखते हुए पूरे क्षेत्र की सुरक्षा कड़ी कर दी है और आसपास लगे सभी सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को खंगाला जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही आरोपियों की पहचान कर उन्हें कानून के शिकंजे में लिया जाएगा। एसडीपीओ अमित कुमार ने बताया कि घटना बेहद संवेदनशील है और इसकी जांच को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। अफवाहों से बचने और शांति बनाए रखने की अपील की गई है।

घटना को लेकर इलाके में तनाव का माहौल है, हालांकि पुलिस की मुस्तैदी के चलते भीड़ को शांत कर घटनास्थल से हटाया गया है। फिलहाल धार्मिक स्थल परिसर और आसपास के क्षेत्र में पुलिस की तैनाती बढ़ा दी गई है ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से बचा जा सके। मदारपुर के निवासी अंकुर गुप्ता ने इस घटना को आस्था पर सीधा प्रहार बताया। उन्होंने कहा कि यह बेहद निंदनीय कृत्य है। हम प्रशासन से मांग करते हैं कि ऐसे कुकृत्य को अंजाम देने वालों को जल्द गिरफ्तार कर सख्त सजा दी जाए।

स्थानीय लोगों के अनुसार यह धार्मिक स्थल क्षेत्र के लोगों की आस्था का केंद्र है। यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रतिदिन पूजा के लिए पहुंचते हैं और कई लोग तो अपने दिन की शुरुआत इसी धार्मिक स्थल में पूजा से करते हैं। इस पवित्र स्थल पर हुई तोड़फोड़ से लोगों की धार्मिक भावनाओं को गहरी चोट पहुंची है।

जहानाबाद छात्र हत्याकांड का खुलासा, जादू टोने के शक में रची गई साजिश, तीन गिरफ्तार

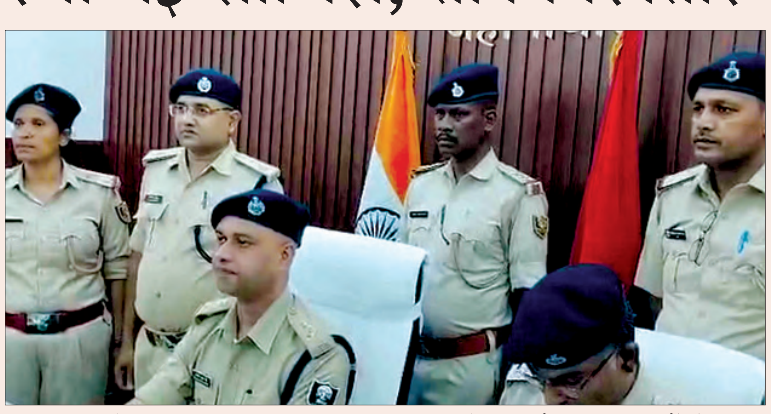

जहानाबाद (एजेंसियां)। जहानाबाद जिले की पुलिस ने एक महीने पुराने छात्र बबलू कुमार हत्याकांड का सफलतापूर्वक खुलासा किया है। इस मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जिनके पास से एक देसी कट्टा, एक जिंदा कारतूस और एक बाइक बरामद की गई है। यह घटना 25 अप्रैल को मखदुमपुर थाना क्षेत्र के छज्जोपुर गांव में हुई थी। छात्र बबलू कुमार जब लाइब्रेरी से पढ़ाई करके घर लौट रहा था, तभी धनकौल के पास उसे गोली मार दी गई। बबलू की मौके पर ही मौत हो गई थी।

जांच में सामने आया कि हत्या की जड़ें अंधविश्वास में थीं। बबलू के पड़ोसी योगेंद्र उर्फ मंझला यादव का बेटा हाल ही में मौत का शिकार हुआ था। मंझला को शक था कि बबलू की मां ने उसके बेटे पर जादू-टोना किया था, जिससे उसकी मौत हुई। इसी शक और गुस्से में उसने बबलू की हत्या की साजिश रची।

मंझला ने इस साजिश को अंजाम देने के लिए तहरुआ गांव के डब्लू कुमार से संपर्क किया, जिसने फिर टेहटा के राहुल कुमार को यह काम सौंपा। राहुल ने हत्या के लिए तीन लाख रुपये की मांग की, जिसे मंझला ने मंजूर कर लिया। इसके बाद राहुल और सुजीत कुमार ने बबलू को गोली मार दी।

जहानाबाद एसपी अरविंद प्रताप सिंह ने बताया कि यह केस शुरुआत में बिल्कुल अंधेरे में था। बबलू के पिता ने अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी, जिसके बाद पुलिस ने तकनीकी और गुप्त सूचना के आधार पर जांच शुरू की। आखिरकार पुलिस ने तीन अपराधियों को अलग-अलग स्थानों से गिरफ्तार कर लिया। हालांकि एक आरोपी अब भी फरार है और उसकी तलाश जारी है।

डिप्टी सीएम और अस्पताल निदेशक के आदेश बेमानी

बाहर की दवाएं लिखने से बाज नहीं आ रहे डॉक्टर

लखनऊ (एजेंसियां)। सरकारी अस्पताल के डॉक्टरों के लिए डिप्टी सीएम और अस्पताल निदेशक के आदेश बेमानी साबित हो रहे हैं। वह बाहर की दवाएं लिखने से बाज नहीं आ रहे हैं। कई दवाएं पर्चे पर तो कई मेडिकल स्टोर पहुंचने पर फोन से बताते हैं। राजधानी लखनऊ में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और अस्पताल निदेशक के सख्त आदेशों का भी असर बलरामपुर अस्पताल के डॉक्टरों पर नहीं पड़ रहा है। वे अब भी मरीजों को बाहर की दवाएं लिख रहे हैं। कुछ दवाएं मरीज के पर्चे पर लिखी जा रही हैं। बाकी मरीज को मेडिकल स्टोर पर भेजकर बताई जा रही हैं। शुक्रवार को पीड़ित महिला ने अस्पताल प्रशासन से इसकी शिकायत भी की।

नस संबंधी परेशानी से जूझ रहीं हरदोई निवासी रेखा शुक्रवार सुबह बलरामपुर अस्पताल की ओपीडी में पहुंचीं। उन्होंने कमर के नीचे के हिस्से की नस में दिक्कत होने की बात कही। इस पर डॉक्टर ने पर्चे पर दवाएं लिखकर रेखा को बाहर के निजी मेडिकल स्टोर पर भेज दिया। स्टोर संचालक ने 15 दिन की दवा के दो हजार रुपए मांगे। रेखा ने इतने पैसे न होने की बात कहते हुए चार दिन की ही दवाएं ली।

इसके बाद अस्पताल प्रशासन से बाहर से दवाएं मंगवाए जाने की शिकायत की। अस्पताल निदेशक डॉ. दिनेश कुमार के मुताबिक, जांच में आरोप सही मिले तो संबंधित डॉक्टर के खिलाफ रिपोर्ट शासन को भेजी जाएगी। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने बीते दिनों बलरामपुर अस्पताल का निरीक्षण किया था। इस दौरान दो डॉक्टरों को बाहर की दवाएं लिखते पकड़ा गया था।

मद्य निषेध विभाग के छापे से बचकर भागा शख्स तालाब में गिरा, डूबने से मौत

पटना (एजेंसियां)। पटना जिले के मसौढ़ी में मद्य निषेध विभाग की लापरवाही के कारण एक व्यक्ति की दुखद मौत ने पूरे क्षेत्र में तनाव और आक्रोश का माहौल पैदा कर दिया। निसियावां गांव में शराब पीने के आरोप में छापामारी के दौरान भाग रहा एक व्यक्ति तालाब में गिर गया और डूबने से उसकी मौत हो गई। इस घटना से गुस्साए ग्रामीणों और परिजनों ने अनुमंडल चौराहे पर सड़क जाम कर आगजनी की और मद्य निषेध विभाग की गाड़ी को आग के हवाले कर दिया। इस विरोध प्रदर्शन ने यातायात को पूरी तरह ठप कर दिया और क्षेत्र में तनाव की स्थिति बन गई। मसौढ़ी के निसियावां गांव में मद्य निषेध विभाग की टीम ने शराब पीने और बेचने वालों के खिलाफ छापामारी अभियान चलाया। इस अभियान के दौरान 40 वर्षीय उपेंद्र बिंद को शराब पीने के आरोप में पकड़ने की कोशिश की गई। धरपकड़ से बचने के लिए उपेंद्र भागने लगा, लेकिन भागते समय वह गांव के पास एक तालाब में गिर गया। तालाब में डूबने के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इस हादसे ने पूरे गांव को हिलाकर रख दिया और परिजनों में गहरा शोक और गुस्सा फैल गया। उपेंद्र की मौत की खबर मिलते ही निसियावां गांव के लोग और मृतक के परिजन आक्रोशित हो गए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का बड़ा फैसला

अयोध्या के पवित्र रास्तों पर अब नहीं बिकेगा मांसाहार

लखनऊ (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या की धार्मिक पवित्रता बनाए रखने के लिए एक बड़ा फैसला लिया है। अब अयोध्या के पवित्र मार्गों जैसे रामपथ, धर्मपथ, भक्तिपथ और 14 कोसी व पंचकोसी परिक्रमा मार्ग पर मांस और मछली की बिक्री पूरी तरह से बंद रहेगी।

बुधवार को सहायक खाद्य आयुक्त माणिक चंद सिंह ने अपनी टीम के साथ इन रास्तों का निरीक्षण किया। सबसे पहले उन्होंने सहादतगंज से लता मंगेशकर चौक तक करीब 13 किलोमीटर लंबे रामपथ का दौरा किया।

इस दौरान जो दुकानदार नॉनवेज बेच रहे थे, उन्हें सात दिन के अंदर दुकानें बंद करने का सख्त आदेश दिया गया है। अगर कोई दुकानदार एक हफ्ते के अंदर दुकान बंद नहीं करता, तो नगर निगम की टीम उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगी। सहायक आयुक्त ने बताया कि कुछ दुकानों में थोड़ा-बहुत सामान बचा हुआ है, इसलिए मानवीय दृष्टिकोण से उन्हें सात दिन का समय दिया गया है।

राम जन्मभूमि और उसके आसपास के इलाकों में मांस और मछली की बिक्री को लेकर मुख्यमंत्री को जनता दरबार और सीएम पोर्टल पर कई शिकायतें मिली थीं। इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए अयोध्या के महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी ने पहल की।

इसके बाद नगर निगम ने एक प्रस्ताव पास किया, जिसमें तय किया गया कि अयोध्या के पवित्र रास्तों पर मांस की बिक्री पूरी तरह बंद कर दी जाएगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरि जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com